सूर्योदय 5:28 सूर्यास्त 7:26

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	25 अधि
धर्मशाला	22न्यू	31 अधि

बाजार

सेंसेक्स	82,500.47
निफ्टी	25,149.85
सोना 97,511	चांदी 1,10,290

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

धर्मपुर में आपदाग्रस्त परिवारों से मिले सांसद अनुराग

पृष्ठ 3 पर

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 14 जुलाई 2025 | 30 आषाढ़, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 196, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

बिहार की वोटर लिस्ट में नेपाली-बांग्लादेशी

एजेंसी, पटना। बिहार में वोटर लिस्ट वैरिफिकेशन का काम जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों का दावा है कि बिहार में बड़ी तादाद में विदेशी मतदाता हैं। अफसरों ने बताया, 'हमने मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए घर-घर जाकर दौरे किए। इस दौरान हमें नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोग मिले हैं।' अफसरों के मुताबिक, 30 सितंबर को पब्लिश होने वाली आखिरी मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों के नाम शामिल नहीं किए जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में 8 खालिस्तानी गैंगस्टर किए गिरफ्तार

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत से फरार खालिस्तानी आतंकियों और गैंगस्टरों पर शिकंजा कसते हुए एफबीआई और स्थानीय एजेंसियों ने कैलिफोर्निया के सैन जोक्विन काउंटी में बड़ी कार्रवाई की। स्टॉकटन, मंटेका और स्टानिस्लॉस काउंटी की टीमों और एफबीआई की स्पेशल यूनिट की मदद से हुए इस ऑपरेशन में भारतीय मूल के आठ खालिस्तान समर्थक गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। इन सभी के खिलाफ अलग-अलग आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। (अनंत ज्ञान)

तमिलनाडु में पटरी से उतरी मालगाड़ी

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं। जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। करीब 10 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप ने यूरोपियन यूनियन पर 30 % टैरिफ लगाया

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको और यूरोपियन यूनियन पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त से इन दोनों देशों से अमेरिका में आने वाले सामान पर टैरिफ लागू होगा। इस कदम की जानकारी उन्होंने अपने 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर दी। ट्रंप ने दोनों को ये भी धमकी दी कि अगर वे जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो टैरिफ रेट और बढ़ा दी जाएगी। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- एक बच्चे से शुरू किए संस्थान में अब 67 बच्चे -पेज2
- अढ़ाई साल में एनडीपीएस के 5 हजार केस दर्ज -पेज3
- चुराह महोत्सव में अव्यवस्था से टूटा लोगों का सपना -पेज 7
- थाने छोड़ पुलिस सड़क को खुलवाने में व्यस्त और कंपनी है मस्त -पेज 9
- कुल्लू के बिजली महादेव रोपवे पर आपके क्या विचार हैं -पेज 11

उज्ज्वल निकम, मीनाक्षी जैन, हर्षवर्धन और सदानंदन राज्यसभा के लिए नामित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया नॉमिनेट

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं। इनके अलावा केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद् सी. सदानंदन, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी।

ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं।

बता दें कि राज्यसभा में 12 सदस्य ऐसे होते हैं, जिन्हें जनता नहीं चुनती, बल्कि राष्ट्रपति नामित करते हैं। ये नाम सरकार राष्ट्रपति को सुझाती है और फिर राष्ट्रपति उन्हें मनोनीत करते हैं। इनका मकसद यह होता है कि संसद में हर क्षेत्र के जानकार लोग मौजूद हों, ताकि कानून बनाने में उनका अनुभव और राय मदद कर सके। (अनंत ज्ञान)

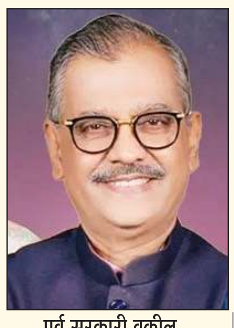

पूर्व सरकारी वकील उज्ज्वल निकम

इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला

समाजसेवी और शिक्षाविद् सी. सदानंदन

पीएम और गृहमंत्री ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किए गए चारों लोगों को शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा कि इन चारों का क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर योगदान अद्वितीय है और उनकी विशेषज्ञता संसद की कार्यवाही को समृद्ध करेगी। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी रविवार को राज्यसभा के लिए नामित किए गए चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनकी ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता से संसद में राष्ट्रीय विमर्श और समृद्ध होगा। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सम्माननीय राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में नामांकित किए गए प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. मीणाक्षी जैन, पूर्व राजनयिक हर्षवर्धन श्रृंगला, समाजसेवी सी. सदानंदन और वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि ये सभी महानुभाव अपने क्षेत्रों के दिग्गज हैं और उनके अनुभव से देश की संसद में राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर और बेहतर चर्चा हो सकेगी।

'बाहुबलियों' के सेब बागान भी कटेंगे

हिमाचल में 'ऑपरेशन एन्वेंशन' की तेज धार के वार से वन भूमि से हटेगा अतिक्रमण

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश की हरी-भरी वादियों में दशकों से चली आ रही वन भूमि पर अवैध कब्जे की समस्या अब निर्णायक दौर में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेशों के बाद हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने भी वन भूमि से अतिक्रमण हटाने का संज्ञान लिया है। इसके बाद वन विभाग के विशेष सचिव विजय कुमार ने कार्रवाई के लिए आदेश पारित किया है। अब वन विभाग ने 'ऑपरेशन एन्वेंशन' के तहत एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व अभियान छेड़ दिया है, जिसमें पहली बार बड़े और प्रभावशाली बागवानों के सेब के बगीचों पर भी 'कुल्हाड़ी' चली है। यह कार्रवाई सिर्फ छोटे अतिक्रमणकारियों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि अब बड़े 'बाहुबलियों' पर भी शिकंजा कसना शुरू हो गया है। इस अभियान की शुरुआत कोटखाई के चैथला गांव से हुई, जिसने एक स्पष्ट संदेश दिया कि अब कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो? चैथला में बड़े पैमाने पर सेब के पेड़ काटकर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह ऑपरेशन अब रामपुर, जुब्बल, रोहड़ू, चौपाल और ठियोग जैसे प्रमुख बागवानी क्षेत्रों में भी चलेगा, जहां लंबे समय से वन भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जों की शिकायतें लंबित थीं।

> रामपुर, जुब्बल, रोहड़ू चौपाल और ठियोग में भी चौतरफा चलेगा जंगलों को मुक्त करवाने का अभियान

जानकारी के अनुसार बीते चार वर्षों से न्यायालय में लंबित इन मामलों में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद आखिरकार वन विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने मोर्चा संभाला। मशीनरी का इस्तेमाल कर सेब के पेड़ों को काटा गया और अवैध कब्जों को हटाया गया। पुलिस ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए एहतियातन आसपास के क्षेत्रों से हथियार भी जमा करवा लिए हैं।

इसी क्रम में कुमारसैन की ग्राम पंचायत बड़ागांव के सराहन गांव में भी हाईकोर्ट के आदेश के बाद बड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। सराहन के चार बागवानों के बाद अन्य बागवानों द्वारा वन भूमि पर लगाए गए सेब, नाशपाती और चेरी के पेड़ों को काटने का सिलसिला जारी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान एक अवैध रूप से निर्मित मकान को भी वन विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है, जो अतिक्रमण की गंभीरता को उजागर करता है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सराहन में बचे अन्य अतिक्रमणकारियों पर 15 जुलाई को भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

दशकों की अनदेखी के अंत के साथ भविष्य के लिए नजीर

यह अभियान उन दशकों की अनदेखी का अंत है, जब वन भूमि पर अतिक्रमण एक आम बात हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की यह सख्ती एक स्पष्ट संदेश है कि हिमाचल की बेशकीमती वन संपदा पर अब किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह छोटा किसान हो या कोई बड़ा बागवान। यह कार्रवाई भविष्य के लिए एक नजीर बनेगी और प्रदेश में अवैध कब्जों पर पूर्ण विराम लगाने में सहायक होगी।

वन भूमि पर अवैध कब्जाधारियों के खत्म हुए अच्छे दिन

यह स्पष्ट है कि हिमाचल प्रदेश में अब वन भूमि पर अवैध कब्जा जमाए बैठे लोगों के लिए 'अच्छे दिन' खत्म हो चुके हैं। सरकार और न्यायपालिका दोनों ही इस मुद्दे पर दृढ़ संकल्पित दिख रहे हैं कि प्रदेश की हरित संपदा को हर कीमत पर बचाया जाए, भले ही इसके लिए कितनी भी कड़ी कार्रवाई क्यों न करनी पड़े।

हिमाचल में विदेश से आई थीं अदालतों को उड़ाने की धमकियां

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश के सरकारी संस्थानों, विशेषकर जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालय को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की हालिया धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों को सकते में डाल दिया है। इस मामले में एक बड़ा खुलासा करते हुए हिमाचल प्रदेश पुलिस ने बताया है कि इन धमकी भरे ई-मेल्स के तार विदेशों से जुड़े हैं, जो एक गहरी साइबर साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं। यह जानकारी सामने आने के बाद प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

> साइबर अपराधियों की गहरी साजिश का पर्दाफाश

शिमला पुलिस और साइबर विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने अपनी गहन जांच में इन धमकी भरे ई-मेल्स के मूल स्रोत की पहचान कर ली है। जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि जिन इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) एड्रेस से ये मेल भेजे गए थे, वे विदेशी हैं। हालांकि, जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने फिलहाल उन विशिष्ट देशों के नामों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन इस महत्वपूर्ण जानकारी ने मामले को एक अंतरराष्ट्रीय आयाम दे दिया है। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यदि आवश्यक हुआ, तो इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों की मदद भी ली जा सकती है, ताकि अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

इन मामलों को लेकर विभिन्न पुलिस थानों में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, और प्रदेश के साथ-साथ केंद्रीय खुफिया एजेंसियां भी पूरी तरह से अलर्ट पर हैं।

ई-मेल के लिए वीपीएन का कर रहे इस्तेमाल

साइबर क्राइम विशेषज्ञों की जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। पता चला है कि कई मामलों में धमकी भरे ई-मेल भेजने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया है।

पड़ताल में जुटी पुलिस

पुलिस अब इस बात की तह तक जाने का प्रयास कर रही है कि क्या इन ई-मेल्स का वास्तविक स्रोत विदेशों में ही है या फिर अपराधियों ने वीपीएन का इस्तेमाल भारत से ही अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया है।

मुख्यमंत्री ने बादल फटने की घटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन की उठाई मांग

स्टडी से पर्यावरणीय असंतुलन को समझने में मिलेगी मदद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

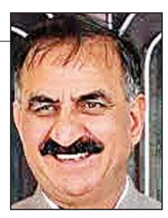

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही बादल फटने जैसी विनाशकारी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इसके पीछे के वैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों के गहन अध्ययन की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि इन प्राकृतिक आपदाओं की जड़ों को गहराई से समझा जाए। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे अध्ययन से न केवल आपदा प्रबंधन की रणनीतियां सशक्त होंगी, बल्कि हमें पर्यावरणीय असंतुलनों को बेहतर ढंग से समझने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें भविष्य की चुनौतियों के प्रति तैयार रहने में सक्षम बनाएगा। मुख्यमंत्री की इस मांग से उम्मीद है कि राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और तैयारियों को लेकर एक नई पहल शुरू होगी, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा।

> आपदा जोखिम को कम करने की जगी उम्मीद

अमरनाथ यात्रा : कुलगाम में टकराईं 3 बसें

10 यात्री घायल, नौ दिन पहले चंदरकोट में हुआ था एक्सीडेंट

एजेंसी, पहलगाम

अमरनाथ यात्रियों के काफिले की 3 बसों की रविवार को कुलगाम में आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि बालटाल की ओर जा रहे काफिले की तीन बसों का ताचलू क्रॉसिंग के पास एक्सीडेंट हुआ है। बता दें कि नौ दिन पहले चंदरकोट में भी गाड़ियां आपस में टकरा गई थीं। उधर, यात्रा के 10वें दिन 19,020 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में शिवलिंग के दर्शन किए। अब तक 1.83 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यह 9 अगस्त तक चलेगी। (अनंत ज्ञान)

कुलगाम में आपस में टकराईं अमरनाथ यात्रियों के काफिले की तीन बसें।

जम्मू से 7,049 यात्रियों का 12वां जत्था भी रवाना

जम्मू। रविवार सुबह 7,049 यात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से भगवती नगर बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। इसमें 1,423 महिलाएं, 31 बच्चे और 136 साधु-साध्वियां शामिल हैं। अमरनाथ यात्रा के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, आरएफआईडी कार्ड, ट्रैवल एप्लिकेशन फॉर्म अपने साथ रखें। फिजिकल फिटनेस के लिहाज से हर रोज 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की प्रैक्टिस करें। सांस वाला योग जैसे प्राणायाम और एक्सरसाइज करें। यात्रा में ऊनी कपड़े, रेनकोट, ट्रैकिंग स्टिक, पानी बॉटल और जरूरी दवाओं का बैग अपने साथ रखें।

सभी राज्य नकली उर्वरकों की बिक्री पर रोक लगाएं : चौहान

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नकली और घटिया उर्वरकों की बिक्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और रोक लगाने को कहा है। मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में चौहान ने उनसे उर्वरक उत्पादन और बिक्री की नियमित निगरानी करने के साथ-साथ नकली और घटिया उत्पादों के नमूने लेने और परीक्षण करने को कहा है। उन्होंने कहा, 'पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो-उर्वरकों पर जबरन टैगिंग तुरंत बंद की जानी चाहिए।' कृषि मंत्री ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों और कृषक समूहों को निगरानी प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रतिक्रिया और सूचना प्रणालियां विकसित करें और किसानों को असली-नकली उत्पादों की पहचान करने के बारे में शिक्षित करने के लिए विशेष प्रयास करें। (अनंत ज्ञान)

अपराध

ठग अपना रहे नए-नए पैंतरे, लोगों की कमजोर नब्ज पर डाल रहे हाथ

हर नए डिजिटल कदम पर फ्रॉड का खतरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

डिजिटल युग की सुविधा के साथ ही साइबर अपराध का साया हिमाचल प्रदेश पर गहराता जा रहा है। पिछले दो वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में चिंताजनक वृद्धि ने प्रदेशवासियों की रातों की नींद हराम कर दी है। ठग नए-नए पैंतरों से लोगों की मेहनत की कमाई पर डाका डाल रहे हैं। जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधी अब सिर्फ लिंक भेजने तक सीमित नहीं हैं, वे लोगों की कमजोर नब्ज पर हाथ डाल रहे हैं। खुद को पुलिस, सरकारी अधिकारी या कूरियर कंपनी बताकर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देना, ड्रग्स या अवैध सामान भेजने का झूठा दावा करना या फिर किसी परिचित की आपात स्थिति का बहाना बनाकर पैसे ऐंठना, ये सभी ठगी के नए और खतरनाक तरीके हैं। क्यूआर कोड स्कैम और ऑनलाइन खरीद के नाम पर भी लोग बड़े पैमाने पर ठगे जा रहे हैं।

साइबर अपराध विभाग के मुताबिक, यूपीआई ठगी, क्यूआर कोड स्कैम और फर्जी कूरियर कॉल्स सहित साइबर हैकिंग के मामलों में पिछले दो सालों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन ठगों का शिकार अक्सर बुजुर्ग, कम पढ़े-लिखे लोग या वे लोग बन रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में डिजिटल तकनीक का उपयोग शुरू किया है।

संदिग्ध कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें

साइबर ठगी से बचने के लिए ट्राई, फेडेक्स या पुलिस द्वारा फोन कनेक्शन काटने, पैकेज भेजने या आधार नंबर पूछने वाली किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें। डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी को पूरी तरह से नजरअंदाज करें। वहीं, किसी भी अनजान ब्लू लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी के साथ अपना ओटीपी या बैंक विवरण साझा करें।

अपनी पहचान न बताएं : डीआईजी

हिमाचल प्रदेश साइबर अपराध के डीआईजी मोहित चावला ने बताया कि कोई भी सरकारी एजेंसी या सरकारी विभाग कभी भी फोन कॉल के माध्यम से किसी की व्यक्तिगत, बैंक खाते से संबंधित जानकारी की मांग नहीं करते। यदि आपको कोई ऐसा कॉल या संदेश आता है, जिसमें आपसे बैंक विवरण, ओटीपी, आधार नंबर, या किसी भी प्रकार के गोपनीय डेटा की मांग की जाती है या डिजिटल अरेस्ट या किसी अन्य कानूनी कार्रवाई का डर दिखाया जाता है, तो यह स्पष्ट रूप से एक धोखाधड़ी का प्रयास है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कॉल की जानकारी तुरंत हमारी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

न्यूज ब्रीफ

भारत मजदूर किसान संगठन ने दी सहायता राशि

अनंत ज्ञान, भोरंज। भारत मजदूर किसान संगठन, जो कि एक पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, ने सामाजिक सेवा के तहत हमीरपुर जिला के बड़ेहर गांव निवासी पवन कुमार को उनकी बेटी की शादी हेतु 21,000 की कन्यादान राशि प्रदान की। यह सहायता संगठन की प्रदेश एवं जिला इकाई के सहयोग से दी गई। इस सहयोग के लिए पवन कुमार ने संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश भाटिया, ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय महामंत्री अनीता बाला, प्रदेश सचिव ममता देवी, प्रदेश सचिव विकास भारती, जिला अध्यक्ष हमीरपुर कैप्टन चुनी लाल, तथा जिला अध्यक्ष कांगड़ा अश्विनी कुमार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिनेश भाटिया ने बताया कि संगठन निर्धन, जरूरतमंद और वंचित परिवारों की सहायता हेतु सदैव तत्पर रहता है। कन्यादान राशि प्रदान करने के इस कार्यक्रम में संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें अनीता बाला, ममता देवी, विकास भारती, कैप्टन चुनी लाल, अश्वनी कुमार सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

पीएम मॉडल स्कूल बिझड़ी में लगा हैंडपंप

अनंत ज्ञान, बड़सर। पीएम श्री राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिझड़ी में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का अंततः समाधान हो गया है। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुभाष ढटवालिया के प्रयासों के बाद स्कूल परिसर में एक नया हैंडपंप स्थापित किया जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल में पीने के पानी की समस्या काफी पुरानी थी और इसके समाधान के लिए लगातार एक हैंडपंप की मांग की जा रही थी। इस गंभीर समस्या को समझते हुए कांग्रेसी नेता सुभाष ढटवालिया ने व्यक्तिगत रुचि लेकर इस मांग को पूरा करवाया। विद्यालय परिवार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू और विशेष रूप से सुभाष ढटवालिया का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस हैंडपंप के लगने से अब स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ और बेहतरीन पानी की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार, एसएमसी अध्यक्ष राजीव शर्मा, उपप्रधानाचार्य केवल शर्मा और अन्य स्टॉफ के सदस्यों ने सुभाष ढटवालिया का आभार व्यक्त किया।

सेटी गांव को आपदा राहत के लिए दी सहायता राशि

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सेटी गांव में आई प्राकृतिक आपदा के बाद राहत कार्यों के लिए यूहाण (चम्बोह) युवक मंडल ने 1,05,500 की बड़ी सहायता राशि प्रदान कर मानवता और समाज सेवा की मिसाल पेश की है। युवक मंडल के सदस्यों रोहित, राकेश, पंकज, अनिल और विकास ने इस पुनीत कार्य में पूरा सहयोग दिया और गांव-समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया। राहत राशि सौंपने के दौरान समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभ्यवीर सिंह लवली, धरमपुर मंडल अध्यक्ष विनोद ठाकुर, पटा पंचायत प्रधान दिनेश ठाकुर, समीरपुर मंडल महामंत्री हिटलर ठाकुर, तथा भोरंज से कुलदीप शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने युवक मंडल की एकजुटता और सेवा भावना की सराहना की। समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभ्यवीर सिंह लवली ने कहा कि इस आपदा की घड़ी में युवाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका यह सहयोग न केवल प्रभावित परिवारों को राहत देगा बल्कि समाज में भी सकारात्मक संदेश जाएगा कि युवा हर संकट में आगे रहते हैं। धरमपुर मंडल अध्यक्ष विनोद ठाकुर ने कहा कि ऐसे कार्यों से युवाओं की सोच और उनकी सामाजिक जिम्मेदारी का पता चलता है। पटा पंचायत प्रधान दिनेश ठाकुर ने भी युवक मंडल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की मदद से जरूरतमंद लोगों को तुरंत राहत मिलती है। आपदा में बेघर हुए परिवारों के लिए संस्था अनुराग ठाकुर द्वारा 20 परिवारों को रसोईघर के सभी आवश्यक बर्तन और सामान उपलब्ध करवाए गए।

श्रद्धालुओं की श्रद्धा, हरिद्वार से चूड़धार तक पदयात्रा

अनंत ज्ञान, नाहन। सावन के पावन महीने में भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए सिरमौर जिला के शिलाई क्षेत्र से एक दल कांवड़ यात्रा पर निकला है। यह ऐतिहासिक यात्रा क्षेत्रवासियों के लिए धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन गई है।इस बार शिलाई क्षेत्र के विभिन्न गांवों से जुड़े श्रद्धालु राहुल ठंडू, रवींद्र ठंडू (दाया से), रवि चाकला (नैनीधार से), निशांत ठाकुर (टिक्का से) और बिज मोहन ठाकुर (पशमी से) - हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर चूड़धार महादेव को अर्पित करने के लिए पैदल यात्रा पर निकले हैं। यात्रा की शुरुआत 11 जुलाई को शिमला से हुई, जिसके बाद 12 जुलाई को सभी श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। वहां से गंगाजल लेने के बाद उन्होंने चूड़धार के लिए कठिन पदयात्रा प्रारंभ की। यह जत्था 15 जुलाई को चूड़धार पहुंचेगा और सूर्य संक्रांति के शुभ अवसर पर 16 जुलाई को भगवान शिव को पवित्र जल अर्पित किया जाएगा।श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि क्षेत्र की युवा पीढ़ी को संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का भी एक प्रयास है।

आपदा प्रभावितों के लिए भेजी राहत

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

मंडी जिला के सिराज इलाके में आई बाढ़ बादल फटने की घटना और लोगों के दुख दर्द को सांझा करने के लिए रविवार सुबह राहत सामग्री रवाना की। हमीरपुर के एसपी भगत सिंह ने इस वाहन को हरी झंडी देकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि यह बहुत ही पावन और नेक कार्य के लिए प्रेस क्लब हमीरपुर ने अपनी आहुति डाली है। प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश कंबर और महासचिव सुरेंद्र कटोच के अलावा बंसल प्रेस क्लब के अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने कहा कि यह सिलसिला जारी रहेगा प्रारंभिक प्रयास था अभी बहुत सारे लोगों के फोन आ रहे हैं कि हम भी सामान देना चाहते हैं अगली खेप बहुत जल्द भेजी जाएगी। नालटी स्कूल ने भी सिराज बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रेस क्लब हमीरपुर के साथ ही अलग गाड़ी में आज भेजा। स्कूल के कार्यकारी प्रिंसिपल देवेंद्र का कहना था कि तीन-चार दिनों में ही यह प्रयास सफल हुआ है।

राहत सामग्री से भरे वाहन को रवाना करते हुए गणयमान्य।

युवा कांग्रेस हमीरपुर ने भी भेजी राहत सामग्री

हमीरपुर। युवा कांग्रेस हमीरपुर की टीम हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए राहत सामग्री से भरी गाड़ी के साथ आज सुबह मंडी रवाना हुई। मुख्यमंत्री के राजनितिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने गांधी चौक हमीरपुर से हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

युवा कांग्रेस के पूर्व मिडिया सेल के चैयरमेन डॉ. चंदन राणा, प्रदेश महासचिव अखिलेश चौधरी, हमीरपुर ब्लॉक अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह ठाकुर एवं युवा साथियों जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष बिशव शामा, विधानसभा उपाध्यक्ष अनुराग, मोहित शास्त्री, राजन सिंह राणा के प्रयास और सहयोग से रोजाना काम, बाथरूम किट, जूते-चप्पल और कंबल से भरी गाड़ी सिराज विधानसभा के लिए गई। जहां युवा कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के सौजन्य से राहत सामग्री को वितरण किया जाएगा।

अमर शहीद अंकुश ठाकुर सेना ट्रस्ट ने निभाई अपनी भूमिका

अनंत ज्ञान, जाहू। प्रदेश में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। संकट की इस घड़ी में गलवान शहीद अंकुश सेना ट्रस्ट ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए आपदा प्रभावित थुनाग क्षेत्र में एक विशेष राहत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा पीड़ित परिवारों के लिए आवश्यक सामग्री की 100 राहत किटें, जिनमें चावल, दाल, आटा, नमक, तेल, मसाले, साबुन, टूथपेस्ट आदि आवश्यक घरेलू सामग्री वितरित की गईं। इसके साथ ही जरूरतमंदों को कंबल, बिस्तर, जूते, चप्पल, गर्म कपड़े आदि भी प्रदान किए गए। ट्रस्ट की अध्यक्षा उषा रानी ने सेवा कार्य में जुटी टीम को हरी झंडी दिखा कर दो पिकअप गाड़ियों सहित रवाना किया। इसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ-साथ समाज के अनेक छोटे बड़े स्वयंसेवकों ने भी अपनी भूमिका निभाई। सेवा ट्रस्ट की टीम ने थुनाग पहुंचकर आपदा पीड़ित लोगों का दर्द सांझा किया तथा उन्हें राहत सामग्री वितरत की। इस सेवा अभियान का उद्देश्य केवल सामग्री वितरण नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लौटाना और उन्हें यह विश्वास दिलाना था कि वे अकेले नहीं हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अनिल कुमार, शिव प्रकाश, भागीरथ शर्मा, प्रदीप शर्मा, मनीष कुमार, विनय कुमार, राकेश कुमार शर्मा, डॉक्टर सुरेंद्र कुमार शर्मा व आदित्य एंड टीम तथा कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पीड़ितों की सहायता सबका नैतिक कर्तव्य : सुशील

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। उखली पंचायत के उपप्रधान एवं जनसेवक सुशील ठाकुर के नेतृत्व में बाढ़ ग्रस्त पीड़ितों के लिए एक विशेष राहत अभियान चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत स्थानीय ग्रामीणों, समाजसेवियों तथा हिमाचल प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के सहयोग से बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्रित की गई। आज यह राहत सामग्री 6 वाहनों के माध्यम से मंडी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना की गई। इस मौके पर सुशील ठाकुर ने कहा मानवता सबसे बड़ा धर्म है। आपदा की इस घड़ी में पीड़ितों की सहायता करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है।

उन्होंने राहत सामग्री भेजने में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं का आभार प्रकट किया। हिमाचल प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के संयोजक राजन कुमार ने भी इस राहत कार्य में अहम भूमिका निभाई। हम सबको मिलकर ऐसी आपदाओं का सामना करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। संकट के समय समाज में एकजुटता और संवेदनशीलता आज भी जीवित है।

सावन से पहले हरी चूड़ियों से गुलजार हुए शहर के बाजार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। सावन का महीना शुरू होने से पहले ही शिमला के बाजार हरी चूड़ियों की खनक से गुलजार हो गए हैं।

लोअर बाजार की दुकानों में कांच और प्लास्टिक की विभिन्न डिजाइनों की हरी चूड़ियां सज गई हैं, जिनकी कीमतें 50 से 250 प्रति दर्जन तक हैं।

इसके अतिरिक्त, हरे कड़े, बिंदी, नेलपॉलिश और नई दुल्हनों के लिए हरे चूड़े भी 20 से 300 तक की कीमतों में उपलब्ध हैं।

दुकान संचालिका नीलम के अनुसार, महिलाएं पारंपरिक और कस्टमाइज्ड हरी चूड़ियों की खरीदारी कर रही हैं, क्योंकि इन्हें सुहाग और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और सावन में इनका विशेष महत्व होता है।

एक बच्चे से शुरू किए संस्थान में अब 67 बच्चे

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। मटाणी गांव में बचपन एजुकेशन सोसायटी की अध्यक्ष चेतना शर्मा दिव्यांग बच्चों के लिए जो कर रही हैं, वह अब मिसाल बनती जा रही है। एक बच्चे से उसने इस संस्था को शुरू किया। लेकिन अब 11 साल बाद 67 बच्चे हैं। लेकिन उनका एक ही मकसद है कि इस स्कूल को बोर्डिंग स्कूल में तब्दील करना। इसके लिए वह सरकार से जमीन चाहती हैं। इसका प्रोसेस भी उन्होंने जिला प्रशासन के पास शुरू कर दिया है। ताकि वह अपने लक्ष्य में समाज की नजरों में और बेहतरीन तरीके के साथ काम कर सकें। 2014 में उन्होंने समिति बनाकर इस स्कूल को केवल एक बच्चे से शुरू किया था। उसकी पीड़ा को समझा और फिर इतना कुछ किया ताकि जिन परिवारों में दिव्यांग बच्चे हैं, वह उनके स्कूल को उनकी डेवलपमेंट के लिए माध्यम चुने।

'अनंत ज्ञान' से एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि लक्ष्य अब ऐसा है जिसमें वह बहुत ही दिल खोलकर दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों के लिए समिति के जरिए बड़ा काम करके दिखाए। जब मन लगाकर बच्चों के भविष्य को संभालने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत करने का बीड़ा उठाया तो इसके रिजल्ट अच्छे मिले, संबंधित परिवार इससे खुश भी हैं। इसलिए अब पिछले कुछ समय से वाहनों के जरिए हमीरपुर और आसपास के क्षेत्र से ऐसे बच्चों को संस्थान तक पहुंचाया जाता है। कुछ बच्चे अब प्लस टू भी पास आउट करके गए हैं।

बचपन एजुकेशन सोसायटी की अध्यक्ष चेतना शर्मा से
अनंत ज्ञान की विशेष बातचीत

मकसद में मिली कामयाबी

ऑफिशियल तौर पर आधा दर्जन के करीब समिति के सदस्य हैं लेकिन कुल मिलाकर नॉन ऑफिसियल सदस्यों की संख्या 30 तक है। यह ऐसे सदस्य हैं जो इस समिति को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्हीं के बूते इसे चलाया जा रहा है। चेतना का कहना था कि कुछ परिवार ऐसे भी थे जिनमें दो-दो बच्चे दिव्यांग थे लेकिन समिति का एक ही उद्देश्य है। ऐसे बच्चों को सेल्फ डिपेंडेंट बनाना और इसमें समिति अपने मकसद में कामयाब हो रही है।

नई राह दिखाने का प्रयास

जिन परिवारों ने यह पीड़ा झेली है, उन्हें नई राह दिखाने का प्रयास किया है। उनकी सोच को बदलने में मदद की है। क्योंकि आमतौर पर परिवारों की यह मानसिकता रहती थी कि बच्चे पैदा हो गए हैं अब उम्र भर इनकी दिव्यांगता ऐसी ही रहेगी, उन्हें इन्हें झेलना पड़ेगा। लेकिन ऐसा नहीं है, इस मानसिकता को मुकम्मल तौर पर बदलने का प्रयास किया है।

रेजिडेंशियल स्कूल में बदलना है संस्थान को

इस संस्थान को रेजिडेंशियल स्कूल में बदलना है। इसकी फाइल डीसी हमीरपुर के पास मौजूद है। एक जमीन देखी गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री सुक्खू ने भी इसमें मदद करने को कहा है। कारण यह है कि डे केयर सेंटर तो चला ही रहे हैं, रेजिडेंशियल सेंटर चलाना जरूरी है। इससे और बेहतर होगी ऐसे बच्चों की। दिव्यांग बच्चों के लिए उसकी माता ज्यादा सफर करती है इसलिए अब हमीरपुर से बाहर दूसरे जिलों से भी यहां बच्चे इस केंद्र में पहुंचे हुए हैं उनके पेरेंट्स क्वार्टर लेकर रहते हैं बच्चों को लाने ले जाने के लिए जो वाहन चलाए गए हैं, उनमें जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं उनसे कोई पैसा नहीं लिया जाता, लेकिन जो दे सकते हैं उनसे लिया जा रहा है ऐसे लोग भी हैं जो खुद देने को तैयार हैं।

घर से हजारों की नकदी और चांदी के सिक्के चोरी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

चोरों ने शहर के साथ सटे विकासनगर(दड़ूही) इलाके में स्थित एक घर में सेंध लगाकर नकदी और चांदी के सिक्के उड़ा लिए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

चोरी की वारदात हमीरपुर के दड़ूही इलाके के हाउस नंबर-144 में हुई है। चोरों ने घर के ताले तोड़कर कमरे में रखी अलमारी से हजारों रुपए के गहने और नकदी चोरी कर ली है।

मनीशा चौहान पत्नी रविंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह 12 जुलाई को जरुरी कार्य से बाजार गई हुई थी। जब वह बाजार से वापस लौटी और दरबाजा खोला तो देखा कि घर के पूजा रुम का सामान बिखरा पड़ा था तथा गोदरेज की अल्मारी भी खुली पड़ी थी।

अल्मारी में रखी करीब 50,000 रुपए की नकदी, चांदी के सिक्के शगुन के लिफाफे जिनमें करीब 30 से 40 हजार रुपए थे, सभी गायब थे। इसके अलावा चोर घर, गाड़ी, स्कूटी और बाइक की चाबियां भी अपने साथ ले गए। मनीशा ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पिछले दरबाजे से घर में किसी के न होने की जानकारी पाकर घटना को अंजाम दिया है।

मामले की आगामी जांच शुरू : एसपी

एसपी भगत सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करके आगामी जांच शुरू कर दी है। उन्होंने लोग से यह भी आह्वान किया है कि वे अपने घरों को अकेले न छोड़ें। कहीं भी बाहर जाने से पहले किसी न किसी को सुरक्षा के लिए घर में जरूर रखें या घर से बहार जाते बकत आस-पड़ोस के लोगों को घर का ख्याल रखने को कहें। जिससे ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगने में मदद मिलेगी।

विधायक लखनपाल ने लिया टिब्बी गांव का जायजा

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने जन्हेंण पंचायत के टिब्बी गांव का दौरा किया, जहां बीते दिन हुई अत्यधिक वर्षा के चलते आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के कारण गांव में कई घरों को नुकसान पहुंचा है, खेतों में खड़ी फसलें बह गई हैं, रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं तथा मूलभूत ढांचा प्रभावित हुआ है।

नुकसान का जायजा लेने के दौरान विधायक लखनपाल।

विधायक लखनपाल ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके दुख-दर्द को साझा किया और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की तुरंत पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर आपदा राहत सहायता उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में जब प्रदेश में व्यापक पैमाने पर प्राकृतिक आपदाएं आई थीं, उस समय भी जिन लोगों ने आपदा राहत के लिए आवेदन किए थे, उन्हें आज दिन तक कोई मुआवजा नहीं मिला।

सरकार की घोषणाएं सिर्फ कागजों तक सीमित हैं और जमीनी स्तर पर कुछ भी लागू नहीं हो रहा। भाजपा के एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि होने के नाते मैं इस मुद्दे को प्रदेश विधानसभा में पूरी ताकत से उठाऊंगा। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिले।।

बिल्ल कलेश्वर महादेव मंदिर में पर्यटन को लग रहे पंख

अनंत ज्ञान, बड़ा

उपमंडल नादौन में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बिल्ल कलेश्वर महादेव मंदिर बटाहली में स्थित ऐतिहासिक स्थल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए वहां पर 35 लाख की अनुमानित बजट राशि से बनाए जा रहे पार्क में स्थापित महादेव गंगाधरेश्वर की मूर्ति के बाद अब पार्क में भगवान शिव के 6 फुट ऊंचे ओम: निशान की स्थापना की जा रही हैं जिसका कार्य वर्तमान समय में जोरों पर हैं। सावन मास में मंदिर में निर्माणधीन शिव धाम लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। यही नहीं यहां पर 20 फुट ऊंचे बनाये जा रहे कैलाश पर्वत का निर्माण भी बर्तमान समय में प्रगति पर हैं खंड विकास अधिकारी नादौन निशांत शर्मा ने बताया कि 35 लाख की अनुमानित बजट राशि से बनने बाले इस शिव धाम पार्क में अब तक लगभग 25 लाख की बजट राशि खर्च हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नादौन विधानसभा क्षेत्र को पर्यटन हब बनाने के लिए ओर कई प्रकार के विकास कार्य वर्तमान समय में प्रगति पर हैं उनको भी सकारात्मक रूप देने का प्रयास किया जा रहा हैं।

डॉ. भगवती प्रसाद बने रोटरी क्लब के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

रोटरी क्लब हमीरपुर का वार्षिक पदस्थापना समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए क्लब के अध्यक्ष पद का दायित्व रोटेरियन डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा को सौंपा गया, जबकि सचिव पद की जिम्मेदारी डॉ. विवेक शर्मा को प्रदान की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी इंटरनेशनल जिला 3070 के नामांकित जिला गवर्नर श्री विजय सहगल उपस्थित रहे। क्लब के वरिष्ठ सदस्य रोटेरियन जेपी अग्निहोत्री एवं डॉ. आरके मल्होत्रा को उनकी दीर्घकालिक सेवाओं हेतु विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पद स्थापना मौके पर मौजूद रोटेरियन।

क्लब के प्रेस प्रभारी अजायब सिंह ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष संदीप शर्मा ने वर्ष 2024-25 में क्लब द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और उत्कृष्ट कार्य करने वाले रोटेरियनों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

नवनियुक्त सचिव डॉ. विवेक शर्मा ने अवगत कराया कि हिमाचल प्रदेश में आई हालिया आपदा के दौरान क्लब द्वारा 60,000 की राहत राशि भी प्रदान की गई।

नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा ने सभी रोटेरियनों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे क्लब की गरिमामयी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए समाज के हर वर्ग तक सेवा पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

धनोटू में स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर-हमीरपुर मुख्य सड़क मार्ग पर बस ठहराव धनोटू पर बनी वर्षा शालिका से यात्रियों को सड़क आर-पार करना जान जोखिम में डालने के बराबर है। यहां पर तीखी उतराई होने के कारण गाड़ियों की गति भी काफी अधिक होती है। बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं को सडक़ पार करते समय हमेशा बड़ी दुर्घटना का भय सताता रहता है। लोगों ने प्रशासन से इस सडक़ मार्ग पर गति अवरोधक बनाए जाने की मांग की है। वर्षाशालिका के दोनों तरफ गति अवरोधक बनाए जाएं, ताकि दोनों तरफ से आने-जाने वाले वाहनों की गति पर नियंत्रण हो ।

कचरे से बनी खाद बेचना हुआ मुश्किल

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नगर निगम हमीरपुर के अंतर्गत कचरा ट्रीटमेंट प्लांट में जैविक खाद की बिक्री अधिकारियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। जैविक खाद की खरीदारी के लिए ढूंढकर भी ग्राहक नहीं मिल रहे हैं।

पांच रुपए मूल्य निर्धारित होने के बाद भी लोग खाद खरीदने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिससे ट्रीटमेंट प्लांट पर चार टन खाद का ढेर लग गया है। अब आगामी समय में जगह तंग होने से खाद को रखने के लिए जगह कम पड़ जाएगी। पुराने ढेर को हटाने के बाद ही नई खाद को रखने के लिए जगह होगी। नगर निगम की ओर से खाद बनाने का ठेका निजी एजेंसी को दिया हुआ है।

समस्या बंदरों के डर से गांववासी स्वयं बच्चों को छोड़ने जा रहे हैं स्कूल

बंदरों के आतंक से पंचायत बड़ा के लोग परेशान

वीरेंद्र गोस्वामी, अनंत ज्ञान

बड़ा। उपमंडल नादौन की. ग्राम पंचायत बड़ा के गांव दोबड़ कलां हरिजन बस्ती के लोग वर्तमान समय में बंदरों के आतंक से काफी परेशान हैं।

उक्त गांव के निवासी संजीव धीमान, विजय धीमान, मनोज कुमार, जीत धीमान, प्यार चंद, विपिन कुमार, अशोक कुमार, राज कुमार, आदि ने बताया कि वे वर्तमान समय में हरिजन बस्ती की और जाने बाले रास्ते पर बढ़ रहे बंदरों के आतंक से काफी परेशान हैं यहां बंदरों की इतनी अधिक संख्या हैं कि यहां से आम आदमी का अकेले इस रास्ते से अपने घर को जाना मुश्किल हो गया हैं।

गांव वासियों का कहना हैं कि बर्तमान समय में हालात इतने गंभीर हो गए हैं की उन्हें अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने एवं लाने के लिए भी इकट्ठे होकर जाना पड़ रहा हैं क्योंकि ये बंदर राह चलते गांव वासियों पर हमला करके उन्हें जख्मी कर रहे हैं।

गांव वासियों का कहना हैं कि इस समस्या के निवारण के लिए उन्होंने कई बार स्थानीय प्रशासन से मांग उठाई लेकिन उनकी समस्या का आज दिन तक की निबारण नहीं हो पाया जबकि आतंकी बंदरों के आतंक से हरिजन बस्ती में पूर्ण रूप से भय का महौल ब्याप्त हैं।

उक्त बस्ती के लोगों ने स्थानीय प्रशासन एवं वाइल्ड लाइफ विभाग से उनकी इस समस्या का अतिशीघ्र समाधान करने की जोरदार मांग की हैं। ताकि क्षेत्र में जो वर्तमान समय में बंदरों के आतंक के कारण जो बर्तमान समय में भय का बतावरण बना हुआ हैं उसका समाधान हो सके।

बरसात ने रोका लिफ्ट निर्माण का कार्य

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल अवाहदेवी माता मंदिर में लिफ्ट का निर्माण कार्य बरसात ने रोक दिया है। लिफ्ट निर्माण के लिए की गई खोदाई के दौरान भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं।

इस कारण कमेटी ने कार्य को फिलहाल स्थगित कर दिया है। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर के लिए लिफ्ट के निर्माण का निर्णय लिया था। निर्माण कार्य का आरंभ पहले यह तय किया गया था कि बरसात से पहले सुरक्षा दीवारें (डंगे) बना दी जाएंगी, लेकिन जून से ही क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हो गई। इससे योजना पर फिलहाल पानी फिर गया है। आधे हिस्से में डंगा बनाने का कार्य शुरू ही हुआ था कि बारिश के कारण मलबा गिरना शुरू हो गया। इससे निर्माण स्थल पर खतरा बढ़ गया। श्रद्धालु पूर्व, उत्तर और पश्चिम दिशा से मंदिर पहुंचते हैं। अब पश्चिम दिशा में लिफ्ट लगाई जा रही है। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष रमेश चंद गुलेरिया ने बताया कि जैसे ही मौसम में सुधार होगा, डंगे का कार्य पूरा किया जाएगा और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही लिफ्ट का निर्माण दोबारा शुरू होगा।

अवाहदेवी कस्बे में शुक्रवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते बिजली का एक पोल गिर गया। इससे पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। यह पोल अवाहदेवी मंदिर परिसर के उस हिस्से में गिरा है, जहां मंदिर कमेटी ने पश्चिमी दिशा की ओर लिफ्ट लगाने के लिए हाल ही में खोदाई करवाई थी। खोदाई के कारण उस स्थान पर अब पोल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची है।

सहायक अभियंता इंजीनियर दीपक चौहान ने बताया कि मौके का सर्वे किया जा रहा है और वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शनिवार की रात भी कस्बावासियों को अंधेरे में ही गुजारनी पड़ेगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने मंदिर कमेटी की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले बिजली विभाग से समन्वय करना चाहिए था।

मंडी में जुटेंगे 13 राज्यों के भौतिकी शिक्षक व शोधार्थी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। आईआईटी मंडी में सोमवार से शुरू होने जा रही जॉय ऑफ फिजिक्स: राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में देशभर के 13 राज्यों के भौतिकी शिक्षक और शोधार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का आयोजन आईआईटी मंडी, आईएपीटी क्षेत्रीय परिषद-23 तथा हिम अन्वेषिका के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है, जिसमें 45 शिक्षक और शोधार्थी भाग लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य एसटीईएम शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अन्वेषण-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है। इस कार्यशाला के प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रोफेसर एचसी वर्मा उपस्थित रहेंगे। प्रो. वर्मा देश के अग्रणी भौतिकशास्त्री, 'कॉन्सेप्ट्स ऑफ फिजिक्स' जैसी लोकप्रिय पुस्तकों के लेखक और पद्मश्री से सम्मानित हैं। वे न केवल भारत के विद्यार्थियों के बीच भौतिकी शिक्षा के लिए आदर्श माने जाते हैं, बल्कि उन्होंने अपने सरल, व्यावहारिक एवं भारतीय संदर्भों से जुड़े शिक्षण के माध्यम से भौतिकी को लोकप्रिय बनाया है। कार्यशाला के दौरान प्रो. वर्मा हैंड्स-ऑन सत्र, प्रायोगिक प्रदर्शन, विज्ञान शो और ओपन हाउस संवाद का संचालन करेंगे, जिसमें प्रतिभागियों को उनसे सीधे संवाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला के लोक संपर्क समन्वयक मिलन डोगरा और सतीश धीमान ने बताया कि 14 जुलाई को भारतीय भौतिक शिक्षक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर पीके आहलूवालिया आईआईटी मंडी में इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। इस कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना से शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला का समापन समारोह 17 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा मुख्यातिथि होंगे।

अढ़ाई साल में एनडीपीएस के 5 हजार केस दर्ज

36.95 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति की जब्त, सिरमौर में बनेगा अत्याधुनिक नशामुक्ति केंद्र

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों के खिलाफ छेड़ी गई जन मुहिम एक नया आयाम ले रही है। इसी कड़ी में, सिरमौर के कोटला बड़ोग में 100 बिस्तरों वाला एक अत्याधुनिक नशामुक्ति केंद्र बनाया जा रहा है, जो नशे के आदी लोगों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश ने इस राष्ट्रीय मुहिम में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जहां पिछले अढ़ाई वर्षों में 5004 एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) मामले दर्ज किए गए हैं और 36.95 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। युवा शक्ति को नशे की बुराई से बचाने और प्रदेश में व्याप्त ड्रग नेटवर्क को खत्म करने के लिए राज्य सरकार बहुआयामी रणनीति के तहत कार्य कर रही है।

सीएम सुक्खू के नेतृत्व में सरकार ने अपने कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण कानून बनाए हैं। हिमाचल प्रदेश संगठित अपराध (निवारण एवं नियंत्रण) विधेयक,

पुनर्वास और जागरूकता के नए आयाम

नशे की आदत से ग्रसित लोगों को प्रभावी पुनर्वास प्रदान करने के प्रयास भी जोरों पर है। जिला कुल्लू, ऊना, हमीरपुर और कांगड़ा में पुरुषों के लिए, नशामुक्ति केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जबकि कुल्लू में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा महिलाओं के लिए भी एक केंद्र संचालित है। सबसे महत्वपूर्ण बात, सिरमौर के कोटला बड़ोग में 100 बिस्तरों वाला एक अत्याधुनिक नशामुक्ति केंद्र बनाया जा रहा है और सभी जिलों में ऐसे केंद्र स्थापित करने की योजना है।

2025 और हिमाचल प्रदेश ड्रग्स और नियंत्रित पदार्थ (रोकथाम, नशामुक्ति और पुनर्वास) विधेयक, 2025 । इन कानूनों के तहत नशे में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित

- नशामुक्त हिमाचल की ओर एक बड़ा कदम
- मादक पदार्थों के खिलाफ राष्ट्रीय जन मुहिम में हिमाचल अग्रणी राज्य बनकर उभरा

की जा रही है, जिसमें मृत्युदंड, आजीवन कारावास और संपत्ति जब्त करने जैसे कड़े प्रावधान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सिक्किम मॉडल से प्रेरित होकर नशामुक्ति, पुनर्वास, निवारक शिक्षा और आजीविका सहायता के लिए एक राज्य कोष का भी गठन किया गया है।

मार्च 2025 में धर्मशाला, मंडी और परवाणू को कवर करते हुए एक विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन एक बड़ा संस्थागत विस्तार रहा है। यह बल ऊना, कुल्लू, बद्दी और सिरमौर जैसे क्षेत्रों को भी कवर करता है, जिसमें तेरह पुलिस स्टेशन शामिल हैं। इनमें से छह पहले से ही क्रियाशील हैं, जो तस्करों और अपराधियों के खिलाफ त्वरित और सटीक अभियान सुनिश्चित कर रहे हैं।

तस्करों पर शिकंजा और प्रभावी कार्रवाई

प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रही है। वर्ष 2024 में पीआईटी-एनडीपीएस (निवारक निरोधक कानून) के तहत 123 प्रस्तावों में से 41 डिटेंशन ऑर्डर जारी किए गए है, 70 मामलों में अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है। पुलिस ने नशे की तस्करी में संलिप्त 1,214 अवैध संपत्तियों की पहचान की है और कुछ मामलों में संपत्तियों को जब्त भी किया गया है। इसके अलावा, नशे के कारोबार में संलिप्त 80 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की गई है। वर्ष 2023 से 2025 के मध्य तक पुलिस विभाग ने प्रभावशाली तरीके से काम किया है। 2023 में 2,147, 2024 में 1,717 और जून 2025 तक 1,140 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए। इन अढ़ाई वर्षों में, नशा कारोबारियों की 36.95 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई, जिसमें 2023 में 4.87 करोड़, 2024 में 25.42 करोड़ और जून 2025 तक 6.66 करोड़ रुपए की संपत्तियां शामिल हैं। 7.74 करोड़ रुपए की संपत्ति से जुड़े अतिरिक्त मामलों की पुष्टि की जा रही है।

हिमाचल में अगले 5 दिनों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल प्रदेश में कुदरत का कहर अभी थमा नहीं है। शिमला सहित पूरे प्रदेश में बीते कई दिनों से जारी बारिश का दौर अगले पांच दिनों तक और तेज होने वाला है। मौसम विभाग शिमला ने प्रदेश भर में 18 जुलाई तक हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है, जिसके चलते जनजीवन पर भारी असर पड़ने की आशंका है। राजधानी शिमला में आज सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिसने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे हिमाचल प्रदेश में इस समय 2 नेशनल हाईवे सहित कुल 250 से अधिक सड़कें बंद पड़ी हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई क्षेत्रों का संपर्क शेष दुनिया से कट गया है। लगातार बारिश से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। खेतों में पानी भर जाने से कई खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों की निगरानी करें और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें।

सरकार और प्रशासन अलर्ट मोड पर

मुख्यमंत्री ने सभी जिला प्रशासनों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। आपदा राहत टीमें पूरी तरह मुस्तैद हैं और बंद सड़कों को खोलने का कार्य जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से अगले कुछ दिनों तक विशेष सावधानी बरतने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

शिलारू कृषि उपज मंडी में किसानों को मिलेगा बेहतर मूल्य

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

कुमारसेन। कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने रविवार को शिलारू में नवनिर्मित कृषि उपज मंडी का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को उनके उत्पादों का सही दाम दिलाने के लिए उचित मार्केटिंग के महत्व पर विशेष जोर दिया।

चंद्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी उत्पाद को बाजार में बेचने के लिए उसकी सही मार्केटिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सेब का उदाहरण देते हुए समझाया कि उसकी ग्रेडिंग और पैकिंग ही उसके सही दाम को निर्धारित करती है।

उन्होंने बताया कि इस मंडी का ऑनलाइन उद्घाटन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा 18 जून 2025 को पहले ही किया जा चुका था और आज इसे औपचारिक रूप से किसानों के लिए खोल दिया गया है।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार को सम्मानित किए जाने का दृश्य।

कृषि मंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे सेब के साथ-साथ अपनी सब्जियों को भी इस मंडी में लाएं, ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश

- मंत्री चंद्र कुमार ने किया शिलारू कृषि उपज मंडी का शुभारंभ

डालते हुए, कहा कि आने वाले समय में शिलारू कृषि उपज मंडी को ऑनलाइन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस मंडी में कुल 28 दुकानें, कार्यालय, पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं और इसे और बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त बजट भी प्रदान किया जाएगा।

शिमला-किन्नौर एपीएमसी के अध्यक्ष देवानंद वर्मा ने भी अपने विचार साझा करते हुए कृषि मंडी में शेड बनाने, सफाई कर्मचारी तैनात करने और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की।

विद्या स्टोक्स का सपना हुआ साकार: राठौर

विधायक ठियोग कुलदीप सिंह राठौर ने इस अवसर पर कहा कि शिलारू में कृषि उपज मंडी की स्थापना स्वर्गीय विद्या स्टोक्स का एक चिर-प्रतीक्षित सपना था, जो आज साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय बागवानों और किसानों को कृषि उपज मंडी की सुविधा उपलब्ध होगी। राठौर ने कृषि उपज मंडी को लोडिंग-अनलोडिंग पॉइंट को सड़क से जोड़ने की मांग की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए यहां सॉइल टेस्ट लैब और ट्यूनिक गार्डन खोलने की भी मांग रखी।

पानी की सप्लाई प्रभावित, बिना उबाले न पीएं: जयराम

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर रविवार को आपदा प्रभावित क्षेत्र शिल्लीबागी, थनूटा और कटेली का दौरा किया और आपदा प्रभावितों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। शिल्लीबागी में एक ही परिवार के दो लोगों की मलबे की चपेट में आने से मौत हो गई थी और लोगों के घर, खेत बाग बगीचे और पशु भी बह गए। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिजनों से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

उन्होंने सभी को हौसला देते हुए कहा कि यह दौर बीत जाएगा, जो चीजें नष्ट हुई हैं, उन्हें हम फिर से बना लेंगे। अभी बारिश का मौसम है ऐसे में अपना और अपने परिवार का ध्यान रखना है हमें सुरक्षित स्थानों पर ही मौसम सही होने तक रहना होगा।

स्वास्थ्य कर्मियों के साथ पूर्व सीएम जयराम ठाकुर।

शिल्लीबागी थनूटा और कटेली पहुंचे नेता प्रतिपक्ष बांटी राहत सामग्री

जयराम ने स्थानीय लोगों से अपील करते हुए कहा कि भारी बारिश की वजह से पेयजल की ज्यादातर स्कीमें तहस-नहस हो गई हैं। इसलिए लोगों को साफ-सुथरा पानी नहीं मिल रहा है। खराब गंदा पानी पीने से जल जनित रोगों का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में हमें अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना है और पानी बिना उबाले नहीं पीना है।

नेता प्रतिपक्ष ने आपदा प्रभावितों के लिए दिए जा रहे दान की सराहना करते हुए कहा कि जन सेवा ही भगवान की सेवा है और ऐसे वक्त में दानी सज्जन स्वेच्छा से आगे आ रहे हैं और आपदाग्रस्त लोगों की दिल खोलकर मदद कर रहे हैं। कई ऐसे लोग हैं जो कई बार राहत सामग्री लेकर यहां पहुंचे हैं। इन्हीं लोगों की वजह से आपदा के दौरान हम हर प्रभावित तक राहत सामग्री पहुंचा सके हैं।

22 घंटे बाद भी शाल्वी नदी में बहे बालक का सुराग नहीं

सपना सूद, अनंत ज्ञान

नेरवा/चौपाल। नेरवा के बथाल क्षेत्र में शाल्वी नदी में शनिवार को एक स्कॉर्पियो दुर्घटना के दौरान बहे दस वर्षीय लड़के का 22 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लापता बालक की तलाश में फायर ब्रिगेड, होमगार्ड, पुलिस टीमें, स्थानीय प्रशासन, ग्रामीण और राधास्वामी सत्संग ब्यास के स्वयंसेवक लगातार सघन खोज अभियान चला रहे हैं।

उफनती नदी का तेज बहाव और फिसलन भरी चट्टानें खोज में बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। यह दुर्घटना शनिवार शाम को नेरवा-फेडजपुल मुख्य मार्ग पर टंडीरी व बथाल के बीच हुई थी, जिसमें चार लोग सवार थे। इस हादसे में दो व्यक्तियों कुमार सुची (नेरवा) और गुरमेल लाल (नवा शहर, पंजाब) की दुखद मृत्यु हो गई, जबकि बलविंदर कौर और केशव (दोनों नवा शहर, पंजाब) घायल हो गए। बलविंदर कौर का ही दस वर्षीय बेटा नदी में बह गया था।

सभी पीड़ित राधास्वामी सत्संग ब्यास के अनुयायी थे और सत्संग के लिए नेरवा आए थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम चौपाल हेमचंद वर्मा और डीएसपी सुशांत शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे और रात भर तलाशी अभियान चलाया। रविवार सुबह से भी बच्चे की तलाश जारी है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। एसडीएम चौपाल ने घायलों को पांच-पांच हजार और मृतक के परिजनों को पच्चीस-पच्चीस हजार रुपए की फौरी राहत देने की घोषणा की है।

धर्मपुर में आपदाग्रस्त परिवारों से मिले सांसद अनुराग

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

हमीरपुर लोकसभा से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के सेड, भदराना, तनेहड़, वनाल, स्याठी और पाड़छु पुल जैसे आपदाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने मौके पर राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल की इस प्राकृतिक आपदा ने गहरे जख्म दिए हैं, परंतु केंद्र सरकार पूरी तरह से हिमाचल के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जमीन पर सक्रिय हैं और राशन, दवाइयां, वर्तन, गद्दे व अन्य आवश्यक सामान जरूरतमंदों तक पहुंचा रहे हैं।

बोले-आपदा की घड़ी में मोदी सरकार हिमाचल के साथ

धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावितों की बात सुनते हुए अनुराग ठाकुर।

सांसद निधि और मोबाइल स्वास्थ्य सेवा से मदद

उन्होंने बताया कि सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से रोजाना साढ़े 300 से 400 लोगों का मुफ्त इलाज किया जा रहा है। महिलाओं को सैनिटरी पैड, बच्चों को स्कूल बैग, स्टेशनरी और प्रोटीन किट वितरित की गई हैं। करीब 500-600 तिरपाल, 200 गद्दे, राशन किट और बर्तन भी बांटे गए हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार हरसंभव मदद करेगी। सांसद निधि व मनरेगा फंड से आपदाग्रस्त क्षेत्रों में क्रेटवाल निर्माण व जल निकासी की योजना शुरू की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व की आपदाओं में केंद्र सरकार ने 1300 करोड़ रुपए दिए थे और अब 2006 करोड़ रुपए की नई सहायता स्वीकृत की गई है। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि राहत राशि का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

केंद्र में हमेशा की हिमाचल के हितों की पैरवी: सांसद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल के हित के लिए मैंने हमेशा से केंद्र में पैरवी की है और आगे भी करेंगे। ऐसे में नेता कोई भी हो, अगर वे इस प्रदेश का है और केंद्र में जाकर प्रदेश हित में कुछ मांगना चाहता है, तो उसे कभी भी जाना चाहिए और इसको लेकर कोई संकोच नहीं करना चाहिए। यह बात जिला मंडी दौरे पर आए हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को कांगड़ा एयरपोर्ट पर मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कही। हिमाचल में एचपीटीडीसी के 14 होटल्स की नीलामी पर अनुराग ने कहा कि हिमाचल के हितों को देखते हुए उसकी सरकार को सुरक्षा करनी चाहिए और कर्मचारियों के हितों का भी ख्याल रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार प्राकृतिक आपदा में कई परिवारों ने अपने परिजनों को खोया है, घरों से बेघर हुए हैं यह बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि ऐसी घड़ी केंद्र की ओर सभी राहत और बचाव कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है और हर चीज का ख्याल रखा जा रहा है।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर एबीवीपी संजौली ने चलाया स्वच्छता अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की संजौली इकाई ने राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य पर एक महत्वपूर्ण सफाई अभियान चलाया। स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट के विशेष इनिशिएटिव के तहत आयोजित यह अभियान संजौली के प्रसिद्ध ढिंगू माता मंदिर परिसर में केंद्रित रहा, जहां कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अभियान के दौरान, एबीवीपी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की। इसका मुख्य उद्देश्य न केवल परिसर को स्वच्छ बनाना था, बल्कि स्थानीय समुदाय को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता के महत्व के प्रति जागरूक करना भी था। कार्यकर्ताओं ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मंदिर परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय रूप से सहयोग करें।

सफाई करते एबीवीपी के कार्यकर्ता।

एबीवीपी संजौली इकाई के एसएफडी संयोजक इशु खोलटा ने बताया कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य केवल भौतिक स्वच्छता नहीं था, बल्कि मानसिक और सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा देना था। उन्होंने कहा कि परिषद भविष्य में भी इसी तरह के अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस स्वच्छता अभियान में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अन्य नागरिकों से भविष्य में ऐसे सामुदायिक प्रयासों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

नई शब्दावली से जनविरोधी निर्णयों को छिपा रही सुक्खू सरकार: बिंदल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। बिंदल ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार हिमाचल के हितों पर लगातार कुठाराघात कर रही है और अपने जनविरोधी निर्णयों को छिपाने के लिए नई-नई शब्दावली का प्रयोग कर रही है।

उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए पालमपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय की सैकड़ों बीघा जमीन निजी हाथों में देने के निर्णय पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से हिमाचल के शिक्षा जगत को बड़ा धक्का लगा है और समाज के आंदोलन के बावजूद सरकार ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया कि आखिर क्यों यह महत्वपूर्ण जमीन निजी क्षेत्र को दी जा रही है और इससे हिमाचल का क्या लाभ होगा।

बिंदल ने शिमला से जारी अपनी प्रेस बयान में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के फैसले के बाद अब सरकार ने हिमाचल प्रदेश के बेहतरीन पर्यटन विभाग के होटलों को भी निजी क्षेत्र में देने का निर्णय किया है। उन्होंने इस फैसले को हैरान करने वाला बताया और कहा कि पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष कुछ और बोल रहे हैं, जबकि पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने इस असामाजिक निर्णय का डटकर विरोध किया था।

- कृषि विवि की जमीन निजी हाथों में देने और पर्यटन के होटलों को बेचने के फैसलों पर उठाए गंभीर सवाल

आखिर क्यों किया जा रहा यह निजीकरण?

बिंदल ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री इस निर्णय को लीज पर देने की बात कहकर टाल रहे हैं, जबकि 28 जून को कैबिनेट में लिए गए इस निर्णय को सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल पूछा कि आखिर यह निजीकरण क्यों किया जा रहा है।

जनता के हितों पर हो रहा कुठाराघात

भाजपा अध्यक्ष ने शिक्षा क्षेत्र में भी सरकार की नीतियों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार स्कूल बंद कर रही है और मर्ज करने जैसे नए शब्द का इस्तेमाल कर रही है, जबकि हकीकत में स्कूल बंद ही हो रहे हैं। बिंदल ने जोर देकर कहा कि जिस तरह से स्कूल बंद किए जा रहे हैं और होटलों को बेचने का काम चल रहा है, उससे साफ है कि सरकार हिमाचल प्रदेश के हितों पर कुठाराघात कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू यह मानने को तैयार नहीं हैं कि पर्यटन के होटल बेचे जा रहे हैं, जबकि सच्चाई कुछ और है।

संसदीय प्रणाली को मजबूत करने और राज्यों-केंद्र के बीच बेहतर समन्वय पर भी किया मंथन

पठानिया ने की ओम बिरला से हिमाचल को बाढ़ राहत पैकेज देने की पैरवी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया दिल्ली पहुंचे। वह पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भोपाल जा रहे हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद पठानिया ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर पठानिया ने ओम बिरला को गुलदस्ता, हिमाचली टोपी और शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

करीब 25 मिनट चली इस मुलाकात के दौरान दोनों दिग्गजों के बीच देश और प्रदेश के आर्थिक, राजनीतिक और वैधानिक विषयों पर गहन चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने लोकसभा अध्यक्ष को हिमाचल प्रदेश के मंडी और अन्य जिलों में भूस्खलन और बादल

देश प्रदेश के अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली में ओम बिरला से मिलते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

फटने से पैदा हुई भयावह स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से प्रधानमंत्री के साथ हिमाचल को उदार आर्थिक सहायता पहुंचाने की पैरवी करने का भी आग्रह किया।

पठानिया ने बताया कि प्रदेश को भीषण बाढ़, भू-स्खलन और बादल फटने से सैकड़ों करोड़ का नुकसान हुआ है। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच संसदीय प्रणाली को कैसे मजबूत किया जाए, इस पर भी गंभीर चर्चा हुई। राज्य और केंद्र के बीच सौहार्दपूर्ण और मजबूत रिश्ते कैसे बनाए रखें, इस पर भी गहरा मंथन किया गया।

विधानसभा सचिवालय को वित्तीय स्वायत्तता जैसे मुद्दों पर भी हुई चर्चा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुलदीप सिंह पठानिया को धर्मशाला में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र-दो के बेहतरीन आयोजन के लिए बधाई दी और जिस तरह से विधानसभा अध्यक्ष ने व्यक्तिगत तौर पर हर अतिथि का आतिथ्य सत्कार किया, उसकी भी सराहना की। इस दौरान राज्य विधानमंडलों और सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, साथ ही विधानसभा सचिवालय को वित्तीय स्वायत्तता जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। पठानिया ने तपोवन विधान भवन के अधिक से अधिक इस्तेमाल पर भी लोकसभा अध्यक्ष से बात की।

तपोवन विधानसभा भवन को प्रशिक्षण कार्यक्रमों को देने की मांग

उन्होंने आग्रह किया कि लोकसभा सचिवालय की संसदीय शोध एवं अनुसंधान शाखा को निर्देश दिए जाएं कि तपोवन विधान भवन का इस्तेमाल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए किया जाए, ताकि इसकी समय-समय पर मरम्मत और देखभाल का कार्य चलता रहे। उन्होंने यह भी बताया कि तपोवन तपस्या और योग की भूमि है, जिसके पास स्वामी चिन्मयानंद का आश्रम और योग केंद्र भी मौजूद है और यह पर्यटन की दृष्टि से भी एक रमणीय स्थल है। इस अवसर पर विधानसभा सचिव यशपाल शर्मा भी मौजूद थे।

भोपाल में आयोजित होने वाली बैठक में लेंगे भाग

आज दोपहर बाद विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया नई दिल्ली से भोपाल में आयोजित होने वाली पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में भाग लेने के लिए रवाना होंगे।

भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में फर्न प्रजातियों का उपयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है, और उनमें प्रमुख है लिंगड़ (Diplazium esculentum)। यह हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उगने वाली केवल एक स्वादिष्ट वन्य सब्जी ही नहीं, बल्कि एक बहुआयामी औषधि भी है। इसकी औषधीय महत्ता अब वैज्ञानिक शोधों की ओर से भी प्रमाणित की जा रही है।

लिंगड़

स्वादिष्ट सब्जी ही नहीं एक असरदार औषधि भी

पारंपरिक व्यंजन और पोषण का खजाना

लिंगड़ हिमाचलियों की रसोई में विशेष स्थान रखता है। इससे सब्जी दम, मधरा, अचार जैसे लजीज व्यंजन बनाए जाते हैं। इसके कोमल, बालों वाले, काले-हरे रंग के नवोदित डंठल खाने योग्य भाग होते हैं, जो लगभग 6-9 इंच लंबे होते हैं और आकार में 1 सेंटीमीटर मोटे होते हैं। जब ये नवांकुर मुलायम रहते हैं, तभी इन्हें तोड़ा जाता है, जिससे इसकी गुणवत्ता और स्वाद बना रहता है। पोषण की दृष्टि से लिंगड़ अत्यंत समृद्ध है। 100 ग्राम ताजे लिंगड़ से 30-40 किलो कैलोरी ऊर्जा मिलाती है तथा इसमें 91.3 ग्राम नमी, 1 ग्राम प्रोटीन, 100 मिलीग्राम वसा, 1.4 ग्राम फाइबर, 600 मिलीग्राम खनिज तत्व और 0.98 मिलीग्राम बीटा-कैरोटीन पाया जाता है। इसकी म्यूसिलेज जैसी प्रकृति पाचन तंत्र के लिए लाभकारी होती है।

औषधीय महत्ता

लिंगड़ न केवल एक मौसमी सब्जी है, बल्कि यह औषधीय गुणों से भरपूर एक अनूठी जैविक विरासत है, जो अपने विशिष्ट स्वाद और शरीर को ऊष्मा प्रदान करने वाले गुणों के कारण हिमालयी क्षेत्रों में विशेष रूप से लोकप्रिय है। स्थानीय लोग इसे सावधानीपूर्वक छाया में सुखाकर सहेजते हैं, ताकि सर्दियों में इसका उपयोग किया जा सके। ठंड के मौसम में उबालकर या हल्का भूनकर इसका सेवन शरीर को आवश्यक ऊर्जा और गर्मी प्रदान करता है, जिससे यह ठंड से बचाव में सहायक होता है।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में भी लिंगड़ का विशेष महत्व है। प्रसव के बाद महिलाओं की देखभाल में इसे प्रमुख रूप से उपयोग में लाया जाता है। इसकी गर्म तासीर प्रसवोत्तर शरीर को ऊष्मा देती है, गर्भाशय को संकुचित कर पुनः अपने सामान्य आकार में लौटने में सहायता करती है और शरीर की भीतरी सफाई में सहायक होती है। यह हड्डियों को मजबूत करने और स्तनपान कराने वाली माताओं को आवश्यक पोषण देने में भी उपयोगी है। पारंपरिक रूप से लिंगड़ को घी में हल्के मसालों के साथ भूनकर परोसा जाता है, जिससे यह स्वादिष्ट, सुपाच्य और स्वास्थ्यवर्धक बनती है। इसके औषधीय गुण इस प्रकार हैं।

1. पाचन शक्ति को बढ़ाता है

लिंगड़ की कोमल डंठलें म्यूसिलेज से भरपूर होती हैं, जो पेट में जाकर आंतों को चिकनाई प्रदान करती हैं। इससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं दूर होती हैं। इसके फाइबर तत्व आंतों की सफाई में मदद करते हैं और पाचन को दुरुस्त रखते हैं।

2. आंखों और रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए फायदेमंद

लिंगड़ में बीटा-कैरोटीन होता है, जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, जिससे रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है।

3. खून की कमी और हड्डियों के लिए उपयोगी

लिंगड़ में पाए जाने वाले खनिज तत्व खून की कमी (एनीमिया) को दूर करते हैं और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं, खासकर महिलाओं और वृद्धों के लिए फायदेमंद हैं।

4. त्वचा रोगों में राहत

लिंगड़ शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन खून को साफ करता है और फुंसी, खुजली, एलर्जी जैसी त्वचा समस्याओं से राहत देता है।

5. थकान मिटाने वाला पौधा

यह गर्मियों के मौसम में थकान और कमजोरी को दूर करने के लिए प्राकृतिक टॉनिक की तरह काम करता है।

6. मूत्र संबंधी परेशानियों में सहायक

लिंगड़ का सेवन मूत्र विकारों में भी लाभकारी माना गया है। यह मूत्र को साफ करता है और पेशाब में जलन जैसी समस्याओं को दूर करता है।

7. सूजन और घावों पर प्रभावी

स्थानीय लोग लिंगड़ की पत्तियों को पीसकर सूजन या घाव पर लगाते हैं। यह जलन को शांत करता है और घाव को जल्दी भरने में सहायता करता है।

आजीविका का साधन-विशेष रूप से महिलाओं के लिए लिंगड़ आज ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक अच्छा आय स्रोत भी बन चुका है। खासकर महिलाओं के लिए। यह पौधा बरसात से पहले जंगलों की नम और छायादार जगहों पर अपने आप उगने लगता है। स्थानीय लोग, विशेषकर महिलाएं और बुजुर्ग, जब पशुओं को चराने के लिए जंगलों की ओर जाती हैं, तो साथ में लिंगड़ भी इकट्ठा कर लेते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में लोग इसे सड़कों के किनारे बैठकर बेचती हैं, जहां से गुजरने वाले पर्यटक और राहगीर इसे उत्सुकता से खरीदते हैं।

लिंगड़ की भारी मांग

मंडी जैसे शहरों में हर साल लिंगड़ की भारी मांग रहती है। मंडी शहर में ही प्रतिदिन लगभग 100 किलो लिंगड़ बिकता है, जो औसतन 80 रुपए प्रति किलो के हिसाब से 80 दिनों के सीजन में लगभग 6,40,000 रुपए की आय प्रदान करता है। यदि पूरे हिमाचल के छोटे-बड़े बाजारों की बात करें तो लिंगड़ का वार्षिक कारोबार कई लाखों रुपए में पहुंचता है।
लिंगड़ की कटाई आसान नहीं है-इसे जंगलों के भीतर नमी और छांव वाले स्थानों से एकत्र किया जाता है, विशेषकर जलस्रोतों, नालों और झरनों के किनारे 1300 से 1900 मीटर ऊंचाई तक के इलाकों में। मंडी में बिकने वाला लिंगड़ विशेष रूप से कठिन्धी, कटौला, बारोट आदि क्षेत्रों से आता है और अधिकतर विक्रेता यहीं के होते हैं। ग्रामीण 3-4 लोगों के समूह में जाते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अधिकतम 25 किलो तक ही लिंगड़ ला सकता है, क्योंकि उसे कठिन पहाड़ी पगडंडियों पर सिर पर उठाकर लाना होता है। रात को घर पर बैठकर इनको साफ कर छोटे-छोटे गड्डों में बांध दिया जाता है और एक गुच्छा 30 से 40 रुपए में आसानी से बिक जाता है।

विलुप्ति का कोई खतरा नहीं जिम्मेदार दोहन का उदाहरण

डॉ. तारा देवी सेन, विभागध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

वर्तमान समय में जब कई जंगली औषधीय पौधे अत्यधिक दोहन के कारण संकट में हैं, लिंगड़ एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहां सतत संग्रहण की परंपरा अब भी कायम है। लिंगड़ के विक्रेताओं का अनुभव है कि वर्षों से इसकी उपलब्धता में कोई कमी नहीं आई है। इसका कारण यह है कि पौधे को जड़ से नहीं उखाड़ा जाता, बल्कि केवल उगते हुए कोमल डंठल जमीन के पास से काटे जाते हैं। इससे पौधे की प्राकृतिक पुनरुत्पत्ति बनी रहती है।
लिंगड़ एक ऐसा दुर्लभ उदाहरण है जो हमें सिखाता है कि प्रकृति से समरसता में रहकर स्वाद, सेहत और आजीविका को एक साथ साधा जा सकता है। हिमाचल की वन-संपदा में यह पौधा न केवल पोषण और परंपरा का प्रतीक है, बल्कि सतत विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई संभावनाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। यदि इसकी प्रसंस्करण इकाइयां ग्रामीण स्तर पर विकसित की जाएं, तो यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बन सकता है।

किडनी स्टोन और प्रोस्टेट की सर्जरी के लिए अब चीरा लगाने की जरूरत नहीं

लेजर थेरेपी तकनीक से इलाज हुआ आसान

लेजर थेरेपी तकनीक से अब किडनी स्टोन और बढ़े हुए प्रोस्टेट की सर्जरी अब पहले से आसान हो गई है। इस तकनीक से बिना चीरा लगाए रोगी की बीमारी ठीक हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट और एलक्यूरा हेल्थ केयर अस्पताल सोलन के एमडी डॉ साहिल का कहना है कि लेजर सर्जरी एक एडवांस सुविधा है। इसमें लेजर किरणों की मदद से बड़े हुए विकार का इलाज किया जाता है। इन सर्जरी को विशेषज्ञ की देखरेख में किया गया। इन्हें देख विभाग के डॉक्टरों ने प्रशिक्षण भी लिया। सोलन में जौणाजी रोड स्थित एलक्यूरा हेल्थ केयर में भी लेजर सर्जरी की सुविधा शुरू हो गई है।

पारंपरिक तरीके से पथरी निकालने के लिए पीठ पर छोटा सा छेद कर लेप्रोस्कोपी तकनीक से सर्जरी की जाती है। इस तकनीक में घाव भरने में समय लग जाता था, लेकिन लेजर सर्जरी में पेशाब की नलकी के रास्ते एक फाइबर को किडनी तक ले जाया जाएगा। इसकी मदद से लेजर की हाई किरणों को उक्त पथरी पर डाल कर तोड़ दिया जाता है। इस पूरी सर्जरी को करने में करीब 90 से 100 मिनट का समय लगता है। ठीक इसी तरह से बड़े हुए प्रोस्टेट की भी सर्जरी संभव है, जबकि पुराने तरीके में बढ़े हुए प्रोस्टेट के लिए दो बार सर्जरी करनी पड़ती थी। लेजर की मदद से एक बार में ही पूरी सर्जरी हो जाएगी।

डॉ. साहिल शर्मा

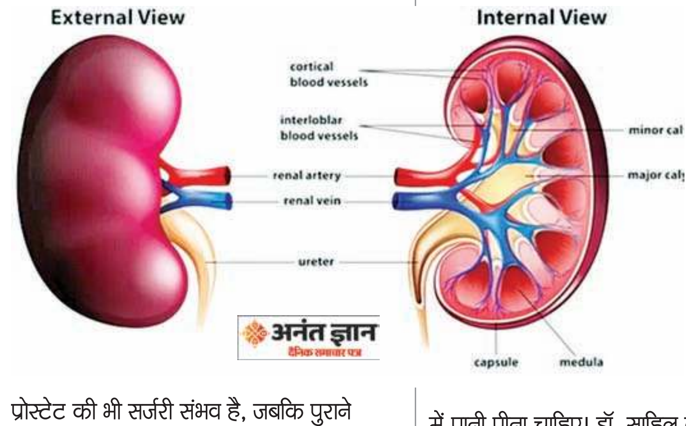

आने वाले दिनों में कम होगी वेटिंग

विभाग में अभी सर्जरी के लिए आठ माह से एक साल की वेटिंग है। आने वाले दिनों में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) बनने के बाद ओटी की संख्या बढ़ जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि वेटिंग का समय 30 फीसदी तक कम हो जाएगा। इससे विभाग में हर साल आने वाले हजारों मरीजों को सुविधा मिलेगी। आरएमएल अस्पताल में देशभर से गंभीर मरीज आते हैं। विभाग में आने वाले अधिकतर मरीज रेफर मरीज होते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि नई तकनीक सस्ती है। साथ ही इसके उपकरण भी सस्ते हैं। ऐसे में इन पर सर्जरी करने से डॉक्टरों का प्रशिक्षण भी होगा। इसकी मदद से आने वाले दिनों में प्रशिक्षित डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी। इससे गंभीर मरीजों को फायदा होगा।

बीमारी से बचाव को खानपान का रखें ध्यान

किडनी में स्टोन को बनने से रोकने के लिए खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। डॉ. साहिल कहना है कि 0.8 सेंटीमीटर तक के स्टोन को बिना दवाओं से निकाला जा सकता है। आकार बढ़ने पर समस्या बढ़ सकती है। यदि हम अपना खान-पान सही रखते हैं, पर्याप्त पानी पीते हैं तो किडनी में स्टोन बनने की आशंका ही नहीं रहेगी

साइटिका

साइटिका (Sciatica) एक नस संबंधी दर्द है, जो आपकी सायटिक नस (sciatic nerve) में चोट या जलन के कारण होता है। यह दर्द आमतौर पर कमर, कूल्हे (buttock) से शुरू होकर टांगों तक फैल सकता है। साइटिका के लक्षण कई प्रकार के हो सकते हैं, जो सायटिक नस पर दबाव या चोट के कारण होते हैं।

दर्द

आमतौर पर जलन जैसा या बिजली के झटके जैसा महसूस होता है। दर्द पीठ से शुरू होकर कूल्हे होते हुए टांग में नीचे तक जा सकता है। दर्द बैठने, खड़े होने या चलने पर और बढ़ सकता है। ***यह दर्द खांसने, छींकने, झुकने या लेटे हुए टांग उठाने पर और बढ़ सकता है।***

झनझनाहट या सूई चुभने जैसा एहसास

जैसे जब पैर सुन्न हो जाता है तो सूइयां चुभने जैसा एहसास होता है। इसे "pins and needles" sensation भी कहते हैं।

सुन्नता

पीठ, कूल्हे या टांग की त्वचा पर संवेदनाओं की कमी महसूस होती है। इसका कारण यह है कि नसों के सिग्नल मस्तिष्क तक ठीक से नहीं पहुंच रहे होते हैं।

साइटिका के सामान्य कारण

साइटिका होने के कारण वे सभी स्थितियां हैं, जो सायटिक नस या उसे बनाने वाली रीढ़ की हड्डी की पांच नसों पर दबाव डालती हैं या उन्हें प्रभावित करती हैं।

1. **फटे हुए डिस्क** : रीढ़ की डिस्क का एक हिस्सा बाहर आकर नस पर दबाव डालता है।
2. **डिस्क का क्षरण** : उम्र के साथ रीढ़ की डिस्क कमजोर होकर नसों को प्रभावित करती है।
3. **रीढ़ की नलिका का संकुचन** : रीढ़ की हड्डी में जगह कम हो जाती है, जिससे नसें दबती हैं।
4. Foraminal Stenosis: रीढ़ की हड्डी के उन छिद्रों में संकुचन होना, जहां से नसें बाहर निकलती हैं।
5. **कशेरुका का खिसकना** : एक रीढ़ की हड्डी दूसरी के ऊपर खिसक जाती है और नस पर दबाव डालती है।
6. **अस्थिसंधिशोथ** : जोड़ों का घिसाव और हड्डियों की वृद्धि सायटिक नस को दबा सकती है।
7. **चोटें** : रीढ़ की चोटें या एक्सीडेंट के कारण नसों पर प्रभाव पड़ सकता है।
8. **गर्भावस्था** : गर्भ में शिशु का वजन बढ़ने से रीढ़ पर दबाव पड़ सकता है।

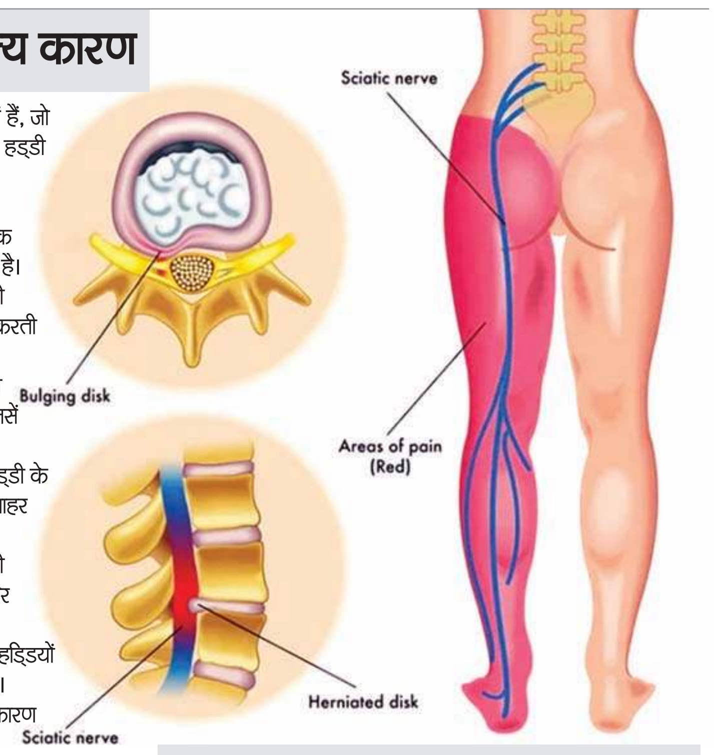

साइटिका के लिए होम्योपैथिक दवाएं

साइटिका के लिए होम्योपैथिक उपचार एक प्राकृतिक, सुरक्षित और समग्र (holistic) तरीका है, जो केवल लक्षणों को नहीं, बल्कि समस्या की जड़ पर काम करता है। यह शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को उत्तेजित करता है, जिससे रोगी को दीर्घकालिक राहत मिलती है। इससे न केवल दर्द में राहत मिलती है, बल्कि नस पर पड़ने वाले दबाव का कारण भी ठीक किया जा सकता है। नियमित उपचार से पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है।

डॉ. निधि जोशी, गांधीधाम कच्छ (गुजरात)

1. **Colocynthis** - तीव्र, ऐंठन जैसा दर्द जो झुकने या बैठने से आराम पाता है। बाएं तरफ के साइटिका में उपयोगी। दर्द कमर से शुरू होकर बाएं पैर की तरफ नीचे की ओर फैलता है। बैठने या दबाव देने से आराम मिलता है।
2. **Magnesia Phosphorica** - दाईं ओर के साइटिका दर्द में उपयोगी। दर्द तेज, चुभता हुआ और पैर की जांघ से नीचे जाता है। गर्मी देने से आराम मिलता है।
3. **Gnaphalium** - यदि दर्द के साथ सुन्नपन (numbness) और झुनझुनाहट (tingling) हो तो यह दवा फायदेमंद है।
4. **hus To&icodendron** - जब दर्द विश्राम या ठंडे-गीले मौसम में बढ़ता हो। चलने-फिरने या हिलने से दर्द में राहत मिलती है। यह खासकर मांसपेशियों के अधिक उपयोग या खिंचाव से हुआ दर्द होता है।
5. **Belladonna**- जब साइटिका का दर्द बहुत तेज, अचानक शुरू होने वाला और जलन, धड़कन, या झटकेदार हो। यह दर्द अचानक आता है और अचानक चला भी जाता है।
6. **Arnica Montana**- जब साइटिका के साथ नीचे के अंगों में अत्यधिक अकड़न या चोट जैसा दर्द हो। अधिक थकावट या मांसपेशियों पर ज़्यादा दबाव के बाद यह उपयोगी है।

नोटः होम्योपैथी में 'एक ही रोग के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को अलग-अलग दवा' दी जाती है। इसलिए हमेशा प्रशिक्षित और अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श लेकर ही दवा लें।

किडनी खराब होने पर पैरों में दिखने लगती है गंभीर परेशानी

भूलकर भी न करें नजरअंदाज

रात में सोते समय कई बार कुछ लोगों को पैरों में अजीब सी बेचैनी महसूस होती है। जिसे आमतौर पर ज्यादातर लोग सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह एक आम समस्या है, जिसे रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम (RLS) कहते हैं। इसमें रात में सोते समय अपने पैरों को लगातार हिलाने की इतनी तेज इच्छा होती है कि आप खुद को रोक नहीं पाते। यह एक न्यूरोलॉजिकल (दिमागी) समस्या है, बहुत से लोग यह नहीं जानते, लेकिन रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम की यह परेशानी अक्सर तब बढ़ जाती है। जब किडनी ठीक से काम नहीं कर रही होती।

– डॉ. चिराग ठाकुर मेडिकल ऑफिसर, आयुष सिविल हॉस्पिटल रत्ती।

रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम क्या है?

रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम तब होता है, जब आप आराम कर रहे होते हैं, जैसे बिस्तर पर लेटे हुए। अचानक आपको पैरों को हिलाने की इतनी जबरदस्त इच्छा होती है कि आप इसे रोक नहीं पाते। लोग इस एहसास को अलग-अलग तरह से बताते हैं-जैसे पैरों में कुछ रेंग रहा हो, झुनझुनी हो रही हो या पैरों के अंदर गहरा खिंचाव महसूस हो रहा हो। पैरों को हिलाने से थोड़ी देर के लिए आराम मिलता है, पर जैसे ही आप रुकते हैं, यह एहसास फिर लौट आता है। इसी वजह से कई लोगों के लिए ठीक से सो पाना लगभग नामुमकिन हो जाता है। रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम किसी को भी हो सकता है, लेकिन यह किडनी की दिक्कत वाले लोगों में, खासकर जो डायलिसिस पर हैं, उनमें बहुत ज्यादा देखा जाता है। रिसर्च बताती है कि 20 से 30 फीसदी डायलिसिस के मरीजों को रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम की परेशानी होती है, कई बार तो बहुत गंभीर रूप से।

किडनी के मरीजों को रेस्टलेस लेग्स क्यों होता है?

यूरिक एसिड जमा होनाः जब किडनी ठीक से खून को साफ नहीं कर पातीं, तो शरीर में यूरिक एसिड जमा हो जाते हैं। ये जहरीले पदार्थ आपकी नसों को परेशान कर सकते हैं, जिससे पैरों में बेचैनी महसूस होती है।

खनिजों का असंतुलनः किडनी के ठीक से काम न करने पर शरीर में कैल्शियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे जरूरी खनिजों का संतुलन बिगड़ जाता है, जो रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम का कारण बन सकता है।

एनीमिया (खून की कमी) : कई किडनी के मरीजों में खून में लाल रक्त कोशिकाओं की कमी होती है, जिसे एनीमिया कहते हैं। एनीमिया भी रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम को बढ़ा सकता है।

डायलिसिस का प्रभाव : अगर आप डायलिसिस करवा रहे हैं, तो अक्सर ये सभी कारण एक साथ होते हैं, जिससे रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम होने का खतरा और भी बढ़ जाता है।

बचाव के उपाय क्या हैं?

आयरन की कमी पूरी करें : किडनी की समस्याओं में शरीर में आयरन की कमी आम बात है। अगर आपका आयरन कम है, तो डॉक्टर आपको आयरन की दवाएं या नसों के ज़रिए आयरन दे सकते हैं। सही मात्रा में आयरन मिलने से बहुत फर्क पड़ सकता है।

डायलिसिस में बदलावः कई बार डायलिसिस के तरीके में कुछ बदलाव करके या उसकी क्वालिटी सुधारकर भी आएलएस में काफी आराम मिल सकता है।

अपनी आदतों में बदलावः अच्छी डाइट लें। पानी ज्यादा पिएं। एक्टिव रहें और नियमित व्यायाम करें। सोने का एक तय समय बनाएं और उसका पालन करें। सोने से पहले कुछ हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें।

न्यूज ब्रीफ

मुल्थान कॉलेज को बंद करने की कवायद का विरोध

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कांगड़ा ने छात्रों की कम संख्या को आधार बना कर दुर्गम क्षेत्र मुल्थान स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज को बंद करने की सरकार की कवाद का विरोध जताया है। पार्टी जिला सचिव अशोक कटोच जिला सचिवालय सदस्य रविंद्र कुमार शोकिनी कपूर, जगदीश जग्गी व सतपाल सिंह ने प्रेस बयान में कहा कि सरकारी महाविद्यालयों में शिक्षण स्टाफ व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रदेश सरकार विफल रही है। उन्होंने मांग की है कि सरकार छात्रों की कम संख्या की आड़ में अपनी विफलता छिपाने की बजाए सभी कालेजों मे रिक्त पदों को भरने की दिशा मे जरूरी कदम उठाए।

डीएवी स्कूल में क्लस्टर खेलों का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। डीएवी विद्यालय नगरोटा सूरिया में डीएवी स्पोर्ट्स खेलों का शुभारंभ स्कूल के एआरओ डॉक्टर विक्रम सिंह ने किया। प्रधानाचार्य शेखर मोदगिल ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेलों को खेल की भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में बास्केटबाल, रोलर स्केटिंग एवं योग आदि खेलों का आयोजन किया जाएगा।

बलदेव सिंह राणा को चौथी बार चुना अध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धौलाधार कॉलोनी रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सामुदायिक भवन में हुई। इसमें प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति विभाग के सेवानिवृत्त एरिया मैनेजर बलदेव सिंह राणा को पुनः सर्वसम्मति से लगातार चौथी बार अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। कार्यकारिणी में कंवर वर्मा सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गायत्री कपूर को उपाध्यक्ष, डॉ. अरुण चंदन को महासचिव, आरएस राणा को कोषाध्यक्ष, डॉ. पवन भारती को विशिष्ट सदस्य, ओंकार सिंह को कार्यालय सचिव और एडवोकेट आरएस राणा को कानूनी सलाहकार चुना गया।

गुलेर में 69 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, नगरोटा सूरियां। देहरा उपमंडल की गुलेर पंचायत में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवी एडवोकेट शिवेंद्र सैनी ने कहा कि शिविर में 69 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को फल, जूस, दूध दिया गया। इस महान कार्य के लिए सर्टिफिकेट और उपहार देखकर सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि देश हित और समाज के लिए युवा शक्ति संगठन लगातार रक्तदान शिविरों का आयोजन और मानव हित के लिए कार्य करती रहेगी। इस मौके पर युवा शक्ति संगठन के कार्यकर्ता प्रिंस, अभिषेक, करनदीप, अखिल, हर्ष, हितेश, कृष आदि उपस्थित रहे।

आपदा प्रभावितों को वितरित की राहत सामग्री

कुलदीप सोनी, अनंत ज्ञान, नगरी। जिया पंचायत के स्थानीय निवासी एवं समाजसेवी बाबा त्रिलोक नाथ ने सोशल मीडिया परिवार के दानी सज्जनों की ओर से दान राहत सामग्री को मंडी के थुनाग, सिराज, जंझैली में आपदा प्रभावित को वितरित किया। समाजसेवी केडी राणा, संदीप चौधरी, भाग्य ठाकुर, विजय हटवास, पूजन भंडारी, विशाल भारतीय ने अहम योगदान दिया। बाबा त्रिलोक नाथ ने बताया कि मेरे सोशल मीडिया परिवार ने मेरे खाते में 38927 रुपए भेजे थे, जिससे राशन, सैनेट्री पैड, बर्तन आपदा प्रभावितों को दिए। कार्तिक महिला मंडल बल्ला ने बर्तन की किटें दी हैं। उन्होंने सभी सोशल मीडिया परिवार का धन्यवाद किया है।

भवारना में बूथ को मजबूत करने के दिए टिप्स

अनंत ज्ञान, डरोह। सुलह विधानसभा क्षेत्र के भाजपा मंडल भवारना, थुरल और सुलह के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को भवारना में हुई। बैठक में पूर्व मंत्री, विधायक विपिन सिंह परमार व कांगड़ा-चंबा संगठन मंत्री राजपाल सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बूथ को मजबूत करने के टिप्स कार्यकर्ताओं को दिए गए। विपिन सिंह परमार ने कहा कि पूरे प्रदेश में लोगों का कांग्रेस से मोहभंग हो गया है। जरूरत है तो केवल भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों से संपर्क करने की। परमार ने कहा कि प्रदेशभर में विकास कार्य रुक गए हैं। लोगों को अपने छोटे छोटे कार्यों के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। प्रदेश में केवल मुख्यमंत्री के दोस्त मजे में हैं और जनता त्रस्त है।

डॉ. युगल किशोर डोगरा को साहित्य कला सम्मान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। संस्कार भारती धर्मशाला जिला कांगड़ा का कला गुरु सम्मान समारोह रविवार को रेडियो गुंजन सभागार में आयोजित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने पर साहित्य कला सम्मान डॉ. युगल किशोर डोगरा को, कला गुरु सम्मान डॉ. कंवर करतार को, कला संवर्धन सम्मान पवनेंद्र पवन को व कला गौरव सम्मान द्विजेंद द्विज को दिया गया। इससे पहले डॉ. जनमेजय गुलेरिया द्वारा लोक संगीत पर लिखी पुस्तक लोकगीत संगीत और प्रो चंद्र रेखा डढवाल द्वारा संयुक्त इसे लिखी पुस्तक लोकभाव स्वरांजली भाग तीन का लोकार्पण किया गया। मंडलायुक्त विनोद कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। पूर्व चुनाव आयुक्त केसी शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ सूरत ठाकुर, डॉ महेश शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संगीतानजलि कला केंद्र धर्मशाला, संस्कार भारती धर्मशाला तथा इंटैक द्वारा कला गुरुओं को अंग वस्त्र,प्रशस्ति पत्र व श्री फल भेंट किए। डॉ. महेश शर्मा को संगीत विभूषण सम्मान, डॉ. सूरत ठाकुर को संगीत मनीषी सम्मान तथा प्रोफेसर चंद्र रेखा डढवाल को उनके संगीतात्मक एवं साहित्यिक योगदान के लिए संस्थाओं ने अलंकृत किया।

मजदूरों को दिए जाएं कानूनी अधिकार

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। प्रदेश निर्माण कामगार संघ, भवन एवं अन्य निर्माण कामगार संघ के साथ प्रदेश ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर की पालमपुर में मीटिंग हुई। इसमें धर्मशाला में मौत का ग्रास बने मजदूरों के लिए मौन रखा गया। बैठक में प्रदेश ट्रेड को-ऑर्डिनेशन सेंटर के राज्य अध्यक्ष प्रेमचंद, प्रदेश निर्माण कामगार संघ के अध्यक्ष राकेश शर्मा, भवन निर्माण कामगार संघ के अध्यक्ष अमन चौधरी आदि शामिल हुए। मीटिंग में चर्चा की कि सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी निर्माण श्रमिकों के क्लेम, बोर्ड के मुख्य कार्यालय हमीरपुर में लंबित पड़े हैं, जिस पर बोर्ड कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। रविंद सिंह ने कहा कि लंबे समय से पेंडिंग आवेदनों पर कार्रवाई नहीं हो रही। 5 महीने से कांगड़ा जिले में केवल आठ मजदूरों को छात्रवृत्ति की योजना का लाभ दिया गया है, जबकि जिले में 50000 निर्माण श्रमिक बोर्ड लाभार्थी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू से अपील की कि प्राकृतिक आपदा को देखते हुए मानवता का परिचय दें। उन्होंने कहा कि मजदूरों को कानूनी अधिकार दिए जाएं।

पठानिया ने रक्कड़ का बाग में किया महिला मंडल भवन का लोकार्पण

उपमुख्य सचेतक बोले- धनोटू वाया बड़ बस्ती सड़क के निर्माण पर खर्च होंगे 2.50 करोड़

कोहली, अनंत ज्ञान

शाहपुर। विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया ने रविवार को रक्कड़ का बाग पंचायत के वार्ड नंबर-1 में 2 लाख की लागत से निर्मित महिला मंडल भवन का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि रैत-चंबी-धर्मशाला सड़क के उन्नयन एवं सुधारीकरण के लिए 45.55 करोड़ की डीपीआर तैयार कर भेज दी गई है। साथ ही एनएच-154 से धनोटू वाया बड़ बस्ती सड़क के निर्माण के लिए 2.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसका कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा।

विधायक केवल पठानिया ने बताया कि रक्कड़ का बाग पंचायत में ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से 22 लाख से अधिक की धनराशि से विभिन्न विकास कार्य करवाए गए, जबकि जलशक्ति विभाग द्वारा निर्बाध एवं सुचारु पेयजल के लिए 20 लाख की धनराशि खर्च की गई। इस पंचायत में विद्युत विभाग की ओर से विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए 18 लाख की राशि खर्च की गई। डडियाडा कॉलोनी की सड़क पर 10 लाख की लागत से टाइल बिछाने का कार्य भी पूर्ण किया गया है। उन्होंने महिला मंडल को 1 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की, जिससे वे आवश्यक सामग्री क्रय कर सकें। साथ ही धार्मिक भ्रमण की मांग को स्वीकार करते हुए शीघ्र व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। उन्होंने जलशक्ति विभाग को एक नए हैंडपंप की संभावित साइट का निरीक्षण करने के निर्देश दिए तथा वन विभाग को शमशानघाट के समीप डंगा लगाने के लिए प्राक्कलन तैयार करने को कहा।

उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया ने की महिला मंडल को 1 लाख रुपए देने की घोषणा।

कांगड़ा घाटी में दो बड़े इवेंट की कवायद शुरू

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। कांगड़ा घाटी में दो बड़े इवेंट की कवायद शुरू हो गई है। बरसात के बाद कांगड़ा जिले में लिट फेस्ट व स्वाद ए हिमाचल प्रतियोगिता की योजना है। हालांकि, इन दोनों इवेंट की तिथियां अभी तक नहीं हुई हैं, लेकिन पर्यटन विभाग दोनों इवेंट की रूपरेखा तैयार करने में जुट गया है। जानकारी के अनुसार लिट फेस्ट का आयोजन बैजनाथ उपमंडल के बीड़ में प्रस्तावित किया गया है। वहीं, तीन चरणों में स्वाद ए हिमाचल प्रो शेफ प्रतियोगिता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

> लिट फेस्ट और स्वाद ए हिमाचल की चल रही तैयारी
>
> बीड़ में लिट फेस्ट प्रस्तावित तीन चरणों में होगा स्वाद ए हिमाचल

लिट फेस्ट के लिए साहित्यकारों से बातचीत का सिलसिला पर्यटन विभाग ने शुरू कर दिया है। साहित्यकारों से विचार-विमर्श करने उपरांत विभाग इसकी तिथियां तय करेगा। लिट फेस्ट में जहां पर्यटन विभाग सहयोग करेगा, वहीं स्वाद ए हिमाचल प्रो शेफ प्रतियोगिता का आयोजन स्वयं विभाग द्वारा किया जाएगा। बीड़ में प्रस्तावित लिट फेस्ट का आयोजन पंखेरु नाम से करवाने की योजना है। पर्यटन विभाग स्वाद ए हिमाचल प्रो शेफ प्रतियोगिता करवाएगा।

शिमला में होगा प्रो शेफ प्रतियोगिता का अंतिम चरण

तीन चरणों में होने वाली स्वाद ए हिमाचल प्रो शेफ प्रतियोगिता का एक चरण स्टेट इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट धर्मशाला में होगा। साथ ही एक चरण मनाली व अंतिम चरण शिमला में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में न केवल हिमाचल बल्कि बाहरी राज्यों के शेफ भी भाग लेंगे। अभी प्लानिंग चल रही है, जिसके चलते अभी तक तिथियां तय नहीं की गई हैं।

> **बरसात** के बाद कांगड़ा जिले में दो बड़े इवेंट की कवायद चल रही है। इसके तहत बीड़ में लिट फेस्ट का आयोजन पंखेरु नाम से किया जाएगा। स्वाद ए हिमाचल प्रो शेफ प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। दोनों ही इवेंट की तैयारी चल रही है, लेकिन अभी तिथियां तय नहीं की गई हैं।
>
> **-विनय धीमान, जिला पर्यटन अधिकारी, जिला कांगड़ा।**

कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में 35 गांवों के लिए बन रही साढ़े 17 करोड़ की पानी की स्कीम : मोंगरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जमानाबाद रोड इच्छी में अपने कार्यालय में लोगों के साथ निशु मोंगरा।

सुक्खू सरकार कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र में पानी, सड़क व बिजली पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। इसी कड़ी में तियारा-समीरपुर फेज-दो व तीन वाटर सप्लाई स्कीम का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। शेष 10 प्रतिशत काम बरसात के बाद पूरा कर लिया जाएगा। यह जानकारी एपीएमसी के जिला व प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश चेयरमैन निशु मोंगरा ने रविवार को इच्छी में अपने कार्यालय में लोगों को दी।

रविवार सुबह कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के तहत कई गांवों से लोग उनसे मिलने पहुंचे थे। इस दौरान त्रैंबला पंचायत के मेहरना गांव के लोगों व अन्य क्षेत्रवासियों ने पानी की समस्या का जिक्र किया। मोंगरा ने कहा कि तियारा-समीरपुर वाटर सप्लाई स्कीम के फेज दो व तीन का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है व अन्य काम बरसात के कारण अभी रुका है। बरसात के बाद काम पूरा कर लिया जाएगा। इस योजना पर 17 करोड़ 60 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस योजना से कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के 35 गांवों को पीने का पानी मिलेगा। मेहरना के ग्रामीणों ने प्रधान चंदू लाल की अगुवाई में निशु मोंगरा से महिला मंडल भवन की मांग भी रखी। मोंगरा ने कहा कि आप सरकार को जमीन मुहैया करवाएं, प्रदेश सरकार आपके लिए तुरंत महिला मंडल भवन का इंतजाम करेगी। इसके बाद मोंगरा ने सैकड़ों लोगों की समस्याएं भी सुनीं। अधिकतर का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष विभागों को प्रेषित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

बैजनाथ में जल्द बिजली की समस्या का होगा समाधान

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। बैजनाथ कस्बे को जल्द ही आए दिन आने वाली बिजली की समस्या से निजात मिलने वाली है। विद्युत बोर्ड ने बैजनाथ के मुख्य बाजार में स्थित बिजली के ट्रांसफार्मर को यहां से हटाकर अन्य जगह लगाने का फैसला लिया है। जिस जगह पर यह ट्रांसफार्मर लगाया है, यहां पर कई वाहन ट्रांसफार्मर से टकरा जाते हैं, जिसकी वजह से घंटों तक बिजली नहीं होती है। बिजली विभाग के कर्मचारियों को भी इसे दोबारा से ठीक करने के लिए कड़ी मशक्कत उठानी पड़ती है। शनिवार रात को भी 250 किलोवॉट के इस ट्रांसफार्मर के साथ एक अज्ञात वाहन टकरा गया था, जिसकी वजह से इसे दोबारा ठीक करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अधिशाषी अभियंता मनोज ठाकुर तथा कनिष्ठ अभियंता रजत कटोच कर्मचारियों को ठीक करने के अवश्य दिशानिर्देश देते रहे। मनोज ठाकुर ने बताया कि जल्द ही इस ट्रांसफार्मर को यहां से हटाकर सुरक्षित जगह पर लगाया जाएगा। बरसों पुराने इस ट्रांसफार्मर की वजह से कुछ दुकानदारों को भी समस्या आती थी। अब इस ट्रांसफॉर्मर के हटने से लोगों को बार-बार आने वाली बिजली की समस्या से निजात मिल पाएगी।

> विद्युत बोर्ड मुख्य बाजार से हटाएगा ट्रांसफार्मर

जिले में दबोचे अधिकतर नशा तस्करों का पंजाब कनेक्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

> गिरफ्तार आरोपी अमृतसर व तरनतारन से रखते हैं संबंध

जिला पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। जिले में पकड़े गए अधिकतर नशा तस्करों का कनेक्शन पंजाब से पाया गया है। यही नहीं पकड़े गए तस्करों में अधिकतर पंजाब के अमृतसर व तरनतारन से संबंधित हैं। अभियान के तहत जिला पुलिस कई तस्करों को जेल में डाल चुकी है।

पुलिस के अनुसार, पड़ोसी राज्य के अमृतसर और तरनतारन जिलों के कुछ ड्रग्स पैडलर को जिला कांगड़ा में नशा तस्करी की एवज में गिरफ्तार भी किया था और यह अभियान लगातार जारी है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए पुलिस की ओर से लगातार स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को युवाओं के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार बच्चों के अभिभावकों को भी अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए।

बच्चों की गतिविधियों पर रखें नजर : अदिति

एएसपी अदिति सिंह ने बताया कि पंजाब के काफी नशा तस्करों को जिला में पकड़ा गया है, जिनमें से अमृतसर व तरनतारन एरिया के अधिक तस्कर शामिल हैं। बच्चों को नशे बारे जागरूक करने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों की गतिविधियों पर भी अभिभावकों को नजर रखनी चाहिए। एएसपी ने मीडिया की माध्यम से लोगों से अपील की है कि अगर उनके आसपास अगर किसी भी तरह से कोई भी संदिग्ध हरकत करता हुआ पाया जाता है तो उन पर नजर रखें और तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें।

नूरपुर अस्पताल के डॉक्टरों ने किया कंधे का सफल ऑपरेशन

भूषण शर्मा, अनंत ज्ञान

नूरपुर। सिविल अस्पताल नूरपुर में हड्डी रोग विशेषज्ञ व एनेस्थीसिया की सयुंक्त डॉक्टरों की टीम ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर जसूर के ममूर (काथल) निवासी नरेश (40 वर्ष) को बचपन की बीमारी से राहत दिलाई है। नरेश को बचपन में कुश्ती खेलने के दौरान कंधे की चोट की समस्या पैदा हुई थी, जिसके कारण उसका कंधा बार-बार उतर जाता था। डॉक्टरों को सीटी स्कैन की जांच में पता चला कि नरेश के कंधे की हड्डी की गहराई कम होने की वजह से यह दिक्कत हो रही थी। इसके बाद हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कार्तिक सैनी ने विशेष 'लटारजे ऑपरेशन' करने का निर्णय लिया।

यह ऑपरेशन काफी जोखिम भरा था, क्योंकि इसमें कंधों के साथ खून और करंट की नसों को नुकसान पहुंचने का खतरा था। ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर रिशु व रूहानी महाजन और ओटी स्टाफ का भी अहम योगदान रहा। डॉ. कार्तिक ने बताया कि गत 4 महीने से मरीज का नियमित अंतराल के बाद चेक किया गया व पाया गया कि ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और अब नरेश का कंधा एक बार भी नहीं उतरा है। नरेश अपने दैनिक कार्यों के अलावा खेती के कार्य भी अब बिना परेशानी से कर रहा है। डॉ. कार्तिक ने कहा कि ऐसे ऑपरेशन अमूमन मेडिकल कॉलेज या बड़े अस्पतालों में ही होते हैं और निजी अस्पतालों में इस पर लाखों रुपए का खर्च आता है। सिविल अस्पतालों की श्रेणी में कुल्हा प्रत्यारोपण, घुटने प्रत्यारोपण के अलावा सर्जरी में 2 साल की बच्चे का अपेंडिक्स जैसे जटिल आपरेशन किए जा चुके हैं।

पंचरुखी की आशवी धीमान को राष्ट्रीय निर्माण रतन अवॉर्ड

अनंत ज्ञान, पालमपुर। पंचरुखी की आशवी धीमान को एचए फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय निर्माण रतन 2025 से सम्मानित किया गया है। आशवी पालमपुर केंद्रीय विद्यालय में दूसरी कक्षा में पढ़ाई करती है व मात्र 7 साल की है। आशवी ने मात्र 13 महीनों में 65 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। यह छोटी सी बच्ची हिमाचल और दूसरे राज्यों में छोटे-बड़े मंचों पर अपनी संस्कृति को प्रमोट करती आ रही है। आशवी टीवी सीरियल देव आंचल की प्रेम कहानी के साथ-साथ पहाड़ी एलबम में भी काम कर रही है।

वहीं, हिमाचल के प्रसिद्ध गायक इशांत भारद्वाज, अमित मितू, अभिषेक सोनी, अमन लाडला, सुरेश वर्मा के अलावा पंजाब के प्रसिद्ध गायक अमृत मान और कुलविंदर बिल्ला जैसे गायकों के साथ भी अपने डांस की प्रस्तुति दे चुकी है। हिमाचल, दिल्ली, नोएडा, देहरादून, जयपुर, हरियाणा, पंजाब चंडीगढ़ में अपने डांस की प्रस्तुति दे चुकी है। पुरस्कार हासिल करने के बाद आशवी ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। मैं हमेशा अपने प्रदेश की संस्कृति को संजोने और आगे बढ़ाने का प्रयास करती रहूंगी। आशवी ने बच्चों को संदेश दिया कि सभी बुरी संगत और नशे से दूर रहे पढ़ाई की तरफ ध्यान दें और फोन से दूर रहें और अपनी हिमाचल की संस्कृति को प्रमोट करते रहें।

आशवी 65 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी है।

लोक गायिका बंदना ने पहुंचाई राहत सामग्री

सालबिया शर्मा, अनंत ज्ञान, गरली। लोक गायिका बंदना धीमान ने मंडी के सराज क्षेत्र में आई आपदा के बीच सेवा की मिसाल कायम की। अपनी सुरीली आवाज के दम पर लाखों दिलों में राज करने वाली बंदना धीमान ने जागरण के माध्यम से एकत्रित सामग्री और लोगों के सहयोग से जमा हुई राशि को स्वयं अपनी गाड़ी में भरकर पीड़ित परिवारों तक पहुंचाया है। राहत सामग्री में 22 गर्म कंबल, महिलाओं-बच्चों के कपड़े, रसोई का सामान, तलाई, राशन व जरूरी दैनिक वस्तुएं शामिल थीं। साथ ही फेसबुक के जरिए 1,10,100 से लेकर 5000 रुपए तक दान किए गए। 11 हजार रुपए नकद भी पीड़ितों को दिए गए। इस मानवीय पहल में अमरजीत माही, जगजीवन सिंह और सोनू शर्मा ने भी साथ दिया।

लॉरेट स्कूल में अस्मीता वुशू महिला सिटी लीग

अनंत ज्ञान, ज्वालामुखी। कथोग स्थित लॉरेट ग्लोबल स्कूल में आयोजित दो दिवसीय अस्मीता वुशू महिला सिटी लीग में विभिन्न स्कूलों के 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। शांशु और तालु वर्ग में अंडर-7 से लेकर अंडर-17 तक के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश वुशू फेडरेशन की ओर से लॉरेट ग्लोबल स्कूल को 5 ताईची शांग भेट दिए गए। वुशू स्टेट एक्सेलेंसी सेंटर कांशा चौक मंडी ने तालु का प्रदर्शन किया। महिला सिटी लीग में विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय अस्मीता वुशू महिला लीग में हिस्सा लेंगे। डॉ. एमएस आशावत तथा मुख्यातिथि ने महिलाओं को आत्मरक्षा आत्मबल दिया। कार्यक्रम में लॉरेट ग्लोबल स्कूल की प्राचार्य डॉ. अंकिता शर्मा एवं स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पठानकोट पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, पठानकोट। राज्य में व्यापारियों के साथ हो रही घटनाओं को देखते हुए पठानकोट पुलिस ने रविवार को शहर में फ्लैग मार्च निकाल कर शहरवासियों को पुलिस पर भरोसा रखने का संदेश दिया गया। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर शहर में कई जगहों पर नाके लगाए हैं। अबोहर में व्यापारी की हत्या के बाद हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस हर तरह की एहतियात बरत रही है। डीएसपी सिटी सुमेर सिंह मान ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में पंजाब में हुई घटनाओं के कारण व्यापारी वर्ग डरा हुआ महसूस कर रहा है और उनके इस डर को खत्म करने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया है, ताकि व्यापारियों को यह संदेश दिया जा सके कि पंजाब पुलिस हमेशा उनके साथ है और उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।

पात्र लोगों के बजाए चेहतों को पहुंचाया जा रहा लाभ

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर प्राप्त करने वाले लोगों को बीपीएल योजना से बाहर करने की सरकार की योजना का पूर्व विधायक अरुण कुमार कूका ने कड़ा विरोध किया है। रविवार को नगरोटा बगवां में प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक ने कहा कि सरकारी सहायता से पक्का घर बना लेने से क्या उस परिवार की आय में वृद्धि होगी। बीपीएल परिवारों को इस योजना से बाहर करने से पहले यह जानना जरूरी है कि क्या उनके आय के साधन बढ़े हैं या परिवार के किसी सदस्य की सरकारी नियुक्ति हुई है। उन्होंने कहा कि नगरोटा बगवां विकास खंड में पंचायतों के मनरेगा व अन्य विकास कार्य विधायक की मंजूरी से हो रहे तथा पात्र लोगों के बजाए चेहतों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने चुने हुए पंचायत प्रतिनिधियों की शक्तियां छीनने तथा मनरेगा कार्यों में विधायक की मनमानी का कड़ा विरोध किया तथा मनरेगा नियमों का उल्लंघन बताया।

फर्म ने फर्जी दस्तावेजों से निकाले लाखों रुपए

नगर निगम ने केस कर रिकवर की करीब 21 लाख की राशि

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला

नगर निगम धर्मशाला के खाते से एक फर्म ने लाखों रुपए निकाल लिए थे, जिन्हें निगम प्रशासन ने मुश्तैदी दिखाते हुए केस करके रिकवर कर लिया है। फर्म के खिलाफ पुलिस थाना धर्मशाला में मामला भी दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार नगर निगम धर्मशाला में वर्ष 2016 में शहर के सेनिटेशन का कार्य का टेंडर दिल्ली की एक फर्म ने लिया था। इसके तहत फर्म की ओर से 16 लाख रुपए की सिक्योरिटी मनी नगर निगम धर्मशाला में जमा करवाई थी, लेकिन बीच में ही फर्म ने नगर निगम को बिना बताए सेनिटेशन का काम छोड़ दिया था।

इसके साथ ही फर्म ने फर्जी दस्तावेज बनाकर संबंधित बैंक से यह 16 लाख रुपए की राशि निकाल ली और भाग गई। जब निगम प्रशासन ने इस बारे में संबंधित बैंक से संपर्क किया तो पता चला कि फर्म की ओर से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर राशि निकाल ली गई थी।

इस पर निगम प्रशासन, फर्म पर केस करने उपरांत निगम करीब 21 लाख की राशि को रिकवर करने में कामयाब रहा है। नगर निगम ने 8 जुलाई 2025 को उक्त फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज करके कार्रवाई आरंभ कर दी है।

> **एक** फर्म द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक से लाखों रुपये की राशि निकलवाने की शिकायत नगर निगम की ओर से धर्मशाला में दर्ज करवाई गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।
>
> **अदिति सिंह, एएसपी, धर्मशाला**

> **नगर** निगम धर्मशाला में सेनिटेशन का काम करने वाली एक फर्म ने बैंक में फर्जी दस्तावेज दिखाकर लाखों रूपए निकाल लिए थे। प्रबंधन की ओर से सिक्योरिटी राशि ब्याज सहित रिकवर कर ली गई है। साथ ही फर्म के खिलाफ पुलिस थाना धर्मशाला में मामला दज करवाया गया है।
>
> **जफर इकबाल, आयुक्त, नगर निगम धर्मशाला।**

> 2016 में एक सेनिटेशन फर्म द्वारा बिना वताए काम छोडने के बाद बैंक में फर्जी दस्तावेज दिखाकर सिक्योरिटी मनी निकाल ली थी। निगम द्वारा इस मामले में फर्म पर केस कर ब्याज सहित सारी राशि को रिकवर कर लिया गया है।
>
> **नीनू शर्मा, मेयर, नगर निगम धर्मशाला।**

फॉल आर्मी वर्म की चपेट में मक्की की फसल

अनंत ज्ञान, नूरपुर। मक्की की फसल में फॉल आर्मी वर्म रोग से किसानों में भारी नुकसान हो रहा है। इसी संदर्भ में नूरपुर की पंचायत सदवां में कृषि विभाग नूरपुर के विषयवाद विशेषज्ञ डॉ. शलेश पाल सूद ने खेतों का निरीक्षण किया और किसानों को इस बीमारी से फसल को बचाने के उपाय व दवाइयों के बारे में बताया। फॉल आर्मी वर्म एक ऐसी बीमारी है, जो रातों रात फसल को बर्बाद कर देती है। इसमें एक ऐसी सूंडी होती है, जो मक्की की फसल के पत्तों को खा जाती है। डॉ. शलेश पाल सूद ने कहा कि छोटी-छोटी सूंड़ियां मक्की वॉरल में तैयार हो जाती हैं और वह सारे पत्तों को खा जाती हैं। इस बीमारी से बचाव करने के लिए कृषि विभाग द्वारा कोरोजल नामक दवाई किसानों को दी जा रही है, जोकि जाच्छ कार्यालय में मौजूद हैं। इस दवाई का प्वॉइंट चार एमएल एक लीटर में डाल कर स्प्रे कर सकते हैं। यह फसल जब छोटी होती है उस समय स्प्रे कर दे, तो फायदेमंद रहती है और 15 दिन बाद दोबारा कर दें। इससे फायदा होगा कि आगे यह सूंडी यही खत्म हो जाएगी और खेत में लगी फसल को नष्ट नहीं करेगी। किसान मान सिंह ने कहा कि हमारे खेत में सूंडी लगी हुई है, उसने हमारी फसल बर्बाद कर दी है।

> विशेषज्ञ डॉ. शलेश ने पंचायत सदवां में किया खेतों का निरीक्षण

करोड़ी-तिनबड़ मार्ग पर वाहन की आवाजाही शुरू

अजय पाल, अनंत ज्ञान

पालमपुर। भूस्खलन के कारण बंद करोड़ी-तनबड़ मार्ग को लोक निर्माण विभाग ने बहाल कर दिया था। इस मार्ग से रविवार से वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। अब वाहन चालकों को वैकल्पिक सड़क मार्ग का प्रयोग नहीं करना पड़ेगा। पंचरुखी-तिनबड़ मार्ग करोड़ी की चढ़ाई में भारी बारिश के कारण भूस्खलन के चलते बंद हो गया था।

जयसिंहपुर व चढ़ियार की तरफ से आने-जाने वाहन वाया बरकडी, मच्छुई होते हुए कैलाशपुर तक वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर रहे थे। यह मार्ग इतना संकरा है कि छोटे वाहनों को भी पास देना मुश्किल हो रहा था, जिस कारण जाम की स्थिति बन रही थी। इस वैकल्पिक सड़क में कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं। जहां यह सड़क क्षतिग्रस्त हुई थी, वहां पर डंगा लगाना संभव नहीं था। लोक निर्माण विभाग ने सड़क के ऊपरी तरफ चट्टान को तोड़कर सड़क बनाई। विभाग ने सड़क को बहाल करने के लिए 15 जुलाई की समय अवधि दी थी, लेकिन लोक निर्माण विभाग ने दिए समय से दो दिन पहले ही सड़क को बहाल कर दिया। हालांकि, छोटी वाहनों के लिए एक दिन पहले ही खोल दिया था। धार क्षेत्र के ग्रामीण जसवंत डढवाल, प्रताप चंद, कुलवंत डोगरा, प्रकाश चंद आदि ने कम समय में सड़क को बहाल करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की तारीफ की। लोक निर्माण विभाग मंडल जयसिंहपुर के अधिशाषी अभियंता विजय वर्मा ने कहा कि चढ़ियार व जयसिंहपुर के लिए यह मुख्य मार्ग है। इसे जल्द बहाल करना जरूरी था। इसलिए सड़क से ऊपरी तरफ चट्टान काट कर रोड बनाया गया। उन्होंने कहा कि सभी वाहनों के लिए सड़क खोल दी है।

लोनिवि ने बहाल किया भूस्खलन से बंद मार्ग।

सीएम के आश्वासन से जगी पेंशनरों में आस : कृष्ण

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला। जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ के प्रधान कृष्ण सरुप शर्मा ने कहा कि राज्य प्रधान आत्मा राम शर्मा की अध्यक्षता में राज्य कार्यकारिणी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सुक्खू से मुलाकात कर पेंशनरों की मांगों को रखा है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि पेंशनरों के लिए संयुक्त सलाहकार कमेटी का शीघ्र ही गठन किया जाएगा। अब पेंशनरों को आस बंधी है कि जल्द उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा होगी। उन्होंने मांग की है कि जो पेंशनर्स 2016 से लेकर जनवरी 2022 तक सेवानिवृत्त हुए हैं, उनकी मांग को पहल के आधार पर रखा जाए, ताकि हजारों पेंशनरों को फायदा हो।

गुमशुदा

यह लड़का, जिसका नाम **अजय ठाकुर** S/O थोगलिया, गांव सेरी, तहसील चंबा, कलोर (150), चंबा, हिमाचल प्रदेश, 176311 निवासी है। अजय ठाकुर 9 जुलाई से लापता है। अगर किसी को कहीं दिखे तो कृपया इन नंबरों 7807627340, 6230661635, 9805078395 पर संपर्क करें। गुमशुदा हुए अजय ठाकुर की लास्ट लोकेशन दो दिन पहले बद्दी-नालागढ़ क्षेत्र में थी।

न्यूज ब्रीफ

ध्यान और मोक्ष से सजी चित्रकला प्रदर्शनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में पंजाब आर्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित समूह चित्रकला प्रदर्शनी कला प्रेमियों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी में कई उत्कृष्ट कृतियां प्रदर्शित की गई हैं, लेकिन ध्यान और मोक्ष पर केंद्रित एक विशेष चित्र युवाओं की पहली पसंद बन कर उभरा है। इस प्रभावशाली कलाकृति का मूल्य 1 लाख 15 हजार रुपए निर्धारित किया गया है, जो इसकी असाधारण कलात्मकता और गहरे संदेश को दर्शाता है। होशियारपुर के प्रसिद्ध चित्रकार जगजीत सिंह द्वारा निर्मित यह चित्र एक्रेलिक रंगों का उपयोग कर बनाया गया है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत जगजीत सिंह पिछले 26 वर्षों से पेंटिंग कर रहे हैं, और उनकी यह कलाकृति उनकी गहरी कलात्मक समझ और आध्यात्मिक दृष्टिकोण का प्रमाण है।

साइबर ठगी से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। ननखड़ी-कुमारसैन या अन्य स्थानों में साइबर अपराधों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए, सीसीआईडी ट्रस्ट हिमाचल के आरटीआई राष्ट्रीय अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने आम जनता को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक कारोबारी से लॉटरी के नाम पर दो लाख रुपये की ठगी की गई है, जो साइबर अपराधियों की बढ़ती सक्रियता का प्रमाण है। सुरेंद्र कुमार ने कहा कि डिजिटल युग में जहां सुविधाएं बढ़ी हैं, वहीं साइबर अपराधों ने भी पांव पसार लिए हैं। ऐसे में आम लोगों को जागरूक और सतर्क रहने की आवश्यकता है। सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी सीमित साझा न करें। एंटीवायरस और फायरवॉल सॉफ़्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट रखें। फर्जी कॉल्स व लॉटरी के झांसे में न आएं।

जखनोटी की महिलाओं ने की साफ-सफाई

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे भांग उखाड़ो अभियान के तहत ग्राम पंचायत भंफड़ के जखनोटी गांव के महिला मंडल समूह व वार्ड सदस्यों ने रविवार को जखनोटी गांव में भांग उखाड़कर साफ-सफाई की। इस अभियान के दौरान वार्ड सदस्य हेमंत कुमार, महिला मंडल जखनोटी प्रधान गीता देवी, सचिव विंदरमणि, कोषाध्यक्ष शांता देवी, सदस्य लवली, प्रसन्ना, शर्मिला, दुर्गा देवी, गीता देवी, कांता देवी, देवी कुमारी, जय देवी, रक्षा देवी, जय कुमारी, जमला देवी व सुमित्रा देवी मौजूद रही।

दली गांव में महिलाओं ने उखाड़ी भांग

अनंत ज्ञान, रोहड़ू। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे भांग उखाड़ो अभियान के तहत ग्राम पंचायत ढाकगांव के दली गांव के महिला मंडल व वार्ड सदस्यों ने रविवार को दली गांव में भांग उखाड़कर साफ-सफाई की। इस दौरान ग्राम पंचायत ढाकगांव की प्रधान गीता परगुवाण, महिला मंडल दली प्रधान मंजू शरवाण, उपप्रधान मनोरमा देवी, सचिव रंजू दीवान, कोषाध्यक्ष सुमित्रा देवी, सदस्य वीना रानी, सीता देवी, कृष्णा शरवाण, मीरा देवी व गुड्डी आदि मौजूद रहे।

खुशखबरी : अब विशेषज्ञ समाधान से लगेगी सेब के रोगों पर लगाम

वैज्ञानिकों की टीम ने सुझाया समस्या का समाधान, असंगत रसायनों को मिलाने से बचें

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। प्रदेश के सेब उत्पादकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। लंबे समय से सेब के बागानों में अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा और झुलसा जैसे रोगों से जूझ रहे बागवानों को अब विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नई उम्मीद की किरण दिख रही है। डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों ने सेब में बीमारियों के बढ़ते मामलों का अध्ययन करने के बाद एक एकीकृत व स्थायी समाधान सुझाया है, जिससे न केवल रासायनिक उर्वरकों व हानिकारक कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग कम होगा, बल्कि उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

विश्वविद्यालय के पादप रोग विशेषज्ञों, कीट विज्ञानियों और फल विज्ञानियों की एक टीम ने मानसून की शुरुआत से ही शिमला जिले के विभिन्न सेब बागानों का गहन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कई सेब बागानों में रोगों के लक्षणों की गंभीरता को 70 फीसदी तक बदलते हुए देखा, जो गैर-सिफारिशी कृषि रसायनों और असंगत मिश्रणों के व्यापक उपयोग का परिणाम था। विशेषज्ञों ने पाया कि रोग नियंत्रण के लिए अनुशंसित कवकनाशकों जैसे प्रोपिनेब, जिनेब, मेटिराम 70 फीसदी डब्ल्यूजी या जीराम 600 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी का अत्यधिक उपयोग, जिससे गंभीर फंगल प्रजातियां विकसित हुईं, भी समस्या को बढ़ा रहा था। उन्होंने हेक्साकोनाजोल प्लस जिनेब 500 ग्राम प्रति 200 लीटर, फ्लुओपिरम प्लस टेबुकोनाजोल 126 मिलीग्राम प्रति 200 लीटर), कार्बेन्डाजिम प्लस फ्लुसिलाजोल 160 मिलीग्राम प्रति 200 लीटर) और मैनकोजेब प्लस पायराक्लोस्ट्रोबिन 700 ग्राम प्रति 200 लीटर जैसे कवकनाशकों के असंगत उपयोग को भी एक बड़ी चुनौती के रूप में पहचाना।

डॉ. वाईएस परमार विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने अब किसानों को सलाह दी है कि वे अनुशंसित कृषि और बागवानी पद्धतियों का सख्ती से पालन करें और असंगत रसायनों को मिलाने से बचें। उन्होंने केवल अनुमोदित कृषि रासायनिक ब्रांडों का उपयोग करने, संरचित स्प्रे शेड्यूल का पालन करने और गैर-प्रणालीगत कवकनाशकों को प्राथमिकता देने की सलाह दी है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने से बचेगी।

जनजागरूकता अभियान चलाना जरूरी

यह पहल विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से आरंभ होने वाले सेब और पत्थर फलों में अल्टरनेरिया और अन्य पर्ण रोगों के बारे में जागरूकता नामक एक बड़े अभियान का हिस्सा है। पांच विशेषज्ञ टीमें, जिनमें माशोबरा सेब विकास केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र शिमला और नौणी विश्वविद्यालय सोलन शामिल हैं, इस कार्य के लिए जुटाई गई हैं। फील्ड विजिट शिमला जिले के जुब्बल, चिड़गांव, ठियोग और नारकंडा जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर जारी रहेगी, साथ ही कुल्लू और किन्नौर जैसे अन्य क्षेत्रों में भी इसका विस्तार किया जाएगा।

पेड़ों के बीच से खरपतवार को हटाएं

विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया है कि सघन वृक्षारोपण और पेड़ों के बीच से खरपतवारों को हटाने के लिए उचित कैनोपी स्पेसिंग (छायादार क्षेत्र) को बनाए रखना आर्द्र सूक्ष्म जलवायु को कम करेगा, जिससे फंगल रोगों का विकास धीमा होगा।

शालवी नदी में गिरी गाड़ी; दो की मौत, दो घायल व एक बच्चा लापता

- पुलिस व एनडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

नेरवा के पास शालवी नदी में एक गाड़ी गिरने से भीषण हादसा हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद एक 8 वर्षीय बच्चा नदी में बह गया है, जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार नेरवा से करीब 14 किलोमीटर दूर नरेवा फेडिज पुल मुख्य मार्ग पर टडोरी बथा के बीच शनिवार देर शाम करीब 7 बजे यह दुर्घटना हुई। स्कॉर्पियो नंबर पीबी 32 जी 8768 में पांच लोग सवार होकर रोहना की ओर जा रहे थे। वाहन अनियंत्रित होकर शालवी नदी में जा गिरा। हादसे में नेरवा तहसील के दुकानदार कुमार सूची शिमला और गुरमेल लाल नवांशहर, पंजाब की मौके पर ही मौत हो गई। बलविंदर कौर और केशव पुत्र नरेंद्र, निवासी गांव बंगा, नवांशहर, पंजाब घायल हो गए, जिन्हें सिविल अस्पताल से आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है।

पुलिस और एनडीआरएफ की टीम लापता 8 वर्षीय बच्चे की तलाश में जुटी हुई है। डीएसपी सुशांत शर्मा ने बताया कि पूरी रात रेस्क्यू अभियान जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बच्चे को जल्द तलाश करने की मांग की है।

कालका-शिमला एनएच पर खाई में गिरा ट्रक, दो जख्मी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। कालका-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर टीटीआर के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर लगभग 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में ट्रक चालक और क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार सुबह करीब 4 बजे हुआ। ट्रक शिमला से शिमला मिर्च, बीन्स और अन्य सब्जियां लेकर सोनीपत जा रहा था। परवाणू के टीटीआर के समीप पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित हो गया और खाई में गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को परवाणू ईएसआई अस्पताल पहुंचाया। डीएसपी मेहर पंवार ने बताया कि चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बाढ़ प्रभावितों को दी सहायता राशि

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने एकत्रित राशि आपदा प्रभावितों को भेंट की।

महेंद्र कुमार, अनंत ज्ञान

सुन्नी। प्रदेश के सराज क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण हुए तबाही से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तबाही के कारण कई ग्रामीणों के आशियाने जलमग्न ही गए व कई की आशियाने उजड़ गए। ऐसी मुश्किल घड़ी में विकास खंड चुराग की ग्राम पंचायत सवामाहूं में गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी बाड़ प्रभावित ग्रामीणों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। समूह की महिलाओं ने हाल ही में करसोग क्षेत्र की जंजैहली घाटी में आई प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों के लिए मानवीय संवेदनाओं से प्रेरित एक सराहनीय पहल की है। समूह की महिलाओं ने मिल-जुलकर कुल 9000 रुपए की राशि एकत्रित कर उसे आपदा राहत के लिए समर्पित किया है। इस पुनीत कार्य में समूह की सभी सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व अपनी आर्थिक स्थिति को दरकिनार कर समाज सेवा को प्राथमिकता दी। उन्होंने यह राशि चेक के माध्यय से जंजेहली की प्रिंसिपल नोडल ऑफिसर सुमा देवी को सौंपी।

हिमाचल में प्राकृतिक खेती को मिली नई उड़ान

एमएसपी की गारंटी से आय में बंपर उछाल, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रहा मजबूत आधार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश ने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अभिनव पहल के चलते, प्राकृतिक उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बन गया है। यह कदम प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा कवच का काम कर रहा है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व मजबूती मिल रही है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ, सरकार ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिले। इससे खेती की लागत कम हुई है और उत्पादों को बाजार में बेहतर दाम मिल रहे हैं। यह

प्राकृतिक खेती से लहलहाते खेत।

पहल न केवल मानव और पर्यावरण को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से बचा रही है, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर बाजार पर उनकी निर्भरता भी कम कर रही है

प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उगाए गए मक्का, गेहूं, जौ और हल्दी के लिए एमएसपी निर्धारित किया गया है, जो देश में सर्वाधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाए गए मक्का का एमएसपी 30 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। इसी तरह, गेहूं का एमएसपी 40 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति किलोग्राम और कच्ची हल्दी का एमएसपी 90 रुपए प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। चंबा जिले की पांगी घाटी में पैदा होने वाली जौ के लिए भी 60 रुपए प्रति किलोग्राम का एमएसपी तय किया गया है।

हल्दी के मिल रहे अच्छे दाम: रूपचंद शर्मा

किसानों ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। रूपचंद शर्मा हल्दी किसान, पाहल, शिमला ग्रामीण 'सरकार ने हल्दी का एमएसपी 90 रुपए किया है, जिससे मुझे अपनी उपज का बहुत अच्छा दाम मिला। मैं अन्य किसानों को भी प्राकृतिक हल्दी की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं।'

प्राकृतिक खेती से बढ़ी पैदावार: प्रकाश चंद

प्रकाश चंद मक्का किसान, कदोग, शिमला ग्रामीण 'पहले रासायनिक खेती से मिट्टी की उर्वरता घट रही थी, अब प्राकृतिक खेती से पैदावार बढ़ी है। एमएसपी पर 4 क्विंटल मक्के के मुझे 12 हजार रुपए मिले हैं, मैं सरकार का आभारी हूं।'

मक्के के मिल रहे बेहतर दाम: तारा कश्यप

तारा कश्यप मक्का किसान, शिमला ग्रामीण 'प्राकृतिक खेती से उगाई मक्के का एमएसपी मिलने से उचित दाम मिल रहे हैं। यह योजना किसानों के लिए बहुत फायदेमंद है।'

शाहतलाई बाजार में नो पार्किंग जोन बना मजाक, हर समय लग रहा जाम

शाहतलाई मुख्य बाजार में नो पार्किंग जोन में खड़े वाहन।

अनंत ज्ञान, शाहतलाई

बाबा बालक नाथ की तपोभूमि शाहतलाई के मुख्य बाजार में यातायात व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। भले ही प्रशासन ने बाजार में विभिन्न स्थानों पर नो पार्किंग जोन चिन्हित किए हों, लेकिन वाहन चालकों की मनमानी और पुलिस विभाग की निष्क्रियता के चलते ये जोन अब केवल साइन बोर्ड तक सीमित रह गए हैं। मुख्य चौक, मंदिर न्यास मार्ग और गुरूनाझाड़ी जाने वाली सड़क पर नो पार्किंग के स्पष्ट बोर्ड लगे होने के बावजूद दोपहिया और चारपहिया वाहन धड़ल्ले से पार्क किए जा रहे हैं। इससे बाजार में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है और राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोग का कहना है कि रूट वाली बसें भी मुख्य चौक पर 20 से 30 मिनट तक खड़ी रहती हैं, जिससे स्थिति और भी बिगड़ जाती है। इस मामले पर जब पुलिस उपमंडल अधिकारी (डीएसपी) घुमारवीं चंद्र पाल से संपर्क किया गया तो उन्होंने इस संबंध में पहले भी पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नो पार्किंग जोन में कोई वाहन खड़ा न होने पाए। यदि इसके बावजूद नियमों की अवहेलना होती है, तो अब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घुमारवीं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर दें विशेष ध्यान : राजेश धर्माणी

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने रविवार को घुमारवीं सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना और चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। धर्माणी ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मौसम में डेंगू व अन्य जलजनित रोगों के फैलने की आशंका रहती है, अत: अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि परिसर में जलभराव न होने पाए, नालियों की नियमित सफाई हो और मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग करवाई जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर दवाइयां, पौष्टिक आहार और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसकी अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।

उन्होंने लोगों से अपील की कि मानसून के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। प्राकृतिक जलस्रोतों जैसे नदियों, झीलों और हैंडपंप आदि से प्राप्त पानी को प्रयोग में लाने से पहले उसे उबालकर या फिल्टर कर ही उपयोग करें, ताकि जलजनित संक्रमण से बचा जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए जा रहे जनहितकारी निर्देशों का पालन करने की भी अपील की।

अस्पताल में भर्ती मरीजों का कुशलक्षेम जानते तकनीकी शिक्षा मंत्री धर्माणी।

सुनील को जिला बिलासपुर कबड्डी एसोसिएशन की कमान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। बिलासपुर जिला कबड्डी एसोसिएशन के चुनाव घुमारवीं के निजी होटल में हुए। सहायक चुनाव अधिकारी मानसिंह चंदेल सेवानिवृत्त एडीपीईओ की अध्यक्षता में हुए चुनाव में सुनील शर्मा को संगठन का जिला प्रधान चुना गया। पुलिस विभाग से सेवानिवृत एनआईएस कोच ओम प्रकाश महासचिव चुने गए हैं। इनके अलावा रविंद्र ठाकुर को संगठन का कोषाध्यक्ष तथा हर्नोडा के सुभाष ठाकुर को टेक्निकल कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। इस चुनाव में जिला भर से एकत्रित एसोसिएशन में पंजीकृत विभिन्न 18 खेल क्लबों, युवक मंडलों व खेल अकादमियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

छात्रा पलक ने लिया राष्ट्रीय एकता कैंप में भाग

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। राजकीय कॉलेज घुमारवीं की कला स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा पलक ने गुजरात के वलसाड में आयोजित हुए राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया। प्राचार्य ने पलक को इस कैंप में बिलासपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि प्रदेश से कुल 10 बच्चों का चयन हुआ था, जिनमें पलक भी एक है। अनुभवों को साझा करते हुए पलक ने कहा कि इस कैंप में देश के 11 राज्यों से एनएसएस स्वयंसेवियों ने भाग लिया, जिनसे मिलकर उनकी भाषा, भेषभूषा सीखने का अवसर मिला।

मण्जुषा सहायता केंद्र ने दी तनु को आर्थिक सहायता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। मण्जुषा सहायता केंद्र कलोल ने एक बार फिर बेटी की कॉलेज शिक्षा के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। इस बार यह सहायता गांव गुरनाड़ी भड़ोलियां निवासी मनोहर लाल की बेटी तनु देवी को दी गई है, जिसने हाल ही में झंडूता कॉलेज में दाखिला लिया है। आर्थिक रूप से कमजोर मनोहर लाल, जिनके पांच बच्चे हैं -चार बेटियां और एक बेटा है। सीमित संसाधनों के बीच अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। ऐसे में उनकी बेटी की उच्च शिक्षा बाधित न हो, इस उद्देश्य से मण्जुषा सहायता केंद्र ने 4000 का चेक प्रदान कर उसे शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस मदद की जानकारी कैप्टन ज्ञान चंद धीमान ने केंद्र को दी थी और तनु देवी को उसके पिता के साथ सहायता के लिए केंद्र भेजा। केंद्र के अध्यक्ष कर्नल जसवंत सिंह चंदेल ने यह सहायता स्वयं प्रदान की।

दिव्यांग कल्याण संघ ने की मांगों पर चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। दिव्यांग कल्याण संघ बिलासपुर की मासिक बैठक संघ के प्रधान विनोद कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में दिव्यांगजनों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सहारा पेंशन के न मिलने, यूडीआईडी कार्ड बनवाने में आ रही समस्याओं, मार्ग निर्माण, न्यूनतम गुजारा भत्ता 5000 निर्धारित करने, रिक्त बैकलॉग पदों को भरने, स्वतंत्र डिसेबिलिटी कमिश्नर की नियुक्ति, दिव्यांगता फंड की स्थापना तथा दिव्यांगता अधिनियम 2016 को जमीनी स्तर पर लागू करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। संघ ने निर्णय लिया कि मुद्दों को लेकर जल्द एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधीश से मिलेगा और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। वहीं, दिव्यांग कल्याण संघ बिलासपुर व जिला बिलासपुर पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने बाढ़ राहत में सहयोग करने का भी संकल्प लिया गया।

काव्य गोष्ठी में गूंजे समाज व प्रकृति सरोकारों के स्वर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर लेखक संघ की मासिक बैठक एवं संगोष्ठी का आयोजन परनाल गांव के दुर्गा मंदिर में गरिमामयी वातावरण में किया गया। इसकी अध्यक्षता डॉ. रविंद्र ठाकुर ने की, जबकि मंच संचालन महासचिव रविंद्र कुमार शर्मा ने किया। वहीं, संघ की सदस्य फूलां चंदेल के पति के आकस्मिक निधन और आपदा में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। संघ के सबसे वरिष्ठ साहित्यकार द्वारका प्रसाद शर्मा को 94वें जन्मदिवस पर माता की चुनरी और टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित लेखराम शर्मा को भी सम्मान प्रदान किया गया। बिलासपुर लेखक संघ के आगामी काव्य संग्रह के शीघ्र प्रकाशन की घोषणा की गई।

स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए चलाया अभियान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। बरसात के मौसम में जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना को देखते हुए जल शक्ति विभाग घुमारवीं सतर्क हो गया है। विभाग ने स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया है। सहायक अभियंता मस्त राम चौहान ने बताया कि खंड के अंतर्गत आने वाली सभी पेयजल योजनाओं का निरीक्षण किया गया है। सभी पेयजल टैंकों और टैकों की सफाई करवाई गई है, ताकि लोगों को सुरक्षित और स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके। सहायक अभियंता ने जनता से अपील की है कि किसी भी पेयजल समस्या की स्थिति में तुरंत विभाग से संपर्क करें और आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

1.50 लाख का ई-लर्निंग सिस्टम किया भेंट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में रोटरी क्लब बिलासपुर ने एक और सराहनीय कदम उठाया है। क्लब ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, दसगांव को लगभग 1.50 लाख रुपए की लागत का ई-लर्निंग सिस्टम भेंट कर विद्यार्थियों को स्मार्ट लर्निंग की सौगात दी है। इस अत्याधुनिक ई-लर्निंग सिस्टम में कंप्यूटर सीपीयू, प्रोजेक्टर और बड़ी स्क्रीन शामिल है, जिससे छात्र एक साथ बड़ी संख्या में किसी भी शैक्षणिक प्रस्तुति को देख और समझ सकेंगे। रोटरी क्लब के प्रधान संजीव वास्स्यायन की अगुवाई में क्लब के सदस्यों ने स्कूल पहुंचकर सिस्टम को इंस्टॉल करवाया। प्रधानाचार्य राकेश शर्मा ने क्लब सदस्यों को स्मृतिचिह्न प्रदान कर उनका सम्मान किया और संस्था के प्रति आभार जताया।

एनटीपीसी कॉलोनी की दुर्दशा पर भड़के ग्रामीण

- राजीव गांधी संगठन ने दी घेराव की चेतावनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सेड़पा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली एनटीपीसी आरसी कॉलोनी हरनोड़ा में बदहाल सड़कों को लेकर विस्थापित लोग लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन दो साल से कोई ठोस कार्रवाई न होने से स्थानीय लोगों में भारी रोष है। एनटीपीसी, जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार की लगातार अनदेखी के चलते लोग अब आंदोलन की राह पर उतरने की तैयारी में हैं। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के पदाधिकारियों ठाकुर हीरापाल सिंह, महेंद्र कुमार और दौलतराम शर्मा ने आरसी कॉलोनी का दौरा कर सड़क की हालत का जायजा लिया और कहा कि अगर एक माह के भीतर इन सड़कों की स्थिति नहीं सुधरी, तो एनटीपीसी और जिला प्रशासन का जनता घेराव करेगी।

हीरापाल सिंह ने कहा कि विस्थापित लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। सड़कें बदहाल हैं, स्ट्रीट लाइटें लगाई ही नहीं गईं, और जो लगाई गई हैं, वे काम नहीं कर रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीएसआर फंड का उपयोग भी ऐसे कार्यों में किया जा रहा है, जिनकी जनता को कोई आवश्यकता नहीं है, जबकि रोजगार, सड़क और स्वच्छता जैसी बुनियादी समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं।

तालाब बनी सड़क को दिखाते संगठन के लोग

संस्कृत शिक्षक परिषद ने शुरू किया 'एक कदम शिक्षा की ओर' अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। मंडी जिले की सराज घाटी में आई प्राकृतिक आपदा से कई परिवार बेघर हो गए और स्कूली बच्चों की किताबें, बैग और स्टेशनरी भी इस त्रासदी की भेंट चढ़ गईं। ऐसे में हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद ने बच्चों के शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए 'एक कदम शिक्षा की ओर' नाम से एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। प्रथम चरण में परिषद की ओर से 108 शिक्षा किट वितरित की जा रही हैं। प्रत्येक किट में विद्यार्थियों के लिए स्कूल बैग, 12 कॉपियां, ज्योमेट्री बॉक्स, स्केच पेन का सेट, 5 बॉलपेन, पेंसिल और एक स्टील की पानी की बोतल शामिल है। यह किटें विशेष रूप से उन बच्चों के लिए तैयार की गई हैं, जिनकी शैक्षणिक सामग्री आपदा में नष्ट हो चुकी है। परिषद के प्रदेशाध्यक्ष कमलकांत गौतम ने बताया कि यह पूरा कार्य संरक्षक डॉ. मनोज शैल और वित्त सचिव लोकपाल की देखरेख में संचालित किया जा रहा है। राहत सामग्री मंडी में पहुंचनी शुरू हो गई है और किट तैयार कर जरूरतमंद छात्रों तक पहुंचाई जा रही हैं। महासचिव डॉ. अमनदीप शर्मा और संगठन मंत्री आचार्य ललित शर्मा ने प्रदेशभर के शिक्षकों से इस मानवीय कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

मानव सेवा ट्रस्ट ने आपदा प्रभावित लोगों तक पहुंचाई राहत सामग्री

स्थानीय लोगों की सहायता से 200 पीड़ितों को आवश्यक सामग्री सौंपी गई।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सराज घाटी में प्राकृतिक आपदा ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। मानव सेवा ट्रस्ट ने मंडी जिले के थुनाग क्षेत्र के दूरस्थ गांव जरोल में जाकर पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। संस्था के संस्थापक प्रकाश चंद बंसल (अधिवक्ता) ने स्वयं इस वितरण कार्य का नेतृत्व किया।

उन्होंने बताया कि टीम ने स्थानीय लोगों की सहायता से करीब 200 पीड़ितों को आवश्यक सामग्री सौंपी। बंसल ने बताया कि कपड़े, कंबल, स्वेटर, बच्चों के वस्त्र, पीने का पानी, टॉर्च, बॉल पेन, रजाई, गद्दे, जूते और खाने-पीने का जरूरी सामान जैसे आटा, चावल, दाल, घी, तेल, इंडक्शन चूल्हे, कुकर, बर्तन आदि सामग्री पीड़ितों को उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा यह पहली राहत खेप है और शीघ्र ही दूसरी खेप भी भेजी जाएगी। संस्था द्वारा संचालित वृद्धाश्रम देवली (घागस), बिलासपुर से भी सामग्री पैक कर भेजी गई। ट्रस्ट ने इस कार्य में सहयोग देने वाले बिलासपुर जिले के सभी दानी सज्जनों व शुभचिंतकों का भी आभार व्यक्त किया है।

शिव भक्त होने के नाते, मणिमहेश यात्रा मार्ग को रखें स्वच्छ और सुंदर

विधायक डॉ. जनकराज ने श्रद्धालुओं से की योगदान की अपील, कल से शुरू होगी यात्रा

आरके सहगल, अनंत ज्ञान

चंबा। पांगी भरमौर के विधायक डॉ. जनकराज ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि हर-हर महादेव भगवान शिव की कृपा से हमें हर वर्ष पावन मणिमहेश यात्रा का अवसर मिलता है। यह यात्रा हमारी आस्था और प्रकृति दोनों का उत्सव है। लेकिन हाल के वर्षों में यात्रा मार्ग पर प्लास्टिक, बोतलें, रैपर और अन्य कचरा बहुत बढ़ गया है, जिससे न केवल प्राकृतिक सौंदर्य खराब हो रहा है, बल्कि पर्यावरण और स्थानीय जीव-जंतुओं को भी नुकसान पहुंच रहा है। महादेव प्रकृति के रक्षक हैं। क्या हम उनके पवित्र धाम को गंदा होते देख सकते हैं?

एक सच्चे शिव भक्त होने के नाते, यह हमारा कर्तव्य है कि हम मणिमहेश यात्रा मार्ग को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखें। इसी उद्देश्य से, 15 से 30 जुलाई तक मणिमहेश यात्रा मार्ग (हड़सर से मणिमहेश झील) पर सफाई अभियान आयोजित किया जा रहा है। हम सभी शिव भक्तों से निवेदन करते हैं कि इस अभियान में स्वयंसेवक के रूप में भाग लें। आप अपने परिवार, मित्रों या समूह के साथ जुड़ सकते हैं यह अभियान न केवल सेवा है, बल्कि सच्ची भक्ति भी है। स्वच्छ मणिमहेश, स्वच्छ आस्था! आइए, हम सब मिलकर महादेव के धाम की रक्षा करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुंदर बनाएं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें 7827097975 Email ID: manima-heshyatraw®wz@gmail .com व्यक्तिगत रूप से इस अभियान में भाग लेने के लिए इस फार्म को भरें।

हड़सर से डल झील तक चलेगा स्वच्छता अभियान

अनंत ज्ञान, चंबा। मणिमहेश यात्रा के आरंभ होने से पहले हड़सर से डल झील तक विशेष स्वच्छता अभियान चलेगा। इसके लिए 100 स्वयं सेवियों ने अपना पंजीकरण अब तक पंजीकरण करवा लिया है। 15 जुलाई से लेकर 30 जुलाई तक यह महा अभियान चलेगा। लिहाजा विधायक डॉ. जनकराज और एडीएम भरमौर कुलवीर सिंह राणा ने अभियान में स्थानीय लोगों और स्वयं सेवी संस्थाओं से अधिक से अधिक संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। एडीएम भरमौर कुलवीर सिंह राणा ने बताया कि अभियान में विश्व मानव रूहानी केंद्र के 50 स्वयं सेवी 15 दिनों तक यहां सेवाएं देंगे।

चंबा जिले के कॉलेजों में एएसएपी का गठन करेगी 'आप': सोनू

अनंत ज्ञान, चंबा। आम आदमी पार्टी अब चंबा जिला के युवाओं को संगठित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाने जा रही है। पार्टी के जिला अध्यक्ष सोनू ठाकुर ने घोषणा की कि जल्द ही जिले के सभी कॉलेजों में आम आदमी पार्टी अपने छात्र संगठन (एएसएपी) का गठन करेगी।

उन्होंने बताया कि एएसएपी का उद्देश्य कॉलेज स्तर पर छात्र हितों की रक्षा करना, शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आवाज उठाना और युवाओं को स्वच्छ, वैकल्पिक और जनहितकारी राजनीति से जोड़ना है। सोनू ठाकुर ने कहा कि चंबा के युवाओं को लंबे समय से अनदेखा किया गया है। अब वक्त है कि छात्र एकजुट होकर अपने अधिकारों और भविष्य के लिए खड़े हों। एएसएपी छात्रों की आवाज बनेगा और शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने का माध्यम बनेगा।

होटलों को लीज पर देने के निर्णय पर उठे सवाल आरएस बाली के समर्थन में उतरे मनीष सरीन

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के चेयरमैन आरएस बाली द्वारा राज्य सरकार के 14 घाटे में चल रहे होटलों को लीज पर देने के निर्णय की आलोचना के बाद अब इस मुद्दे पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस पूरे मामले में 2022 के विधानसभा प्रत्याशी मनीष सरीन खुलकर आरएस बाली के समर्थन में सामने आए हैं।

मनीष सरीन ने अपने बयान में कहा कि आरएस बाली एक दूरदर्शी और जनसेवी नेता हैं, जिनकी काबिलियत पर किसी भी प्रकार का संदेह नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब से आरएस बाली ने पर्यटन विभाग की जिम्मेदारी संभाली है, तब से विभाग में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं—चाहे वह राजस्व बढ़ाने की हो या एचपीटीडीसी को एक लाभदायक इकाई के रूप में स्थापित करने की।

उन्होंने कहा कि आरएस बाली जैसा सक्षम नेता राज्य में दूसरा नहीं है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कुछ लोग शायद उनके हालिया बयान को अलग नजरिये से पेश कर रहे हैं ताकि उनके और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी के बीच मतभेद का झूठा भ्रम पैदा किया जा सके। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास है और इसका उद्देश्य सही नहीं है।

मनीष सरीन ने यह भी माना कि पर्यटन विभाग फिलहाल एक 'एक्सपेरिमेंटल मोड' में है, और घाटे में चल रहे होटलों को निजी खिलाड़ियों को सौंपने का निर्णय एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। 'शायद आने वाले समय में यह प्रयोग फायदेमंद साबित हो, लेकिन आरएस बाली की सोच और समझ को नजरअंदाज करना उचित नहीं है। वह एक ऐसे नेता हैं जो दूर की सोचते हैं और उनके अनुभव का लाभ राज्य को मिलना चाहिए।' उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार एचपीटीडीसी को आर्थिक सहायता प्रदान करे, तो न केवल इन होटलों को पुनर्जीवित किया जा सकता है, बल्कि प्रदेश में नई पर्यटन परियोजनाएं भी खड़ी की जा सकती हैं। मनीष सरीन ने सरकार से अपील की कि आरएस बाली द्वारा सुझाए गए विशेष रिपोर्ट का इंतजार जरूर किया जाए, और उसके बाद ही कोई बड़ा निर्णय लिया जाए। उन्होंने आरएस बाली को हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए एक प्रतिबद्ध और प्रेरणादायक नेता बताया, जिनकी प्राथमिकता हमेशा जनता और प्रदेश का हित रहा है।

केशव ने इंसानियत की मिसाल पेश कर लौटाया खोया पर्स

अनंत ज्ञान, भरमौर

भरमौर के केशव ने ईमानदारी और इंसानियत की अद्भुत मिसाल पेश की है।

रविवार को जब वे दोपहर लगभग 2:30 बजे मां चामुंडा देवी के दर्शन के लिए चंबा शहर के सामने स्थित एक प्रमुख धार्मिक स्थल पर पहुंचे, तो वहां उन्हें मंदिर के बाईं ओर बैठी एक महिला का पर्स पड़ा मिला। काफी देर तक वह पर्स वहीं पड़ा रहा और जब किसी ने नहीं उठाया, तो केशव को संदेह हुआ। उन्होंने आस-पास बैठे श्रद्धालुओं और महिलाओं से जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन किसी ने भी पर्स अपना होने का दावा नहीं किया, जब कोई सामने नहीं आया, तो केशव ने साहस दिखाते हुए पर्स खोला। पर्स के अंदर एक वोटर आईडी कार्ड, दो स्टेट बैंक एटीएम कार्ड और 12,630 नकद राशि मौजूद थी।

उन्होंने तय किया कि यह पर्स उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाना उनका कर्तव्य है। पर्स में उपलब्ध विवरणों के आधार पर उन्होंने अपने दोस्तों की मदद से महिला के पति से संपर्क किया और पुष्टि के बाद उन्हें मंदिर बुलाया, वहीं केशव ने पूरी सतर्कता और सत्यापन के बाद नकद राशि, एटीएम और आईडी कार्ड उन्हें सौंप दिए। महिला और उनके पति ने केशव की ईमानदारी, जागरूकता और सजगता की सराहना की और यह भी अनुरोध किया कि उनकी पहचान सार्वजनिक न की जाए।

चुराह महोत्सव में अव्यवस्था से टूटा लोगों का सपना

अधिवक्ता मुकेश कुमार ने जताई गहरी नाराजगी, दूर-दूर से आए दर्शकों को लौटना पड़ा निराश

अनंत ज्ञान, चुराह

चुराह महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाली स्टार नाइट को लेकर जहां लोगों में भारी उत्साह था, वहीं शनिवार की रात को हुए घटनाक्रम ने हजारों दर्शकों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। कार्यक्रम शुरू होते ही आयोजन कमेटी की कुप्रबंधन और पुलिस की अनावश्यक सख्ती के चलते स्टार नाइट को बीच में ही रोक दिया गया, जिससे दूर-दूर से आए दर्शकों को निराश होकर लौटना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चुराह क्षेत्र के अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सही है कि आयोजन कमेटी से कुछ चूकें हुई, पर वे जानबूझकर नहीं थीं। उनका इरादा कतई यह नहीं था कि लोगों को निराश किया जाए। लेकिन सवाल ये उठता है कि इस सब में उन भोले-भाले आम नागरिकों की क्या गलती थी जो अपनी खुशियों के लिए वहां पहुंचे थे? मुकेश कुमार ने कार्यक्रम रद्द होने के लिए पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, क्या महोत्सव में आए हज़ारों लोग अपराधी थे? क्या उनका मनोरंजन करना कोई जुर्म था? सांस्कृतिक कार्यक्रम गांव-समाज की परंपरा और खुशियों का हिस्सा होते हैं। इनसे न केवल लोगों को सुकून मिलता है, बल्कि स्थानीय कारोबारियों को रोजगार भी मिलता है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, 'जब चुराह क्षेत्र में खुलेआम चिट्टा, भांग और नशे का कारोबार फल-फूल रहा है, तब पुलिस मौन रहती है। हमने जब नशे के विरुद्ध एक कार्यक्रम में एसएचओ साहब को आमंत्रित किया तो उनका जवाब था कि 'पांव में मेहंदी लगी है'। जब क्षेत्र की सड़कों पर गाड़ियों की तोड़फोड़ और चोरी हो रही होती है, तब कोई कठोर कदम नहीं उठाए जाते। लेकिन जैसे ही एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भीड़ उमड़ती है, पुलिस के भीतर का 'सिंघम' जाग जाता है।

मुकेश कुमार ने कहा कि प्रशासन को अपनी प्राथमिकताओं की समीक्षा करनी चाहिए। बढ़ते अपराधों पर कार्रवाई दिखावे तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सख्त कार्रवाई ज़रूरी है। वहीं आयोजन कमेटी को भी चाहिए कि वे सभी जरूरी अनुमति और व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में इस प्रकार की शर्मनाक स्थिति न उत्पन्न हो।

मनोरंजन व संस्कृति कोई अपराध नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम: मुकेश कुमार

मुकेश कुमार ने कहा कि मनोरंजन और संस्कृति कोई अपराध नहीं, बल्कि यह समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। पुलिस को नशे और अपराध पर सख्ती दिखानी चाहिए, न कि सांस्कृतिक आयोजनों पर। उन्होंने कहा कि अगली बार चुराह महोत्सव अपनी गरिमा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न होगा और लोगों की भावनाओं का भी सम्मान होगा। यह अपील करते हुए मुकेश कुमार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सुधार की मांग की है।

कहा- प्रशासन को अपनी प्राथमिकताओं की करनी चाहिए समीक्षा

साहो में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोप कर पर्यावरण के संरक्षण की ली शपथ

अनंत ज्ञान, साहो

आज साहो क्षेत्र में वन विभाग के सहयोग से प्रगतिशील संगठन 'साल घाटी' और 'पर्यावरण चेतना केंद्र' के पदाधिकारियों द्वारा वन महोत्सव बड़े उत्साह और पर्यावरणीय जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया, जिससे क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पर्यावरण प्रेमियों और समाजसेवियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प जताया। पदाधिकारियों ने बताया कि

पौधारोपण अभियान केवल एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि यह सतत प्रयासों की शुरुआत है।

स्थानीय लोगों की भागीदारी ने इस आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुआं स्कूल के बच्चों ने किया पौधरोपण

अनंत ज्ञान, धरवाला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गुआं के बच्चों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत भिन्न-भिन्न कार्य दिवसों में पौधारोपण किया स्कूल के इको क्लब इंचार्ज सिटटू राम ने बताया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने विश्व पर्यावरण दिवस के पुनीत अवसर पर 5 जून को बुद्ध जयंती पार्क में एक पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी जो

कि लगभग जुलाई के अंत तक चलेगा इस अभियान के अंतर्गत लगभग पूरे देश में 140 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है और स्कूल के बच्चे भी इस कार्यक्रम के तहत बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं और पौधारोपण कर रहे हैं जो कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम योगदान है तथा स्कूल के इको क्लब इंचार्ज ने उन सभी माताओं तथा बच्चों का धन्यवाद किया है जो इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं।

काल्पनिक गीत पर मांगी माफी

दशमी रावत, अनंत ज्ञान

रोहड़ू। स्व. लायक राम पर आधारित काल्पनिक घटनाओं को लेकर गाए गए गीतों पर विवाद के बाद नौ गायकों ने अपने-अपने गाने सोशल मीडिया से हटा लिए हैं, और परिवार से माफ़ी मांगी है। इन गायकों में बलदेव गाग, मनोज डोगरा, महेन्द्र चौहान, मोनिका भारद्वाज, अक्षु जिंटा, अरुण रस्तोगी, मोहित सेन, महेन्द्र नेगी और विपिन शामिल हैं। सभी ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने सुनी-सुनाई बातों के आधार पर बिना सच्चाई की जांच किए यह गीत गाए थे।

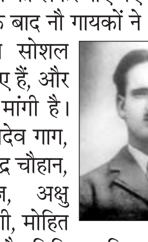

स्व. लायक राम के पोता विवेक मेहता ने जारी प्रेस बयान के माध्यम से बताया कि कलाकारों ने अपने बयानों और शपथपत्रों में कहा है कि जब उन्हें वास्तविक तथ्यों की जानकारी मिली और परिवार की आपत्ति सामने आई तो उन्होंने न केवल खेद व्यक्त किया है! बल्कि अपनी ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब व फेसबुक से संबंधित गानों को भी हटा दिया है।

बलदेव गाग ने तहसीलदार कार्यालय में शपथपत्र देते हुए कहा कि उन्हें इस बात का खेद रहेगा कि बिना सत्यता की पुष्टि किए उन्होंने ऐसा गीत गाया है। जिससे उस परिवार की भावनाएं आहत हुई है। इसी प्रकार मोनिका भारद्वाज, अरुण रस्तोगी व मोहित सेन ने भी शपथपत्र देकर सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया और परिवार से माफी मांगी है।

स्व. लायक राम के पोते विवेक मेहता ने बताया कि इन गीतों में गाई गई घटनाएं पूर्णतः काल्पनिक हैं। हर गायक ने अलग-अलग मनगढ़ंत कहानी जोड़कर तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा है। जबकि वास्तविकता यह है कि 20 नवम्बर 1953 को मास्टर लायक राम का ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उस समय पास में ही रहने वाले वैद्य लोकमणि ने प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की थी! तत्काल सूचना रोहड़ू में कार्यरत न्यायाधीश नारायण सिंह मेहता को भेजी गई, जो खुद उनके सगे चाचा थे । डॉक्टर बनर्जी जो उस समय रोहड़ू में चिकित्सा अदधिकारी थे, को तत्काल बुलाया गया। रास्ते में ही मास्टर लायक राम के निधन की सूचना मिली और फिर पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव झड़ग में हुआ! जहां स्कूल का पूरा स्टाफ, छात्र और प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

अब्बास भट्ठी को मिली अध्यक्ष की जिम्मेदारी

गुज्जर कल्याण सभा चंबा की बैठक अध्यक्ष हसन की अध्यक्षता में आयोजित

अनंत ज्ञान, चंबा

रविवार को गुज्जर कल्याण सभा चंबा की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष हसन दीन की अध्यक्षता में पल्यूर में आयोजित हुई जिसमें मुख्य रूप से कार्यकारणी विस्तार पर चर्चा करके नए सदस्यों को जोड़ा गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर ब्लॉक स्तर पर कमेटी गठित किया जाएगा।

चंबा ब्लॉक कमेटी का गठन किया गया, जिसमें अब्बास भट्टी को अध्यक्ष ओर मुहम्मद रफी कुरेना को महासचिव, बशीर भटटी को संयोजक ओर अल्लदित्ता को उपाध्यक्ष बनाया गया ब्लॉक कार्यकारणी का विस्तार भी शीघ्र ही किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समुदाय की विभिन्न मांगों को लेकर गुज्जर कल्याण सभा चम्बा का एक बड़ा डेपुटेशन सीएम से मिलेगा।

गुज्जर कल्याण सभा चंबा की कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करते अध्यक्ष हसन दीन व साथ में हैं अन्य।

आपदा प्रभावित बच्चों में दी जाएगी 'शिक्षा किट'

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद् ने मंडी जिले के सराज क्षेत्र में हाल ही में आई आपदा से प्रभावित और बेघर हुए स्कूली बच्चों की मदद के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। इस आपदा में जिन छात्रों ने अपने स्कूल बैग, कॉपियां, स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामग्री खो दी है, उन्हें ध्यान में रखते हुए परिषद् ने एक कदम शिक्षा की ओर नामक अभियान से 'शिक्षा किट' वितरित करने का निर्णय लिया है।

प्रथम चरण में, परिषद् 108 शिक्षा किट वितरित कर रही है। प्रत्येक किट में एक स्कूल बैग, 12 कॉपियां, एक ज्योमेट्री बॉक्स, स्केच पेन का एक पैकेट, पांच बॉल पेन, एक एचबी पेंसिल और पानी की एक स्टील की बोतल जैसी आवश्यक सामग्री शामिल है। हिमाचल राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद् के प्रदेशाध्यक्ष कमलकांत गौतम ने बताया कि यह नेक कार्य परिषद् के संरक्षक डॉ. मनोज शैल और वित्त सचिव लोकपाल की देखरेख में किया जा रहा है। जिसके लिए सामग्री मंडी में पहुंचनी शुरू हो गई है तथा किट बनाकर वितरित करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इस पहल में हिमाचल के संस्कृत शिक्षकों के अतिरिक्त अन्य संकायों के शिक्षक भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। परिषद् के प्रतिनिधि स्वयं इन शिक्षा किटों को जरूरतमंद छात्रों तक पहुंचाने के लिए मौके पर उपस्थित रहेंगे।

सूडोकु नवताल- 7490 (सरल)

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7489 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

अनंत ज्ञान — आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

सोमवार, 14 जुलाई 2025

विक्रमी संवत : 2082, **शक संवत :**1947 (विश्वासवसु), **मास :** अमांत आषाढ़, **तिथि** चतुर्थी (00:02) **: नक्षत्र** धनिष्ठा (06:50), **पक्षः** कृष्ण, **योग :** आयुष्मान (04:13), **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:59-12:54)। **राहुकाल** (07:15-08:59)।

विशेष दिन

- 14 जुलाई 2025: श्रावण वन सोमवार व्रत आज।
- 14 जुलाई 2025: महाकाल सवारी आज उज्जैन में।

मेषः मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर होगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृषः समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

मिथुनः हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग।

कर्कः कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

सिंहः मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

कन्याः अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबार में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

तुलाः काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर होगी।

वृश्चिकः पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

धनुः कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

मकरः आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

कुंभः खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

मीनः जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी।

कार्यालय पंचायत समुदायिक केंद्र नित्थर
विकास खंड निरमंड, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत नित्थर विकास खंड निरमंड जिला कुल्लू के अन्तर्गत विभिन्न विकास कार्यों हेतु वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतू आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहर बन्द निविदाएं आमंत्रित केवल मार्च 2026 तक की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 23/07/25 को 2:00 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। निविदाएं दिनांक 25/07/25 को 11:00 बजे के बाद ग्राम पंचायत की क्रय/निर्माण समिति व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय में खोली जानी है।

सामग्री का नामः- 1. रेत खान का बारीक, माध्यम व मोटा-प्रति घन मीटर/प्रति क्यूबिक फीट, 2. रेत (क्रेशर) 1 qity-प्रति घन मीटर/प्रति क्यूबिक फीट, 3. बजरी (क्रेशर) 15mm, 20mm, 4.पत्थर तोडान-प्रति घन फुट, 5. पत्थर ढुलान-प्रति घन फुट 6. एल्काथिन पाईप-प्रति घन फुट, 7. सीमेंट ढुलान गाड़ी द्वारा निरमंड से निथर (पंचायत क्षेत्र में विभिन्न जगह के लिए)-प्रति बैग/प्रति क्विंटल, 8. ईंट (2nd class)-प्रति ईंट, 9. शैटरिंग सामान-प्रति घन सी./स्केयर फुट, 10. GI पाईप हर प्रकार के (रैंड लाइन, बल्यु लाइन, यलो लाइन व सौकिट, यूनियन निपल, नलके-प्रति रनिंग मी./प्रति स्केयर फुट, 11. Gi शीट हर प्रकार की हर कवालटी-पर शीट किलोग्राम, 12. Pvc पाईप /HD पाईप सभी प्रकार के साईज हर कबालटी)- प्रति कि./प्रति मी., 13. इन्टलोक पेवर, सीमेंट टाईल्ज- प्रति स्केयर फुट/मी., 14. फर्श व दीवार टाईल्ज- प्रति स्केयर फुट/मी., 15. टोर सरिया स्टील 8mm, 10mm, 12mm, 16 mm- प्रति किलोग्राम, 16. लोहा एंगल व शीटें सभी प्रकार का साईज व मैश बाईर- प्रति किलोग्राम, 17. Rcc पाईप व 300mm, 450mm, 600mm,900mm- प्रति नम्बर, 18. इमारती लकड़ी व प्लाई हर प्रकार की कर सहित- प्रति घन फुट, 19. एल.ई.डी. बी.सी. इन्वल्टर, यू.पी.एस. कम्प्यूटर लैपटॉप हर प्रकार- प्रति न., 20. जे सी बी मशीन- प्रति घंटा, 21. CIB लोगो सहित (साईन बोर्ड लिखावट, निर्माण सहित लोहा व सीमेंट बोर्ड का (साईज 5*4, 3*4) व दीवार लेखन, पेंट- प्रति शब्द संख्या स्टक्चर सहित/प्रति स्केयर फुट, 22. बागवानी पौधे व जंगली पौधे- प्रति न.

नियम व शर्तेः- 1 . निविदा केवल पंजीकृत डाक द्वारा ही पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जाएगी। 2. पंजीकृत सप्लायर अपना पंजीकरण नंबर निविदा पर भरना सुनिशिचत करें तथा इसके साथ आर.सी. नंबर जी. एस.टी. सी.एस.टी. नंबर की छायाप्रति संलग्न करें। 3. सप्लाई की जाने वाली सामग्री की गुणवता सही होनी चाहिए। 4. कम दर वाली निविदा को ही मंजूरी दी जाएगी। 5 यदि सप्लायर द्वारा सही समय पर सामग्री नहीं दी जाती है अथवा अथवा सामग्री की गुणवता सही नहीं पाई जाती तो उस स्थिति में निविदा को रद करन का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाइ आदेश प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 6. सामग्री की दरें एक वर्ष के लिए वही रहेगी तथा सामग्री जहां तक वाहन योग्य सडक है वहां तक पीकप व टीप्पर से पंहुचा देनी होगी। 7. सप्लायर को खनन विभाग से हस्ताक्षरित X-Form या W-Form जमा करवाने होंगे। X-Form या W-Form उपलब्ध न करवाने की सूरत में निविदा को रद करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाई आदेश प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 8. सामग्री सप्लायर पंचायत प्रतिनिधियों का करीबी रिश्तेदार नहीं होना चाहिए। 9. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण, पैन संख्या, GST होना आवश्यक है। 10. सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग की स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी। 11. निर्माण सामग्री कार्यस्थल या जहां तक गाड़ी जाती है वहां उपलब्ध करवानी होगी। 12. निविदादाता को 30000/-रू. धरोहर/सुरक्षित राशि पंचायत के नाम जमा करवानी होगी। यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता उसकी अग्रिम सुरक्षित राशि वापिस नहीं होगी। 13. निविदादाता व समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदाताओं के लिए कार्य आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदा किसी भी समय रद करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा। 14. ग्राम पंचायत के स्पलाई आर्डर के अनुरूप ही स्पलाई स्वीकार की जाएगी। 15. दरों का उल्लेख करते समय TEX INCLUDED या EXCLUDED का उल्लेख करना भी आवश्यक है। 16. ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 17. सामग्री लेने का अन्तिम मूल्य/निर्णय विभाग की JUSTIFI-CATION पारित निविदादाता के साथ NEGOTIATION अनुसार उपरान्त किया जाएगा।18. निविविदादाता अपना मोबाइल नं. लिफाफे के बाहर लिखना सुनिश्चित करें। 19. नविविदा Form पंचायत कार्यालय से मु. 200/रूपए में प्राप्त करें 20.गाडी से सामग्री रेत, रोडी, व पत्थर उतारने से पहले ही पैमाईश की जाएगी ताकि प्रक्कलन अनुसार ही सामग्री दी जा सके ।

प्रधान/सचिव
ग्राम पचायत नित्थर, विकास खंड निरमंड, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

कार्यालय पंचायत समुदायिक केंद्र गमोग
विकास खंड निरमंड, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत गमोग विकास खंड निरमंड जिला कुल्लू के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों हेतू वर्ष 2025-26 के लिए विभित्र विकास कार्यों के निष्पादन हेतू आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित केवल मार्च 2026 तक की जाती है। निविदाएं दिनांक 20/07/25 को 5:00 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। निविदाएं दिनांक 22/07/25 को 11:00 बजे के बाद ग्राम पंचायत की क्रय/निर्माण समिति व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय में बोली जानी है।

सामग्री का नामः- 1.रेत खान का बारीक, माध्यम व मोटा स्थान-1 शरशाह मुहारला, 2. मरगी, बुजाधाच 3 गमोग फ्लैरवी, 4 डूमट, धातु ईश्वा, जझार, 5 बायाधर बांदल 6 कुटल- प्रति घन मीटर/प्रति क्यूविक फीट, 2. रेत (क्रेशर) 1 qity स्थान 1 शरशाह लुहारला, 2. मरगी, थुआथाच 3 गमोग फ्लैरवी, 4 डूमट घातु ईश्वा, जझार, 5 बायाधर, बांदल 6 कुटल- प्रति घन मीटर प्रति क्यूचिक फीट, 3. बजरी (क्रेशर) 15 mm, 20mm, स्थान 1 शरशाह लुहारला, 2 मरगी, थुआथाच 3 गमीग फ्लैरवी, 4 डूमट, घातु ईश्वा, जझार 5 बायाधर, बांदल 6 कुटल- प्रति घन मीटर/प्रति क्यूबिक फीट 4. पत्थर तोडान स्थान 1 शरशाह मुहारला, 2. मरनी, थुआथाच 3 गमोग फ्लैरवी, 4 डूमट, घातु ईश्वा, जझार, 5 बायाधर, बांदल 6 कुटल- प्रति घन फुट, 5. पत्थर ढुलान स्थान-1 शरशाह लुहारला, 2. मरगी, थुआथाच 3 गमोग फ्लैरवी, 4 डूमट, घातु ईश्वा, जझार, 5 बायाधर, बांदल 6 कुटल- प्रति घन फुट, 6. एल्काचिन पाईप- प्रति कि.ग्रा., 7. सीमेंट ढुलान गाड़ी द्वारा निरमंड से गमोग (पंचायत क्षेत्र में विभिन्न जगह के लिए) स्थान-1 शरशाह लुहारला, 2. मरगी, थुआथाच 3 गमोग फ्लैरवी, 4 डूमट, धातु ईश्वा, जझार, 5 बायाधर, बांदल 6 कुटल- प्रति बैग/प्रति क्विंटल, 8. ईंट (2nd class)-प्रति नं., 9. शैटरिंग सामान-प्रति घन मीटर/स्केयर फुट, 10. GI पाईप हर प्रकार के (रैड लाइन, बल्यु लाइन, यलो लाइन व सौकिट, यूनियन निपल, नलके- प्रति रनिंग मी./प्रति स्केयर फुट-प्रति नं., 11. GI शीट हर प्रकार की हर कबालटी- पर शीट किलोग्राम, 12. Pvc पाईप/HD पाईप सभी प्रकार के साईज हर कवालटी)-प्रति कि./प्रति मी., 13. इंटरलॉक पेवर, सीमेंट टाईल्ज- प्रति स्केयर फुट/मी., 14. फर्श व दीवार टाईल्ज-प्रति स्केयर फुट/मी., 15. टोर सरिया स्टील 8mm, 10mm, 12mm, 16mm- प्रति किलोग्राम, 16. लोहा एंगल व शीटें सभी प्रकार का साईज व मैश वाईर- प्रति किलोग्राम, 17. Rcc पाईप व 300mm, 450mm,600mm,900mm- प्रति नंबर, 18. इमारती लकड़ी व प्लाई हर प्रकार कि कर सहित- प्रति घन फुट, 19. एल.ई.डी. वी.सी. इन्वल्टर, यू.पी.एस. कम्प्यूटर लैपटॉप हर प्रकार- प्रति नं., 20. जे सी बी मशीन- प्रति घंटा, 21 CIB लोगो सहित (साईन बोर्ड लिखावट, निर्माण सहित लोहा व सीमेंट बोर्ड का (साईज 5*4,3*4) व दीवार लेखन, पेंट- प्रति शब्द संख्या स्टक्चर सहित/प्रति स्केयर फुट, 22. बागवानी पौधे व जंगली पौधे- प्रति नं.

नियम व शर्तेः- 1. निविदा केवल पंजीकृत डाक द्वारा ही पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जाएगी। 2. पंजीकृत सप्लायर अपना पंजीकरण नंबर निविदा पर भरना सुनिशिचत करें तथा इसके साथ आर.सी. नंबर जी. एस.टी. सी.एस.टी. नंबर की छायाप्रति संलग्न करें। 3. सप्लाई की जाने वाली सामग्री की गुणवता सही होनी चाहिए। 4. कम दर वाली निविदा को ही मंजूरी दी जाएगी। 5 यदि सप्लायर द्वारा सही समय पर सामग्री नहीं दी जाती है अथवा अथवा सामग्री की गुणवता सही नहीं पाई जाती तो उस स्थिति में निविदा को रद करन का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाइ आदेश प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 6. सामग्री की दरें एक वर्ष के लिए वही रहेगी तथा सामग्री जहां तक वाहन योग्य सडक है वहां तक पीकप व टीप्पर से पंहुचा देनी होगी। 7. सप्लायर को खनन विभाग से हस्ताक्षरित X-Form या W-Form जमा करवाने होंगे। X-Form या W-Form उपलब्ध न करवाने की सूरत में निविदा को रद करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत/गठित कमेटी का होगा तथा सप्लाई आदेश प्राथमिकता के आधार पर दूसरे सप्लायर को दिया जाएगा। 8. सामग्री सप्लायर पंचायत प्रतिनिधियों का करीबी रिश्तेदार नहीं होना चाहिए। 9. निविदादाता के पास अपना पंजीकरण, पैन संख्या, GST होना आवश्यक है। 10. सामग्री की आपूर्ति लोक निर्माण विभाग की स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होगी। 11. निर्माण सामग्री कार्यस्थल या जहां तक गाड़ी जाती है वहां उपलब्ध करवानी होगी। 12. निविदादाता को 30000/-रू. धरोहर/सुरक्षित राशि पंचायत के नाम जमा करवानी होगी। यदि सामग्री आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता उसकी अग्रिम सुरक्षित राशि वापिस नहीं होगी। 13. निविदादाता व समान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदाताओं के लिए कार्य आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवता के चयन तथा निविदा किसी भी समय रद करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा। 14. ग्राम पंचायत के स्पलाई आर्डर के अनुरूप ही स्पलाई स्वीकार की जाएगी। 15. दरों का उल्लेख करते समय TEX INCLUDED या EXCLUDED का उल्लेख करना भी आवश्यक है। 16. ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्राधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 17. सामग्री लेने का अन्तिम मूल्य/निर्णय विभाग की JUSTIFI-CATION पारित निविदादाता के साथ NEGOTIATION अनुसार उपरान्त किया जाएगा।18. निविविदादाता अपना मोबाइल नं. लिफाफे के बाहर लिखना सुनिश्चित करें। 19. नविविदा Form पंचायत कार्यालय से मु. 200/रूपए में प्राप्त करें 20.गाडी से सामग्री रेत, रोडी, व पत्थर उतारने से पहले ही पैमाईश की जाएगी ताकि प्रक्कलन अनुसार ही सामग्री दी जा सके ।

प्रधान/सचिव
ग्राम पचायत गमोग, विकास खंड निरमंड, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

‘ **इंसान** को मुश्किलों की जरूरत पड़ती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये मुश्किलें बहुत जरूरी हैं। – **एपीजे अब्दुल कलाम**

संपादकीय

निर्माण के लालच ने बढ़ाया कहर

हिमाचल प्रदेश की धरती इस बार मानसून के आगमन के साथ ही कहर की चपेट में आ गई है। मात्र 23 दिनों में इस खूबसूरत पहाड़ी राज्य को 752 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। 20 जून से शुरू हुए मानसून ने प्रदेश के लिए मौत और बर्बादी का पैगाम लेकर आया है। जहां एक ओर 95 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, वहीं 33 लोग अब भी लापता हैं। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटना और सड़कों के टूटने जैसी घटनाओं ने प्रदेश के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। प्रदेशभर में अभी भी 252 सड़कें बंद हैं, जिनमें से कई मुख्य मार्ग हैं जो जनसंचार की जीवन रेखा हैं। इन सड़कों की बहाली में भारी मशीनरी और श्रमिकों की तैनाती के बावजूद हालात सामान्य होते नहीं दिख रहे। पहाड़ी ढांचों पर लगातार हो रहे निर्माण और अनियंत्रित विकास ने सड़कों की स्थायित्व क्षमता को काफी कमजोर कर दिया है। जलधाराओं के पास बने पुल, भवन और सड़कें एक के बाद एक टूटती जा रही हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि समस्या केवल बारिश की नहीं, हमारी नीतियों और नीयत की भी है।

लोक निर्माण विभाग ने मानसून के दौरान हुए भारी नुकसान का अध्ययन किया है और उसकी रिपोर्ट बेहद चौंकाने वाली है। विभाग के अनुसार इस तबाही के लिए सबसे बड़ा कारण नदी-नालों और खड्डों के किनारे हुआ बेतरतीब निर्माण है। जिन स्थानों पर सबसे अधिक क्षति हुई है, वहां जलधाराओं के किनारे घर, दुकानें, होटल, सड़कें और अन्य निर्माण कार्य किए गए थे। जब पानी ने अपना पुराना रास्ता तलाशा तो वह सारे कृत्रिम अवरोध बहा ले गया। इस स्थिति को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है कि राज्य में किसी भी जलधारा के 100 मीटर के भीतर कोई भी निर्माण पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाए। विभाग का कहना है कि जब तक इस प्रस्ताव को कानूनीजामा नहीं पहनाया जाता, तब तक ऐसी त्रासदियां होती रहेंगी। हालांकि कई विशेषज्ञों का मानना है कि 100 मीटर भी पर्याप्त नहीं है और कम से कम 500 मीटर की परिधि तक निर्माण पर रोक होनी चाहिए। विशेष रूप से मंडी जिले के 17 क्षेत्रों में जो बादल फटे, वहां तबाही का स्तर इतना अधिक था कि 100 मीटर की दूरी भी जान बचाने के लिए काफी नहीं रही।

मंडी जिला इस मानसून सीजन में सबसे अधिक प्रभावित रहा। थुनाग और जंजैहली जैसे इलाके जलप्रलय की त्रासदी झेल चुके हैं। यहां पर नदी-नालों के किनारे किए गए अतिक्रमण और निर्माण को ही अधिकांश जान-माल के नुकसान का कारण माना जा रहा है। बहुत से मकान ऐसे थे जिन्हें वर्षा ऋतु में जोखिमयुक्त क्षेत्र घोषित किया गया था, फिर भी लोग वहां निवास कर रहे थे। शासन और प्रशासन की ओर से चेतावनी देने के बावजूद इन स्थानों पर न तो निर्माण रुका और न ही लोगों का लालच। यह बात अब स्पष्ट होती जा रही है कि सरकार की नीतियों से ज्यादा, लोगों की अनदेखी और लालच इस तबाही के लिए जिम्मेदार है। खड्डों, नालों और दरियाओं को पाटकर बनाए गए मकान, होटल और दुकानें जब बहती हैं, तो लोग सरकार को दोष देते हैं। यह समझना जरूरी है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ का अंत विनाश ही होता है। अब वक्त आ गया है कि लोग स्वयं चेतें और अतिक्रमण को रोकें।

लोगों को समझना होगा कि प्रशासन हर जगह नहीं पहुंच सकता, लेकिन यदि व्यक्ति स्वयं अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है। जहां पानी था, वहां पानी फिर आएगा, इस प्राकृतिक सत्य को झुठलाया नहीं जा सकता। यदि हम जलधाराओं की भूमि पर कब्जा करेंगे, तो एक दिन वही पानी हमें अपने साथ बहा ले जाएगा। अब यह प्रस्ताव हिमाचल सरकार के मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा और उम्मीद है कि सरकार इस पर शीघ्र निर्णय लेगी, लेकिन केवल कानून बनाना काफी नहीं होगा। जरूरत है कड़े अमल की, समयबद्ध कार्ययोजना की और जन-जागरूकता की।

जिस प्रकार पर्यावरणीय मंजूरी के बिना उद्योग या सड़क परियोजना की इजाजत नहीं मिलती, उसी प्रकार जलधाराओं के समीप निर्माण के लिए स्पष्ट तकनीकी और पर्यावरणीय मानक तय होने चाहिए। भविष्य में किसी भी निर्माण को लेकर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वह बाढ़, भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम से कितना सुरक्षित है। साथ ही पुराने निर्माणों का भी मूल्यांकन करके जरूरी हो तो उन्हें हटाया जाना चाहिए। हिमाचल प्रदेश के लिए यह मानसून एक ऐसी चेतावनी है जो प्रकृति ने स्पष्ट शब्दों में ब्यां कर दी है। हम अब भी नहीं चेते, तो अगली बार नुकसान और बड़ा हो सकता है। सरकार को चाहिए कि वह सख्त कानून बनाकर उन्हें सख्ती से लागू करे और जनता को चाहिए कि वह अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक भलाई को प्राथमिकता दे। अगर हम अब भी लालच और अज्ञानता में बहते रहे, तो न केवल हमारी संपत्ति, बल्कि हमारी पीढ़ियां भी इस भूल का खामियाजा भुगतेंगी। याद रखें, प्रकृति क्षमा नहीं करती। इतनी भयावह तबाही देखने के बाद भी यदि हम नहीं सुधरे, तो शायद हमें कोई नहीं बचा सकत न सरकार, न प्रशासन और न भगवान। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

राष्ट्र भक्त, स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार

देशबंधु गुप्त प्रसिद्ध राष्ट्र भक्त, स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार थे। अपने विद्यार्थी जीवन में ही देशबंधु गुप्त राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े थे। उनसे प्रभावित होकर ही लाला लाजपत राय ने उन्हें अपने साथ ले लिया था। गुप्त जी में संगठन करने की बड़ी क्षमता थी। वर्ष 1942 में ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया गया और फिर 1945 में ही ये जेल से बाहर आ सके। एक पत्रकार के रूप में भी देशबंधु गुप्त जाने जाते थे। फिर वे नगरपालिका के स्कूल और अंबाला के ‘आर्य वैदिक हाईस्कूल’ में भर्ती हुए। देशबंधु गुप्त ने उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली के ‘हिंदू कॉलेज’ में प्रवेश लिया। यह उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ था। जब गुप्त जी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, तब उसी अवधि में कई इतिहास प्रसिद्ध घटनाएं घटीं। महात्मा गांधी के नेतृत्व में रॉलेट एक्ट के विरोध में पहला व्यापक आंदोलन चला। जलियांवाला बाग में भीषण हत्याकांड हुआ और भारत की प्रबुद्ध जनता ने एक स्वर से ब्रिटिश राजकुमार की भारत-यात्रा का विरोध किया। दुर्भाग्य से वर्ष 1951 में एक विमान दुर्घटना में देशबंधु गुप्त का देहांत हो गया। यदि यह विमान दुर्घटना न घटी होती तो वही दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री बने होते। ■

देशबंधु गुप्त
जन्म :14 जुलाई, 1900
मृत्यु : 1951

कविता

लाचार

अनिल शर्मा नील, निचली भटेड़, बिलासपुर (हि. प्र.)

खेत बह गए, खलिहान बह गए,
बहते देख वाहन अपने,
आदमी मचाता रहा बहुत, चीख पुकार।

पेड़ काट दिए, नदी नालों से रेत पत्थर ले गए,
बढ़ने लगा तापमान, पिघलने लगे ग्लेशियर,
खतरे में पड़ गए पहाड़ ।

नदी नाले उफन रहे हैं, पहाड़ दरक रहे हैं,
चीख रहा है आदमी, भाग रहा है जान बचाने,
हुआ कैसा लाचार?

सड़कें फोरलेन टूट गई, बिजली गुल हो गई,
जमींदोज हो गए घर मकान,
हक्का बक्का आदमी, भगवान पे लगा रहा इल्जाम।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

मानसून त्रासदी की भयावहता और मानवीय पीड़ा

विनाश की वह रात कभी नहीं भूल सकती जब हिमाचल में आसमान से कहर बरपा था। 2025 के मानसून सीजन ने एक बार फिर हिमाचल प्रदेश को घुटनों पर ला दिया है। 30 जून की रात राज्य के इतिहास की सबसे भयावह त्रासदियों में से एक है। इसे शताब्दी की सबसे बड़ी तबाही कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। बादल फटने और मूसलाधार बारिश ने ऐसा कहर ढाया कि पूरा प्रदेश थर्रा उठा। एक ही रात में हिमाचल में 17 स्थानों पर बादल फटे, जिससे अब तक 95 लोगों की असमय मौत हो चुकी है 33 अभी भी लापता हैं। हिमाचल में इतनी बड़ी तादाद में पहले बादल कभी नहीं फटे थे। यह शोध का विषय है कि आखिर इसके पीछे वजह क्या रही होगी? अकेले मंडी जिले के सराज घाटी क्षेत्र में 15 स्थानों पर बादल फटे। उसी रात कुल्लू और किन्नौर में भी बादल फटे थे। हालांकि, इसके बाद भी चंबा के चुराह और मंडी की चौहार घाटी में भी बादल फटे हैं। अभी बरसात करीबन 2 महीने और होनी है, न जाने आगे क्या होगा? लोगों का दिल डर से बैठा जा रहा है। हर कोई अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

न खाना, न कोई ठिकाना : 30 जून की रात हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए एक ऐसी भयावह स्मृति बनकर रह गई है, जिसे शायद आने वाले दशकों तक भुला पाना संभव नहीं होगा। रात के लगभग 11:30 बजे जब लोग दिनभर की थकान के बाद गहरी नींद में सोए हुए थे, तब प्रकृति ने ऐसा विकराल रूप धारण किया कि सारा प्रदेश सिहर उठा। यह सब इतना अचानक और तेजी से हुआ कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। जब तक लोग जागते, तब तक उनका संसार उजड़ चुका था। पहाड़ों से मूसलाधार पानी के साथ मलबे की बाढ़ आई, जो सब कुछ अपने साथ बहा ले गई। यह कहर ऐसा था जैसे आसमान से बिजली गिरी हो। भारी बारिश के बीच अचानक बादल फटे और चारों ओर तबाही मच गई। देखते ही देखते मिट्टी, पत्थर और टनों के हिसाब से मलबे की लहरें गांवों की ओर बढ़ने लगीं। चीख-पुकार सुनकर जब तक लोग उठे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। किसी के मकान जमींदोज हो चुके थे, किसी के परिजन मलबे के नीचे दब चुके थे। एक-दूसरे को बचाने की जद्दोजहद के बीच मदद की गुहारों से पूरी घाटी गूंज उठी थी। हर ओर सिर्फ अराजकता, अव्यवस्था और विनाश का मंजर था। आंखों के सामने तीन-चार मंजिला पक्के मकान ऐसे ढह गए जैसे वे कभी खड़े ही नहीं थे। जगह-जगह गोशालाएं ढह गईं, मवेशी बहकर या दबकर मर गए, और खेतों में खड़ी फसलें कीचड़ में मिल गईं। सराज घाटी, जिसे हिमाचल की बागवानी का समृद्ध क्षेत्र माना जाता है, बर्बादी की पराकाष्ठा झेल रहा है। यहां के लोग कभी सेब की पैदावार से खुशहाल जीवन जीते थे। आलीशान मकान, आधुनिक सुविधाएं और आर्थिक आत्मनिर्भरता थी, लेकिन अब सब कुछ चकनाचूर हो गया है। सेब के बागान, जिन पर वर्षों की मेहनत और लाखों रुपए खर्च किए गए थे, पूरी तरह उजड़ चुके हैं। अब न तो कमाई का कोई साधन बचा है, न रहने की जगह।

इस त्रासदी में न केवल मकान और संपत्ति उजड़े हैं, बल्कि लोगों के सपने, उम्मीदें और आत्मविश्वास भी टूट गया है। बच्चों की किताबें, स्कूल बैग, खिलौने और तस्वीरें भी कीचड़ और मलबे के नीचे दब चुकी हैं। लोग अब सिर्फ तन पर पहने हुए कपड़ों के सहारे हैं। उनके पास न खाना है न छत और न कोई ठिकाना।

यथार्थ

समरजीत

प्रकृति की चेतावनी या मानवीय भूल?: त्रासदी के बाद एक सवाल सबके मन में कौंध रहा है कि क्या यह केवल प्राकृतिक आपदा थी या मानव निर्मित विनाश का नतीजा? विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों की मानें तो यह त्रासदी एक लंबे समय से चली आ रही लापरवाह विकास नीति का परिणाम है। नालों के किनारे अवैज्ञानिक तरीके से बनाए गए घर, पहाड़ियों की अंधाधुंध कटाई और अनियोजित निर्माण कार्यों ने इस त्रासदी को और घातक बना दिया। राज्य में कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन निर्माण को लेकर कोई भी सरकार सख्त नीति नहीं बना पाई। यही कारण है कि हरे-भरे पहाड़ अब कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुके हैं और हर साल मानसून का कहर लोगों पर टूटता ही जा रहा है।

वह विचित्र संयोग : इस भयावह आपदा में एक बात ने पूरे हिमाचल को चौंकाकर रख दिया कि जहां-जहां मंदिर थे, वे लगभग पूरी तरह सुरक्षित रहे, जबकि उनके इर्द-गिर्द बने आवासीय घर पूरी तरह से तबाह हो गए। मलबे के ढेरों के बीच जब लोगों ने मंदिरों को अक्षुण्ण अवस्था में खड़ा देखा, तो आश्चर्य के साथ भय और आस्था का मिश्रित भाव भी उत्पन्न हुआ। लोग इसे ईश्वर की मर्जी और देवी-देवताओं की कृपा मान रहे हैं। कई ग्रामीण इस आपदा को दैवीय प्रकोप कहे रहे हैं जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने चेतावनी दी हो कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ की सजा मिलनी ही थी। शायद यह संकेत है कि इंसान ने अपने लालच में प्राकृतिक नियमों को तोड़ा है और अब प्रकृति अपने संतुलन की मांग कर रही है, लेकिन इस पूरे रहस्य को केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित करना वास्तविकता से मुंह मोड़ना होगा। वैज्ञानिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से देखें तो मंदिरों की बचाव की वजहें कहीं अधिक व्यावहारिक हैं।

तबाही के बाद की तस्वीर : बादल फटने की त्रासदी के बाद अब हिमाचल प्रदेश, विशेष रूप से मंडी की सराज घाटी, सबसे गंभीर संकट जीवन की बहाली से जूझ रही है। इसके घाव इतने गहरे हैं कि सालों तक भर नहीं पाएंगे। प्रदेश में अभी भी 252 सड़कें ठप पड़ी हैं, जिससे राहत और पुनर्वास कार्यों में बाधा आ रही है। सरकार ने नुकसान का प्रारंभिक आकलन 752 करोड़ रुपए से ज्यादा आंका है। कई लोगों की जमीन तक बह गई या भूस्खलन में समा गई, जिससे अब उनके पास न तो सिर छुपाने की छत है और न ही दोबारा निर्माण के लिए जमीन। लोग अब सरकारी मदद, राहत टेंट और राशन पर निर्भर हैं। सर्दियों के आगमन से पहले यदि स्थायी या अस्थायी आश्रय नहीं बनते, तो ये लोग ठंड, बर्फबारी और बीमारी से भी जूझने को विवश होंगे। सराज घाटी की तकरीबन 80 हजार आबादी इस समय खाद्यान्न संकट का सामना कर रही है। स्थानीय दुकानों में स्टॉक खत्म हो चुका है। जिन किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं, वे अब स्वयं भी भोजन के लिए सरकार की तरफ देख रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पीने के पानी की किल्लत, बिजली की आपूर्ति में रुकावट, मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं का बाधित होना आम जनजीवन को और मुश्किल बना रहा है। जिन क्षेत्रों में राहत शिविर लगाए गए हैं, वहां भी सुविधाएं सीमित हैं।

प्रशासन की भूमिका और सियासी पहल : हिमाचल सरकार ने आपदा के तुरंत बाद राहत कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किए हुए हैं। प्रभावितों को 5000 रुपए मासिक किराया सहायता देने का ऐलान किया गया। सराज घाटी के लिए 7 करोड़ की विशेष वित्तीय सहायता दी गई। सरकार ने नदी-नालों से 100 मीटर दूर तक निर्माण पर रोक लगाने और राज्य आपदा प्रबंधन संस्थान खोलने की घोषणा भी की। इसके अलावा ‘वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी’ लाने की बात भी कही गई है, ताकि पुनर्वास कार्य तेजी से हो सकें। त्रासदी के बीच खास बात यह रही कि इस बार राजनीतिक पार्टियां विशेषकर कांग्रेस और भाजपा एकजुट दिखीं। दोनों ने केंद्र से सहायता दिलवाने का संकल्प लिया है और संयुक्त रूप से राहत के प्रयास किए जा रहे हैं, परंतु एक कटु सच्चाई यह भी है कि 2023 की आपदा से हुए नुकसान के लिए हिमाचल को मात्र अभी 2006 करोड़ रुपए की ही आर्थिक सहायता मिल पाई है, वह भी दो साल की देरी के बाद। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नई आपदा में मदद कितनी जल्दी और कितनी मिलेगी?

बचपन पर भी कहर : हिमाचल की इस त्रासदी का सबसे मार्मिक और दिल दहला देने वाला पहलू है बच्चों की असहाय स्थिति। जब घर ढहे, खेत बहे और जीवन थम सा गया, तब सबसे ज्यादा असुरक्षित और हताश दिखाई दिए ये मासूम चेहरे। कई बच्चे ऐसे हैं जिनके माता-पिता या तो मारे गए या अभी तक लापता हैं। कई बच्चों की किताबें, बस्ते, यूनिफॉर्म और स्टेशनरी बह गई है। कुछ के पास पहनने के लिए कपड़े भी नहीं बचे हैं, तो शिक्षा की बात करना खुद में एक बड़ी चुनौती है। पढ़ाई का नुकसान तो हुआ ही है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा गहरा आघात उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर पड़ा है। जिन बच्चों ने अपने परिवार को टूटते, बहते या दबते देखा है, उनके मन में डर और अवसाद की गहरी छाप है। सरकार ने मनोवैज्ञानिकों की टीम आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भेजी है, जो इन बच्चों की काउंसिलिंग कर रही है। स्थायी समाधान के लिए इन बच्चों को दीर्घकालिक पुनर्वास, समुचित शिक्षा सुविधाएं और विशेष शैक्षणिक सहयोग की जरूरत है। सरकार और शिक्षा विभाग को चाहिए कि इन छात्रों के लिए पढ़ाई का विशेष समय निर्धारित करें, कोर्स को यथासंभव सरल बनाया जाए और परीक्षा की तैयारी के लिए अतिरिक्त सहायता दी जाए।

क्या यह अंत है या चेतावनी? : यह त्रासदी न केवल हिमाचल के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी है। क्या हम जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास और प्रकृति के दोहन के गंभीर परिणामों को अब भी अनदेखा करेंगे? इस त्रासदी ने यह साफ कर दिया है कि हिमाचल को अब आपदा सहिष्णु विकास की ओर बढ़ना होगा। सरकार को चाहिए कि प्रदेश में भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण आधारित निर्माण नीति लागू की जाए। भूस्खलन जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहां निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। स्थानीय स्तर पर चेतावनी और प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत किया जाए सामुदायिक आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण को पंचायत स्तर पर अनिवार्य किया जाए। पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) को सख्ती से लागू किया जाए।

नया रास्ता, नई सोच : सराज घाटी, जो कभी वैभव का प्रतीक थी, आज अपने पुनर्निर्माण की बाट जोह रही है, लेकिन यह पुनर्निर्माण केवल ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि बेहतर नीति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवीय संवेदना से ही संभव हो सकता है। सरकार, समाज और व्यक्ति सभी को मिलकर दोबारा उठ खड़े होने के लिए यह संकल्प लेना होगा कि अब हम प्रकृति के साथ जिएंगे, उसके खिलाफ नहीं। त्रासदी ने हमें झकझोरा है, लेकिन यही समय है खुद को, अपनी सोच और अपनी योजनाओं को फिर से गढ़ने का।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

विदेशी संस्कृतियों से प्रभावित होती भारतीय ‘नारी’

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन एवं सर्वाधिक समृद्ध संस्कृति है। यद्यपि विश्व में सभी धर्मों एवं संस्कृतियों में नारी को उच्च स्थान दिया गया है फिर भी अन्य देशों की तुलना में भारत में पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में ‘नारी’ की स्थिति अत्यंत गौरवप्रद है। ‘नारी’ की स्थिति से किसी देश और समाज के सांस्कृतिक और बौद्धिक स्तर का पता चलता है। जिस देश में धर्म, समाज और पुरुष के नियमों में नारी को बांधकर रखा जाता है उस देश और समाज की स्थिति बदतर मानी जाती है। ‘नारी’ संपूर्ण मानवता की भी जन्मदात्री है, क्योंकि मानवता के आधार के रूप में प्रतिष्ठित संपूर्ण सदगुणों की वही जननी है। संसार को आगे चलाने के लिए ‘नारी’ का आदर्श होना अत्यंत आवश्यक है।

राजीव कुमार ‘राज’
स्वतंत्र टिप्पणीकार

‘अर्थववेद’ में कहा गया है –‘यस्य नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता’ अर्थात जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। यही कारण है कि भारत में प्राचीन काल से ही नर का यह प्रयास रहा कि वह ‘नारी’ की गरिमा को अक्षुण बनाए रखे। वह जानता है कि यदि दवाया-सताया न जाए और समान रूप से विकसित होने का अवसर प्राप्त हो तो मानवीय सत्ता के दोनों पक्ष (नर और नारी) समान रूप से समुन्नत होंगे। यद्यपि प्राकृतिक रूप से नर और नारी के मध्य कुछ शारीरिक और मानसिक भिन्नताएं हैं, किंतु यह केवल एक-दूसरे के पक्ष की कमी को पूरा करने के लिए हैं। इसके कारण किसी पक्ष को छोटा या बड़ा नहीं ठहराया जा सकता। ‘शतपथ ब्राह्मण’ में कहा गया है कि ‘नारी’, नर की आत्मा का आधा भाग है’ अर्थात दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। नारी की संरचना उदारता, करुणा, ममता, श्रद्धा, सेवा जैसे महान आध्यात्मिक तत्वों की बहुलता सहित हुई है जिसके कारण उसे देवी की संज्ञा दी गई है। यही कारण है कि प्राचीन काल से लेकर कुछ वर्ष पहले तक भारत में नारी के नाम के साथ ‘देवी’ शब्द जोड़ने का प्रचलन था, जिससे नारी सत्ता की गरिमा का सहज बोध होता था, किंतु आज यह आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है।

ऐतिहासिक दृष्टि से, प्रत्येक कालखंड में प्राचीन काल से लेकर, मध्यकाल होते हुए आधुनिक काल तक भारत में एक लंबी श्रृंखला के रूप में महान विदूषी नारियां अपनी विशेषताओं के कारण विश्वविख्यात रही हैं, यदि हम वर्तमान समय की ‘नारी’ की बात करें तो ‘आज की नारी’ हर क्षेत्र में अपना सर्वोच्च दे रही है। आज प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, संगीत, कला, विज्ञान, चिकित्सा, कृषि, व्यवसाय, राजनीति, खेल, मीडिया और युद्ध सहित

विविध विधाओं में अपनी कुशलता एवं गुणवत्ता सिद्ध करते हुए, प्रत्येक प्राप्त दायित्व एवं पद को संभालकर उसे सुशोभित कर रही है। परिवार व करियर, दोनों के मध्य तालमेल बैठाती आज की नारी से हर क्षेत्र प्रकाशवान हो रहा है।

परंपरागत रूप से प्राप्त मां, बहन, बेटी, गृहिणी, पत्नी, साध्वी आदि आयामों के साथ ही भाभी, सखी और शिक्षिका जैसे नए आयाम इसके साथ और जुड़े हैं। निश्चित रूप से नारी ही संस्कृति की सच्ची संवाहिका का होती है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में अचार-विचार, रीति-रिवाज, खान-पान, आध्यात्मिकता, मानवीय मूल्य, संस्कार, पहनावा, अच्छी आदतें आदि नारी के माध्यम से ही हस्तांतरित होते हैं। विरासत से सीखी-समझी, संस्कारों का अद्भुत ढंग से अनुपालन करने वाली अनेक सुशील और उच्च पदों पर आसीन नारियों को हम आज विविध स्थानों पर देख सकते हैं, उनसे आदर्श ग्रहण कर सकते हैं। इसके साथ ही यंत्र-तंत्र ऐसी नारियों की भी कमी नहीं है जो विदेशी संस्कृति का अंधानुकरण करते हुए, पतित होती हुई, अपनी संस्कृति का हनन करने पर तुली हुई हैं। पाश्चात्य संस्कृति के मोहपाश में अपना विवेक खो बैठीं यह तथाकथित आधुनिक नारियां समस्त नारी लोक में कलंकित हैं।

मेरठ की मुस्कान, गढ़वा (झारखंड) की सुनीता देवी, गिरीहीड की सोनिया खातून, अलवर (राजस्थान) की अनीता राज, मेरठ की कविता राज और इंदौर की सोनम रघुवंशी इत्यादि। जिन्होंने अपने पति को मारने में किसी गैर-मर्द यानी प्रेमी या अन्य का सहारा लिया। यदि हम अपुष्ट आंकड़ों की बात करें तो प्रतिवर्ष देशभर में औसतन 225 पतियों की हत्या, उनकी पत्नियों द्वारा कर दी जाती है। परिणामस्वरूप आज का युवा ‘विवाह’ नामक पवित्र संस्था को शंका की दृष्टि से देखने लगा है, उसके अंत:करण में एक अनजाना-सा भय व्याप्त रहने लगा है।

दुर्भाग्य से नारी का यह रूप देश के उच्च संभ्रांत परिवारों से लेकर मध्य एवं निम्न वर्गीय परिवारों में भी देखने को मिल रहा है। यह आधुनिक नारी की, स्वयं की उपादेयता पर आज एक बड़ा प्रश्न चिह्न है। अंत में, ‘नारी’ शब्द में इतनी ऊर्जा है कि इसका उच्चारण मात्र ही मन-मस्तिष्क को झंकृत कर देता है। मातृत्व का गौरव प्राप्त इसकी अनूठी प्राकृतिक रचना अपने लाल रक्त को श्वेत दूध के रूप में बदलकर परिपुष्ट करने की है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में ‘नर’ की तुलना में तत्व दर्शियों ने ‘नारी’ को अत्यंत उच्च स्थान दिया है।

इतिहास-पुराणों का प्रत्येक पृष्ठ इसका साक्षी है। आज का युग परिवर्तन का युग है। अत: नारी की दशा एवं दिशा में भी बहुत अधिक परिवर्तन हुआ है। आज आधुनिक शिक्षा एवं विदेशी संस्कृति के बहकावे में आकर नारी को अपने ‘नारीत्व के बलिदान’ से बचना होगा। आज यदि मानव और मानवता का अस्तित्व बचाना है तो पूर्व की भांति केंद्रीय भूमिका में नारी की गौरवमयी प्रतिष्ठा पुन: स्थापित करनी होगी और इसके लिए नारी को ही स्वयं आगे आकर, इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार करना होगा अर्थात भारतीय नारी को आज के चुनौतीपूर्ण वातावरण में अपनी सभ्यता और संस्कृति की परिधि में, समाधान की ओर अग्रसर होना होगा। और यही भारतीय संस्कृति तथा समय की मांग है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

समाज में बढ़ती जा रही साइलेंट डिवोर्स की समस्या

हमारे समाज में न सिर्फ सोशल मीडिया का दौर बढ़ा है, बल्कि बहुत सारी समस्याएं भी बढ़ी हैं, जिनमें साइलेंट डिवोर्स यानी मौन तलाक (विवाह विच्छेद) की समस्या भी शामिल है। शायद आप इस समस्या को पहली बार सुन रहे होंगे या सोशल मीडिया पर किसी रील में आपने इस समस्या के बारे में सुना होगा। इन दिनों मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में साइलेंट डिवोर्स पर खूब चर्चा हो रही है।

दीपक कोहली
स्वतंत्र लेखक

चलिए हम आपको बताते हैं कि साइलेंट डिवोर्स यानी मौन तलाक या मौन विवाह विच्छेद क्या होता है! यह समस्या उन पति-पत्नी (जोड़ों) के बीच दिखाई देती है, जो कानूनी और सामाजिक रूप से रहते तो साथ में हैं, मगर भावनात्मक, शारीरिक और अंतरंगता के रूप से अलग हो चुके होते हैं। इतना ही नहीं, बल्कि रिश्तों में संवाद तक की गुंजाइश खत्म हो चुकी होती है। फिर भी सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक वजहों से कानूनी रूप से अलग नहीं होते हैं। इस स्थिति में दोनों लोग एक घर में तो रहते हैं, मगर दोनों अपने जीवन को अपने-अपने अनुसार अलग-अलग तरीके से जीते हैं। साइलेंट डिवोर्स के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ कारण निम्न प्रकार हैं –

आपस में संवाद या बातचीत की कमी होना और एक-दूसरे से विचारों को आपस में साझा नहीं करना। भावनात्मक एवं शारीरिक दूरी का लगातार बढ़ना और एक-दूसरे के प्रति रुचि कम होना। रिश्तों में विश्वास की कमी एवं आपस में नाराजगी का लगातार बढ़ना और एक-दूसरे की परवाह नहीं करना। रिश्तों में सम्मान की कमी का होना और एक-दूसरे से अलग-अलग

जिंदगी जीने की कोशिश करना। रिश्तों में अकेलापन का बढ़ना और एक-दूसरे का बाहरी संबंधों की संभावना होना। रिश्तों में प्यार व समझदारी की कमी आना और एक-दूसरे से बातों को छुपाना एवं नाखुश होना। साइलेंट डिवोर्स के जीवन में क्या-क्या प्रभाव पड़ सकते हैं ? हमारे जीवन में अकेलापन बढ़ सकता है।

अवसाद यानी डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। भावनात्मक रूप से टूट सकते हैं। मानसिक व शारीरिक अशांति बढ़ सकती हैं। नौकरी व व्यवसाय प्रभावित हो सकते हैं। बच्चों पर मानसिक असर पड़ सकता है। व्यावहारिक भाषा में गुस्सा बढ़ सकता है। सामाजिक संवाद में कमी आ सकती है। सामाजिक रिश्तों से मोह भंग हो सकता है। सोचने की शक्ति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा साइलेंट डिवोर्स से हमारा जीवन विभिन्न रूप से प्रभावित हो सकता है। इसलिए हमें अपने वैवाहिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए और साइलेंट डिवोर्स जैसी स्थिति से निपटने के लिए आपसी रिश्तों में संवाद को बढ़ाना होगा। दोनों पक्षों को एक-दूसरे के विचारों और भावनाओं का मान-सम्मान करना होगा। अपने वैवाहिक जीवन को मधुर बनाने के लिए मनोरंजन, नई जगहों पर घूमना-फिरना और बाहर भोजन करना, मिलकर शॉपिंग करना जैसे आदि नुस्खे अपना सकते हैं। अगर वैवाहिक जीवन में साइलेंट डिवोर्स जैसी स्थिति आ गई है या होने वाली है तो किसी चिकित्सक या काउंसलर की सलाह ले सकते हैं। साइलेंट डिवोर्स जैसी स्थिति को कभी भी नजर अंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि स्थिति के समाधान खोजना चाहिए। इस दुनिया में हर समस्या का समाधान है। इसलिए समस्या से घबराएं एवं भागें नहीं, बल्कि उसका समाधान खोजें जरूर समस्या हल होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

थाने छोड़ पुलिस सड़क को खुलवाने में व्यस्त और कंपनी है मस्त

धर्मपुर से बरोटी सड़क 14 दिन से यातायात के लिए बंद, किसान सभा सड़कों पर उतरकर करेगी सत्याग्रह: भूपेंद्र

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। व्यवस्था परिवर्तन अगर कहीं हुआ है तो प्रदेश में सबसे ज्यादा इसका असर धर्मपुर क्षेत्र में हुआ है जहां एक कंपनी के आगे राजनेता अफसर शाही और पुलिस प्रशासन चंद सिक्कों की खनक के आगे दब चुके हैं। कंपनी का दबाव इतना ज्यादा है उसे पर कोई भी कार्रवाई करना तो दूर उल्टा उसे खुश करने के लिए अनोखे अनोखे कारनामे किए जा रहे हैं। यहां तक की सड़क खोलने या खुलवाने का जो जिम्मा लोक निर्माण विभाग का था उसके बदले यह काम अब पुलिस महकमा कर रहा है। यह अलग बात है इस काम को करने के लिए थानेदार सहित तमाम स्टाफ लगा दिया है।

यह आरोप किसान सभा नेता भूपेंद्र सिंह ने लगाते कहा कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग 003 पर निर्माणाधीन पाड़छु पुल गत 23 जून को ढह गया था। उसके बाद दो तीन दिन जिला व स्थानीय प्रशासन वहां पर चहल कदमी करता रहा और उसके एक सप्ताह बाद हुई बारिश से सारा मलबा बह कर धर्मपुर पहुंच गया, जबकि उसे वहां से उठा कर किसी डंपिंग साइट पर रखा जाना था। पहले ये सारा मलबा प्रशासन की बिना अनुमति के वहां खड्ड में गावर कंसट्रक्शन कंपनी द्वारा डाला गया जो बाद में बह गया। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी मंडी डॉक्टर मदन कुमार ने 25 जून को रेस्ट हाउस भराड़ी में पुल के दोनों तरफ सड़क को 5 जुलाई तक बजरी डाल कर पक्का करने के निर्देश दिये थे, लेकिन कंपनी ने इसे अब तक भी पक्का नहीं किया है, जिससे वहां पर यातायात बाधित हो रहा है और गाड़ियों का नुकसान हो रहा है।

यही स्थिति सरौरी और परसदा के बीच भी है जो दो साल से ऐसी ही बनी हुई है। वहीं पाड़छु पुल के दोनों ओर पिछले एक साल से सड़क की हालात बहुत ज्यादा खराब बनी हुई है। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि शिवदवाला, बनाल, हवानी, बरोटी, बनेरहरडी से कुमाहरड़ा तक सड़क किनारे नालियां व कलवर्ट न डालने और अवैध डंपिंग से पहली बारिश में ही तबाही हो गई है, लेकिन प्रशासन कुछ नहीं कर पा रहा है उल्टा आजकल पुलिस वाले सड़क खुलवाने के काम में लगे हैं जो कंपनी को करना था।

सड़क को बहाल करवाते हुए पुलिस कर्मी।

विधायक, एसडीएम व तहसीलदार ने कई बार किया दौरा

वाया बनाल धर्मपुर से बरोटी सड़क 14 दिन से यातायात के लिए बंद है और कंपनी के लोग यहां से भाग गए हैं। हालांकि विधायक, एसडीएम, तहसीलदार इत्यादि ने कई बार यहां का दौरे कर लिए हैं लेकिन कंपनी के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। रियूर ओबीसी और अनुसूचित जाति बस्ती के एक दर्जन परिवार रातों को सो नहीं पा रहे हैं। जिसके चलते प्रभावित लोगों व किसान सभा द्वारा लिखित में शिकायत करने के बाद भी इन पर एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं। किसान सभा ने जहां एक ओर इन सबके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रही है वहीं दूसरी ओर सड़क सड़क सत्याग्रह शुरू करने का निर्णय लिया है।

थुनाग में आज से खुलेंगे सभी शिक्षण संस्थान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

थुनाग उपमंडल में हाल में आई प्राकृतिक आपदा के कारण बंद किए गए स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को लेकर प्रशासन ने ताज़ा दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनके अनुसार सराज और बगस्याड क्षेत्र के नौ सरकारी विद्यालयों को छोड़कर शेष सभी शैक्षणिक संस्थान, बाल केंद्र तथा तकनीकी संस्थान सोमवार, 14 जुलाई से पुनः संचालित किए जाएंगे। प्रशासन द्वारा जारी सूचना के मुताबिक, जिन क्षेत्रों में स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है, वहां के विद्यालयों को 16 जुलाई तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है, वहीं बाकी क्षेत्रों में विद्यालय, महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित दिनांक से पूर्ववत रूप में खुलेंगे।

ये स्कूल रहेंगे बंद

बंद रहने वाले विद्यालयों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगस्याड, राजकीय माध्यमिक विद्यालय शिकारी, राजकीय माध्यमिक विद्यालय शरण, प्राथमिक विद्यालय शिकारी, प्राथमिक विद्यालय शरण, प्राथमिक विद्यालय चमेट, प्राथमिक विद्यालय कुंड, प्राथमिक विद्यालय घडीनाला और प्राथमिक विद्यालय मझाकुड शामिल हैं। प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया है कि वे मौसम की स्थिति और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों के अनुसार ही अपने बच्चों को विद्यालय भेजें और एहतियात बरतें।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ प्रभावित स्कूलों के निरीक्षण के लिए गठित टीम ने धर्मपुर ब्लॉक का किया दौरा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिले में बाढ़ प्रभावित स्कूलों का निरीक्षण करने हेतु शिमला से गठित टीम द्वारा आज 13 जुलाई को धर्मपुर ब्लॉक के स्कूलों का निरीक्षण किया गया। जिसमें राजकीय उच्च विद्यालय हुक्कल, राजकीय प्राथमिक पाठशाला हुक्कल, राजकीय प्राथमिक पाठशाला लौंगनी, राजकीय माध्यमिक विद्यालय फीहड़, राजकीय प्राथमिक पाठशाला फीहड़ 2 और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाठशाला झांगी आदि शामिल रहे।टीम द्वारा वहां हुई क्षति का जायजा लिया गया। इस अवसर पर शिमला की ओर से आई हुई टीम के सदस्य रंजना चौहान और अरुण गुलेरिया के साथ उपनिदेशक गुणवत्ता नियंत्रक एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा मीना ठाकुर, प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक हरी चंद, बीपीओ और बीईईओ धरमपुर 1 और धर्मपुर 2, सहायक अभियंता कुल्लू, कनिष्ठ अभियंता धर्मपुर और सिराज उपस्थित रहे। शिक्षा विभाग द्वारा गठित यह टीम 12 जुलाई से 15 जुलाई तक बाढ़ क्षतिग्रस्त स्कूलों का दौरा करती रहेगी।

स्याठी के प्रभावितों को दी सहायता राशि

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। स्याठी के आपदा प्रभावितों को रविवार को धर्मपुर उपमंडल की दुर्गम पंचायत पंचायत टौरखोला की पंचायत व टीएफटी क्लब ने पंचायत वासियों के सहयोग से राहत राशि इक्ट्ठा करके आंवटित कर दी। टौरखोला पंचायत की प्रधान सरला ठाकुर ने बताया कि 60,300 रुपए में सभी पंचायत वासियों व टीएफटी क्लब टौरखोला का भी पूरा सहयोग रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि प्रभावितों की मदद को आगे आकर सहयोग करें। वहीं टौरखोला निवासी गगन गुलेरिया ने अपनी ओर से जिला राहत कोष में 51 हजार की राशि भेजी है। उन्होंने कहा कि आगे भी वह मदद करते रहेगें। उन्होंने भी दानी सज्जनों से अपील की है कि इस विपदा की घड़ी में प्रभावितों की खुलकर मदद करें ताकि वह दोबारा अपने पैरों पर खड़ा हो सके। उन्होंने कहा कि अगर इस आपदा की घड़ी में सब मिलकर उनकी मदद करेगें तो उनको भी जल्दी खोया हुआ घर मिल जायेगा और दोबारा वह अपने घरों में रह सकते है।

25 वर्षों से जारी स्वच्छता अभियान बना मिसाल

अनंत ज्ञान, बरोट। छोटा भंगाल घाटी की कोठी कोहड़ पंचायत के गांव कोठी कोहड़ में महिला मंडल पिछले 25 वर्षों से स्वच्छता अभियान चला रहा है। रविवार को महिला मंडल की 30 महिलाओं ने प्रधान लता देवी की अगुवाई में गांव की गलियों, रास्तों और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। महिलाओं ने न केवल झाड़ियां व घास काटकर हटाई बल्कि उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर गहरे गड्डे में दबाया। सचिव विद्या देवी ने बताया कि महिला मंडल की सदस्याएं प्रत्येक रविवार या आवश्यकता पड़ने पर किसी भी दिन स्वच्छता अभियान में जुट जाती हैं। यह अभियान निरंतरता से चलते हुए पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुका है। इस प्रयास से गांव में न केवल साफ-सफाई बनी रहती है बल्कि गंदगी से होने वाली बीमारियों पर भी रोक लगी है। कोठी कोहड़ पंचायत की प्रधान रक्षा देवी ने महिला मंडल के इस प्रयास की सराहना करते हुए सरकार व प्रशासन से मांग की है कि महिला मंडल कोठी कोहड़ को सम्मानित किया जाए ताकि और भी महिला मंडल प्रेरित हो सकें।

14 किसानों को सौंपे ऋण के स्वीकृति पत्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। लोहरा गांव (ब्लॉक बल्ह) में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा एक कृषि जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 76 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान पना लाल ने की और उप-प्रधान पूरन चंद उपस्थित रहे। पीएनबी सर्कल हेड सुरज दत्ता, उप सर्कल हेड राजिंदर चौधरी, पीएलपी हेड नीरज अग्रवाल समेत अन्य मुख्य प्रबंधक भी मौजूद रहे। इस अवसर पर कुल 14 किसानों को 2.12 करोड़ के ऋण की स्वीकृति पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में युवाओं, किसानों, महिलाओं, पेंशनरों और नौकरीपेशा लोगों के लिए बचत खाता योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, किसानों को पीएम किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह योजना, किसान समृद्धि ऋण योजना सहित अन्य कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की भी विस्तार से जानकारी दी गई।

अधिशाषी अभियंता की तत्परता से टला खतरा, धंसी सड़क का किया शीघ्र सुधार

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंदरनगर। पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे-154 पर गुरुद्वारा साहिब से आगे वाले मोड़ पर सड़क का एक किनारा अचानक धंस गया है, जिससे यातायात पर खतरा मंडराने लगा है। धंसी सड़क अब दुर्घटना को खुला निमंत्रण दे रही है, खासकर रात के अंधेरे में। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए धंसे हुए स्थान को पत्थरों से चिह्नित कर वाहन चालकों को सतर्क करने का प्रयास किया है। उनका कहना है कि दिन में कुछ राहत रहती है, वहीं रात के अंधेरे में यह स्थान जानलेवा साबित हो सकता है। जैसे ही यह सूचना एनएचएआई तक पहुंची, अधिशाषी अभियंता अंकित गिल मात्र दो घंटे में अपनी तकनीकी टीम सहित मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हालात का खुद निरीक्षण करते हुए मिट्टी भरने और चेतावनी चिन्ह लगाने का कार्य तुरंत शुरू करवाया। उनके इस जमीनी प्रयास को ग्रामीणों ने खूब सराहा।

हालांकि स्थानीयों की मांग है कि केवल अस्थाई उपायों से बात नहीं बनेगी। इस संवेदनशील मोड़ पर स्थायी मरम्मत कार्य बरसात से पहले शुरू किया जाना अनिवार्य है, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

सड़क को जेसीबी मशीन से दुरुस्त करते हुए।

चंडीगढ़-मनाली एनएच 27 घंटे बाद बहाल, जाम में फंसे यात्री रहे परेशान

केएमसी कंपनी व प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल, गर्भवती महिला मुश्किल से निकाली सुरक्षित

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार दोपहर 1:30 बजे सात मील क्षेत्र के पास भारी भूस्खलन के चलते बंद हो गया था, जिसे 27 घंटे बाद रविवार शाम 5 बजे बहाल किया जा सका।

इस दौरान सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंसे रहे और यात्रियों को भूख-प्यास और भारी मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। केएमसी कंपनी व जिला प्रशासन की लापरवाही साफ तौर पर सामने आई। मौके पर छह एलएनटी, दो जेसीबी व दो लोडर मशीनें उपलब्ध होने के बावजूद मलवा हटाने में असाधारण देरी की गई। रविवार सुबह 10:30 बजे तक भी मशीनें निष्क्रिय खड़ी रहीं। 11 बजे के बाद भी केवल एक जेसीबी मशीन नाली की सफाई करते हुए नजर आई। मौके पर मीडिया कर्मियों की पहुंच व उनकी रिपोर्टिंग के बाद ही कंपनी हरकत में आई। पुलिस ने भी दबाव बनाते हुए मशीनों को सक्रिय किया। इसके करीब दो घंटे बाद एक गर्भवती महिला को फंसी गाड़ी से सुरक्षित निकाला गया। इसके बाद बाइकों और पैदल यात्रियों को धीरे-धीरे बाहर निकाला गया। अंततः शाम 5 बजे के करीब हाईवे को पूर्ण रूप से बहाल किया गया, जिससे फंसे लोगों ने राहत की सांस ली। 27 घंटे तक मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग का बंद रहना प्रशासनिक तंत्र की विफलता और केएमसी कंपनी की लापरवाह कार्यप्रणाली को उजागर करता है। इस लापरवाही के कारण आम जनता और पर्यटक दोनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिससे नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

जलशक्ति विभाग में आउटसोर्स कर्मियों को तीन माह से नहीं मिल रहा वेतन

आदर्श, अनंत ज्ञान

नेरचौक। प्रदेश के जलशक्ति विभाग में कार्यरत 430 कंप्यूटर ऑपरेटरों व डाटा एंट्री ऑपरेटरों पर आर्थिक संकट छा गया है। प्रदेश भर में कार्यरत इन कर्मियों को पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है। वेतन न मिलने से डाटा एंट्री ऑपरेटर व कंप्यूटर ऑपरेटर हताश व निराश है। आर्थिक संकट के चलते इन्हें परिवार का पालन पोषण करना मुश्किल हो गया है। जलशक्ति विभाग में वर्तमान समय 130 कंप्यूटर ऑपरेटर व करीब 300 डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रदेश भर में पिछले लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

प्रदेश के सैकड़ों आउटसोर्स कर्मियों पर छाया आर्थिक संकट

विभाग में पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्य कर रहे। इन कर्मियों ने अपना जीवन ही विभाग के लिए समर्पित कर दिया है। बावजूद इसके प्रदेश सरकार इन कर्मियों के लिए नीति का अभी तक निर्धारण नहीं कर पाई है। प्रदेश में सरकार चाहे बीजेपी की रही हो या फिर कांग्रेस की। दोनों ही राजनीतिक दलों ने इनका जमकर शोषण किया है।

> **पिछले** तीन माह से वेतन नहीं मिल रहा है जिससे परिवार का पालन पोषण करना सभी आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए मुश्किल हो गया है। सरकार से आग्रह है कि आउटसोर्स कर्मियों का वेतन तुरंत जारी करें तथा भविष्य में वेतन में विलंब ना हो यह सुनिश्चित किया जाए।
>
> **-कल्पना ठाकुर, जिला अध्यक्ष, जलशक्ति विभाग, आउटसोर्स कर्मचारी संघ।**

> **आउटसोर्स** पर विभाग में जो कंप्यूटर ऑपरेटर व डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यरत है उनके मासिक वेतन में विलंब हुआ है यह मामला ध्यान में आया है। मामले की जांच की जाएगी तथा इन कर्मियों को शीघ्र वेतन का भुगतान हो यह सुनिश्चित किया जाएगा।
>
> **-संदीप कदम, सचिव, जलशक्ति विभाग हिमाचल।**

श्री कमरुनाग का पारंपरिक मेला संपन्न, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

उमेश, अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। कटेरू में प्राचीन परंपरा के अनुसार एक दिवसीय श्री कमरुनाग जी का देव मेला श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुआ। यह मेला हर वर्ष श्री कमरुनाग जी के मझौठी स्थित कोठी से देव साज-सज्जा और देयोकरों के साथ पदयात्रा के रूप में कटेरू पहुंचने के बाद शुरू होता है। देवता के आगमन पर कलया, झाड़ा, थाली पूजन, तोगड़ा पूजन जैसी धार्मिक रस्में निभाई गईं। मेले में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचे और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए कमरुनाग जी से आशीर्वाद मांगा। मेला कमेटी के सफल आयोजन में गोपाल शर्मा, धर्मा नंद, प्रदीप कुमार, किशोरी लाल, उमेश शर्मा, जगदीश, श्याम लाल, गुरदेव, दुर्गा राम, भारत भूषण, लक्ष्मी दत्त, महेश, खुवराम, अजय शास्त्री जैसे सदस्यों का विशेष योगदान रहा। स्थानीय जनता ने देवता कमेटी कमरुनाग मझौठी से यह आग्रह किया है कि भविष्य में कटेरू मेले की अवधि दो दिन की जाए। आज के सफल आयोजन के लिए सभी ग्रामीणों ने श्री कमरुनाग की कृपा और अच्छे मौसम के लिए आभार व्यक्त किया।

चौहार घाटी में आलू की फसल पर झुलसा रोग का कहर, किसान परेशान

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

बरोट। द्रंग विकास खंड की चौहार घाटी की खलैहल, बरोट, लपास और बरधान पंचायतों में आलू की फसल पर झुलसा रोग पूरी तरह फैल चुका है। जिससे किसानों की आर्थिकी पर संकट मंडरा गया है। चौहार घाटी के अधिकांश किसान आलू उत्पादन से जीविका चलाते हैं, और बेरोजगार युवा भी इसी से रोजगार प्राप्त करते हैं।

किसानों प्रेम चंद, सुभाष, भागमल, सीता, निर्मला, दर्शना देवी, गुड्डी देवी व मनसा देवी ने बताया कि एक माह पहले तक खेतों में आलू की फसल लहलहा रही थी, लेकिन अब पौधे गल-सड़कर खेतों में मिट्टी ही नजर आ रही है। खलैहल पंचायत के कुछ गांवों में झुलसा रोग के बावजूद बीज की गुणवत्ता ठीक बनी हुई है, लेकिन बरोट, लपास और बरधान पंचायतों में आलू की उपज बहुत प्रभावित हुई है। वहां न केवल उत्पादन कम हुआ है, बल्कि बीज का आकार भी छोटा है। इससे किसानों को भविष्य की चिंता सताने लगी है क्योंकि फसल की पैदावार कम होने से आय में भारी गिरावट तय है। कृषि विभाग पद्धर की विषयवाद विशेषज्ञ डॉ. सोनम शर्मा ने बताया कि झुलसा रोग शुरू में ही कॉपरऑक्सीक्लोराइड और मेकोनेव जैसे दवाओं के छिड़काव से रोका जा सकता था। समय पर उपाय न करने से यह रोग व्यापक रूप से फैल गया है।

बरोट, लपास और बरधान में खराब हो रही फसल

एसएसबी के जवानों ने दुर्गम गांव बागा पंग्लयूर व बाड़ा में पहुंचाई आपदा राहत

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में एसएसबी के जवान लोगों को राहत पहुंचाते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

गोहर उपमंडल और सराज विधानसभा सभा की अंतिम जुड़ती दुर्गम सीमा पर राहत दल के सदस्यों में शामिल उप निरीक्षक पीतांबर लाल, उपनिरीक्षक नन्द लाल और हेड कांस्टेबल ताराचंद कई किलोमीटर पैदल चल कर आपदा ग्रस्त लोगों तक निस्वार्थ मदद पहुंचा रहे है। इन दुर्गम पंचायतों का दौरा कर असल हकदारों की पहचान स्थानीय अभिकरण से करवा कर, दल द्वारा आज कानूनगो गोहर उपमंडल कृष्ण चंद की अगुआई में 12 परिवारों को मदद पहुंचाई। सराज के बाड़ा, सरोआ, थरजून पटवार वृत व नाचन विस क्षेत्र के बागा, पंग्लयूर गांव को मिलाकर इन इलाकों में 14 लोग फ्लस फ्लड में बह गए थे, जिसमें से 7 की डेड बॉडी प्राप्त हो चुकी है, लेकिन अभी भी 7 लोगों की की खोजबीन जारी है। इस मौके पर गणमान्यों में नरेश कुमार,राजेंद्र कुमार, कुलदीप शर्मा, संजय कुमार और गायत्री देवी सहित दर्जन लोग उपस्थित रहे।

जब-जब धर्म का नाश होता, तब-तब प्रकट होते हैं प्रभु: तिलक शर्मा

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। सनातन धर्म सभा मंदिर जोगिंदरनगर में चल रही शिव महापुराण कथा के अंतिम दिन भक्ति और श्रद्धा का माहौल छाया रहा। कथा व्यास आचार्य तिलक शर्मा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा, जब-जब धर्म का नाश होता है, तब-तब प्रभु प्रकट होते हैं। उन्होंने कहा कि जिनके मन में महादेव के प्रति श्रद्धा होती है, जिनके माता-पिता ने उत्तम संस्कार दिए होते हैं और जिनके कर्म श्रेष्ठ होते हैं, उन्हें ही भगवान शिव की कृपा और भक्ति सहज रूप से प्राप्त होती है। इस अवसर पर सभा की अध्यक्ष विमला शर्मा, तृप्ता शारदा, सचिव शशि शर्मा, मुख्य सलाहकार ज्योतिका ज्योति सूद, लोभा धरवाल, रविंद्र शर्मा, उषा ठाकुर, रेखा, सुनीता शर्मा आदि ने अन्य गणमान्य जनों ने कथा व्यास आचार्य तिलक शर्मा, भजन मंडली को सम्मानित किया।

प्राथमिक स्कूलों की खेलें जल्द हो बहाल

नौनिहाल मायूस, राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने बुलंद की आवाज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

प्राथमिक स्कूलों की खेलें बंद होने से प्रदेशभर के नौनिहालों मायूस हैं। कई सालों से अंडर-12 खेलों में नौनिहाल विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन दिखाते थे लेकिन बीते वर्ष से प्रदेश सरकार द्वारा अंडर-12 खेलें बंद कर दी है। हालांकि बीते वर्ष आनन-फानन में सरकार द्वारा खंड स्तर तक खेलें करवाई गई व इस साल नौनिहालों को उम्मीद थी कि अंडर-12 खेलें होंगी, लेकिन बीते दिन शिक्षा विभाग द्वारा अंडर-14 व अंडर-19 खेलों का शैड्यूल जारी किया गया और अंडर-12 खेलों को नजरअंदाज किया गया। अंडर-12 खेलों का शैड्यूल जारी न होने पर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया है।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्रंग- 1 के अध्यक्ष बलवीर ठाकुर, महासचिव सुरेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष सोहन सिंह सकलानी, चौंतड़ा-1 के अध्यक्ष कपिल राव, महासचिव नरेश शर्मा, द्रंग- 2 के अध्यक्ष नागेश कुमार, महासचिव खूब राम सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी स्कूली खेल कैलेंडर में अंडर-12 खेलों को शामिल न करना प्रदेश के हजारों नौनिहालों के सपनों को तोड़ने जैसा है।

कहा, जब अंडर-14 की खेलें हो रही तो फिर नौनिहालों के साथ अन्याय क्यों

उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों में बच्चों को खेलों के भरपूर अवसर मिलते हैं, जहां अभिभावक अपने स्तर पर बैडमिंटन, शतरंज, दौड़ व कबड्डी जैसे खेलों की प्रशिक्षण व्यवस्था करवा देते हैं। साथ ही समर कैंप और एक्सपोज़र टूर्स के माध्यम से बच्चों को विकसित होने का अवसर मिलता है। वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चे जो अधिकतर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं के लिए स्कूलों में आयोजित अंडर-12 खेल ही उनके सर्वांगीण विकास का एकमात्र मंच होते हैं। इन खेलों के माध्यम से ही कई बच्चे जीवन में पहली बार बस यात्रा करते हैं और शहरों को देख पाते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और सामाजिक अनुभव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में प्राथमिक स्तर पर अंडर-12 खेलों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। वहीं जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तो अंडर-10 से ही खेल प्रतिभा को पहचान कर तराशने का कार्य शुरू हो जाता है।

अब हिमाचल में भी उठने लगी है संगीत नाटक अकादमी स्थापित करने की मांग

रंगकर्मी केदार ठाकुर व दीप कुमार।

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। प्रदेश में संगीत एवं नाटक की जीवंत परंपरा को आगे बढ़ने के उद्देश्य से हिमाचल संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की मांग उठने लगी है। हालांकि, हिमाचल संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की इस मांग को शिमला से स्वर मिला है, लेकिन हिमाचल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विख्यात मंडी से भी इस तरह के स्वर उठने लगे हैं। राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त एवं प्रख्यात रंगनिर्देशक केदार ठाकुर ने वित्तीय बोझ से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश में हिमाचल संगीत नाटक अकादमी की स्थापना की पुरजोर मांग उठाई। उनका कहना है कि राज्य सरकार का यह कदम न सिर्फ सांस्कृतिक उत्थान करेगा बल्कि राज्य पर सांस्कृतिक गतिविधियों से पड़ रहे वित्तीय बोझ को भी लगभग समाप्त ही कर देगा। हिमाचल संगीत नाटक अकादमी भाषा एवं संस्कृति विभाग व गेयटी ड्रामेटिक सोसाइटी के साथ सांस्कृतिक उन्नयन में एक मज़बूत और आर्थिक रूप से सशक्त सांझेदार के रूप में उभरेगा। केदार ठाकुर ने कहा कि यह थियेटर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है।

साहित्यकार व कलाकार एक सुर में रखें बात

हिमाचल सांस्कृतिक शोध संस्थान सतोहल नाट्य अकादमी की सचिव एवं रंगकर्मी सीमा शर्मा का कहना है कि यह एक सामूहिक प्रयास है, सभी रंगकर्मी , साहित्यकार और कलाकार एक सुर में अपनी बात रखें तभी इसका हल निकल पाएगा। वहीं पर आकार थिएटर सोसायटी के सचिव दीप कुमार का कहना है कि हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध और विविध लोक-संस्कृति के लिए जाना जाता है। संगीत, नृत्य और नाट्य की यहां की परंपराएं सदियों पुरानी हैं। इन अनमोल कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए, प्रदेश में संगीत नाटक अकादमी की एक स्थानीय शाखा का होना आवश्यक है।

आपदा दूसरों के आंगन में पनाह लेने को हैं मजबूर; प्रशासन ने सिर्फ 10 हजार देकर छुड़ाया पल्ला, नेताओं ने दिया आश्वासन

स्याठी के शोर तले दबे कपाही व भद्राना के आपदा प्रभावित

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। आपदा में करोड़ों की संपत्ति गवां चुके कपाही और भद्राना के 6 परिवारों के रोने की आवाज स्याठी आपदा पीड़ितों के शोर तले पूर्णतया दब चुकी है, कभी शादी विवाह और जग आदि फंक्शन के लिए दूसरों को अपने घर और आंगन देने वाले यह परिवार आज खुद दूसरों के बरामदे में सोने का मजबूर हैं। बीते दो सप्ताह से इन प्रभावितों की आवाज किसी ने भी नहीं सुनी है। इतना जरूर है कि जिस दिन हादसा हुआ उसके दो रोज बाद प्रशासन ने मौका कर तीन परिवारों को मात्र 10-10 हजार रुपए, तिरपाल और राशन राहत देकर अपना पल्ला छुड़ा लिया था। उसके बाद स्थानीय विधायक और सांसद सहित अन्य नेता भी वहां का दौरा कर आए हैं, परंतु नगद राहत राशि देना तो दूर रहा सिर्फ आश्वासनों की घुट्टी पिला कर अपना फर्ज निभा गए हैं।

बताते चलें कि दो हफ्ते पहले रात दो बजे सकलाना पंचायत के भद्राना गांव में पहाड़ी दरकने से वहां खड्ड का रूप धारण कर लिया और प्रकाश चंद, मनीष कुमार, सुनील कुमार, गुलजारी लाल के सीमेंटेड दो-दो मंजिली मकानों को तहस-नहस कर डाला। परिवार एक सुई तक घरों से नहीं निकाल पाए। गनीमत यह रही कि पहाड़ी से पानी के साथ बह रहे पत्थरों के शोर की आवाज से जाग कर घरों से भागने पर मजबूर हुए और उनकी जान बच गई। इन परिवारों के पास ना तो खाने के लिए पैसे हैं और ना ही रहने के लिए कोई छत गांव वाले ही इनका सहारा बने हैं।

आपदा के कारण बिखरे प्रभवितों के आशियाने।

गांव की पहचान था घर, आज सिर्फ मलबे का ढेर

सरी पंचायत के कपाही में चिन्ती देवी और सुनील कुमार का आलीशान दो मंजिला मकान और उसके आगे सुंदर बगीचा पूरे गांव की पहचान हुआ करता था। मकान के साथ लगती गौशाला मलबे के ढेर में बदल गई। खड्ड ने पूरी जमीन ही निगल ली और घर और बगीचे का नामोनिशान तक मिटा दिया है। परिवार के पास बदन पर पहने कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं बचा है। वृद्ध चिन्ती देवी घर से बेघर होने सदमे के चलते उसी दिन से एम्स बिलासपुर में एडमिट है, जबकि सुनील कुमार स्याठी आपदा प्रभावितों के साथ लौंगनी मंदिर में पनाह लिए हुए हैं। इन कपाही और भद्राना के 6 परिवारों को स्याठी पीड़ितों की तर्ज पर अब तक कोई भी नगद सहायता नहीं मिल पाई है। कई सामाजिक संस्थाओं ने इन परिवारों की आर्थिक सहायता करने की मांग की है।

> **कपाही** और भद्राना के तीन आपदा प्रभावितों को दस दस हजार रुपए राहत दी है। तीन अन्य परिवार उस दिन मिले नहीं थे। राहत मैनुअल के अनुसार सभी को मदद दी जा रही है।
>
> **-जोगिंदर पटियाल, एसडीएम, धर्मपुर।**

न्यूज ब्रीफ

मृतकों की आत्मा की शांति के लिए करवाया हवन-यज्ञ

विनोद शर्मा, अनंत ज्ञान, लठियानी। जिला मंडी में हाल ही में घटित भीषण त्रासदी में जान गंवाने वाले दिवंगतजनों की आत्मा की शांति हेतु ग्राम पंचायत मुच्छाली स्थित डुमखर गौशाला में एक विशेष हवन यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा का भावपूर्ण आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मानवीय संवेदना और आध्यात्मिक एकता का एक अनुपम उदाहरण बना, जिसमें क्षेत्र से श्रद्धालुजन काफ़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का विधिवत संचालन सुनील कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा एवं हवन सम्पन्न करवाया। पंडित दीपक शर्मा ने बताया कि हवन यज्ञ न केवल आत्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि शोकाकुल परिवारों को मानसिक संबल देने का कार्य भी करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमें यह सिखाते हैं कि दुख की घड़ी में समाज एकजुट होकर साथ खड़ा होता है। हवन के दौरान विशेष रूप से सौ दीपकों को प्रज्वलित किया गया, जो दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि एवं शांति का प्रतीक बने। दीपों की आभा से संपूर्ण परिसर एक पावन आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। इस श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें चरणजीत शर्मा, मास्टर रमेश चंद शर्मा, बाल किशन डोगरा, जितेंद्र शर्मा, सुखदेव, अमरनाथ, दिलबाग, अमित, दीपक कुमार, जोगिंद्र देव आर्य, राम आसरा, शंकुतला देवी, सरोज कुमारी, सुरजीत, मदन लाल, अभिषेक, विजय कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम में महिलाओं की विशेष सहभागिता उल्लेखनीय रही, जिन्होंने पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ यज्ञ में भाग लिया।

संस्कृत और संगीत में विद्यार्थियों का रुझान कम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। आधुनिक तकनीकों के दौर में प्राचीन विषयों की तरफ विद्यार्थियों का रुझान कम होता जा रहा है। एजुकेशन हब हमीरपुर के राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय हमीरपुर में इस बार संस्कृत और संगीत विषय में महज चार-चार विद्यार्थियों ने ही दाखिला लिया है। दोनों विषयों में 76-76 सीटें खाली रह गई हैं। महाविद्यालय में दोनों विषयों को पढ़ाने के लिए प्राध्यापकों को नियुक्त किया गया है, लेकिन विद्यार्थियों का रुझान कम होने से महाविद्यालय में दोनों विषयों की सीटें खाली हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में संचालित टूरिज्म, एजुकेशन, भूगोल और अर्थशास्त्र संकाय में भी 50 तक ही सीटें भर पाई हैं। शैक्षणिक सत्र में महाविद्यालय में राजनीतिक शास्त्र, इतिहास, पत्रकारिता और हिंदी विषय में सबसे अधिक दाखिले हुए हैं। इन विषयों में 80-80 सीटें भर गई हैं। महाविद्यालय में अकेले कला संकाय में ही 14 विषय पढ़ाए जा रहे हैं। कला संकाय के अतिरिक्त विज्ञान संकाय में संचालित छह विषयों में 120 में से 120 सीटें भर गई हैं।

एमबीबीएस दाखिला प्रक्रिया में बदलाव का स्वागत

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से एमबीबीएस कोर्स में स्टेट कोटे की पात्रता को लेकर किए गए अहम बदलावों का निजी स्कूल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष लखनपाल शर्मा ने स्वागत किया है। कहा कि इस निर्णय से वह छात्र जो वास्तव में हिमाचल प्रदेश से संबंधित हैं और जो शैक्षणिक व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं, उन्हें न्याय मिलेगा। साथ ही यह सुधार मेडिकल सीटों पर अनावश्यक बाहरी दबाव को भी कम करेगा। कोटे के लिए अब कम से कम दो कक्षाएं (8वीं, 10वीं, 11वीं या 12वीं) हिमाचल में पढ़ी होनी चाहिए। सरकारी सेवा में कार्यरत अभिभावकों के बच्चों के लिए 11वीं व 12वीं हिमाचल में पढ़ी होनी अनिवार्य है। बाहरी राज्यों से संबंध रखने वाले, लेकिन हिमाचल में कार्यरत सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को सीमित पात्रता, नॉन-रेजिडेंट हिमाचली छात्रों को स्टेट कोटे से बाहर किया जाना एक उचित निर्णय है। कहा कि राज्य के सीमित संसाधनों और मेडिकल सीटों का बेहतर और न्यायसंगत उपयोग तभी संभव है जब नीति साफ हो और हिमाचल के छात्रों को प्राथमिकता मिले।

अनुसूचित वर्ग के 108 लाभार्थियों के कर्ज पूरी तरह माफ

अनंत ज्ञान, नंगल (ऊना)। आम आदमी पार्टी की सरकार के एक अहम फैसले के तहत अनुसूचित वर्ग के लोगों की ओर से अनुसूचित भूमि विकास एवं वित्त कारपोरेशन से लिए दिए कर्ज को पूरी तरह माफ कर दिया गया है। जिला रूपनगर में ऐसे कुल 108 लाभार्थी हैं। रविवार को सेवा सदन परिसर में पंजाब के शिक्षा मंत्री एडवोकेट हरजोत सिंह बैंस ने इन लाभार्थियों को कर्ज मुक्ति के प्रमाण पत्र सौंपे। इस अवसर पर जगदेव सिंह ने बताया कि उन्होंने श्री आनंदपुर साहिब में होटल के लिए दो लाख रुपये का कर्ज लिया था, जिसमें से 50 हजार रुपये वे किश्तों में चुका चुके थे। बाकी शेष कर्ज आज सरकार द्वारा माफ कर दिया गया है। उन्होंने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। अनुसूचित भूमि विकास एवं वित्त कारपोरेशन की जिला प्रबंधक सुरेंद्र कौर ने बताया कि रूपनगर जिले में 108 लोगों के कर्ज माफ किए गए हैं, जिनकी कुल राशि एक करोड़ 80 लाख 90 हजार रुपए है। इस पर लिया गया पूरा कर्ज माफ कर दिया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि कुछ समय पहले पंजाब सरकार ने दलित समुदाय के गरीब परिवारों द्वारा लिए गए कर्ज को माफ करने की घोषणा की थी, जिसे आज अमल में लाया गया है।

शिव के पूजन से मिलती है पापों से मुक्ति : सुरेंद्र

अनंत ज्ञान, अंब (ऊना)। प्राचीन देवी मंदिर अंब में श्री शिव महापुराण ज्ञान महायज्ञ के तीसरे दिन आचार्य सुरेंद्र शास्त्री ने भगवान शिव की भक्ति का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को भगवान की कथा सुननी, कीर्तन करना और मनन करना चाहिए, और यदि यह न हो सके तो नियमित शिव पूजन करना चाहिए। गंगाजल और बिल्वपत्र अर्पित करने से तीन दोष दूर होते हैं और तीनों कालों में पवित्रता मिलती है। उन्होंने बताया कि भस्म और रुद्राक्ष शिव को प्रिय हैं, और तीन मुख वाला रुद्राक्ष आत्मिक बल देता है। शिवलिंग की पूजा से शिवभक्ति और कृपा प्राप्त होती है। शिव के पूजन से पापों से मुक्ति मिलती है। कथा में विधायक सुदर्शन सिंह बबलू, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष डा. रविंद्र शर्मा, राजकुमार गौतम और अन्य मौजूद रहे। कथा के बाद भंडारा हुआ।

विधायक विवेक ने कुटलैहड़ में वन महोत्सव के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, कहा-

प्रदेश में पर्यावरण मामले में कुटलैहड़ प्रथम

अनंत ज्ञान, बंगाणा

उपमंडल बंगाणा की धुंदला पंचायत के वैरी हटली गांव में 76वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक विवेक शर्मा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद मुख्यातिथि ने 11 पौधे लगाकर वन महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर जिला ऊना के डीएफओ सुशील राणा की नेतृत्व में विधायक विवेक शर्मा का भव्य स्वागत किया गया।

विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे वन महोत्सव अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल ग्रामीण स्तर पर हरियाली बढ़ाने एवं सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा इस वर्ष वन महोत्सव के अंतर्गत गांव के स्वयं सहायता समूहों एवं महिला मंडलों को पौधरोपण के लिए 2.40 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की गई है। यह सहायता उन्हें पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल के लिए मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना की विशेष बात यह है कि सरकार यह देखेगी कि लगाए गए पौधे कितनी संख्या में जीवित रहते हैं और उनका विकास किस प्रकार होता है। पौधों की सफलता की दर के आधार पर अगले वर्ष इन समूहों और महिला मंडलों को 40 हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक का इनाम भी दिया जाएगा।

वन महोत्सव के दौरान मुख्यातिथि विधायक विवेक शर्मा के साथ वन विभाग के कर्मचारी और अन्य गणमान्य।

विधायक विवेक शर्मा ने जानकारी दी कि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में 16,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वन भूमि मौजूद है, जहां बड़े पैमाने पर पौधे उपलब्ध हैं। प्रदेश में पर्यावरण मामले में कुटलैहड़ प्रथम स्थान पर है। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

सरकार ने कुटलैहड़ क्षेत्र की अधिकांश समस्याओं के समाधान को तुरंत स्वीकृति दी है, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिली है। विधायक विवेक शर्मा ने वैरी हटली गांव के श्मशानघाट के रास्ते के सुधार के लिए 2 लाख की राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्थानीय कार्यों में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है और सरकार हर संभव मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव के सभी आयोजनों में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लें।

हर व्यक्ति जीवन में एक पौधा अवश्य लगाए

विवेक शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। यह कार्य न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करता है। ग्रामीणों और महिला मंडलों ने विधायक विवेक शर्मा का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि वे लगाए गए पौधों की देखभाल पूरी जिम्मेदारी से करेंगे। वैरी हटली में आयोजित वन महोत्सव न केवल पौधरोपण का कार्यक्रम था, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में एक मजबूत संदेश देने वाला आयोजन भी साबित हुआ।

शहर की प्रमुख पार्किंग को नहीं मिल पा रहा दाम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

नगर निगम की तरफ से एमसी पार्क के सामने वाली पार्किंग को लेकर निगम की कमाई बढ़ने के आसार कम हैं। पुराना अनुबंध पूरा होने के कारण पार्किंग की नए सिरे से नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालात ऐसे हैं कि ठेकेदार प्रबंधन की तरफ से तय किए बजट से आगे बोली नहीं लगा पा रहे हैं। इसके चलते ऐसे में अभी तक पार्किंग की बोली नहीं हो पाई है।

बता दें कि नगर निगम की तरफ से इस बार पार्किंग की बोली के लिए 4.50 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं। पिछली नीलामी प्रक्रिया में केवल 3.52 लाख रुपए की अधिकतम बोली लग पाई थी। ऐसे में अब आगामी नीलामी प्रक्रिया 16 जुलाई को तय की गई है।

निगम किसी भी सूरत में शहर के बीच और डीसी ऑफिस के बिल्कुल समीप वाली इस पार्किंग प्लेस का अच्छा मुनाफा चाहती है। हालांकि यहां कभी शॉपिंग मॉल या कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना भी थी, लेकिन पार्किंग की समस्या को देखते हुए प्रशासन ने इस प्रस्ताव को होल्ड पर रख दिया था। ऐसे में अगर कोई व्यावसायिक परिसर बनाया जाता तो यहां निगम को सबसे अधिक मुनाफा होने वाला था। आईएसबीटी से सबसे नजदीक यह मार्केट सरकार की कमाऊ पूत साबित हो सकती थी। ऐसा अभी स्थानीय नेताओं अथवा हुक्मरानों की तरफ से ग्रीन सिग्नल नहीं मिल पाया है।

ठेकेदार अधिक बोली लगाने से कतरा रहे

यह भी बताते चलें कि नगर निगम की तरफ से शहर के एमसी पार्क के समीप पार्किंग को नीलाम करने के लिए प्रक्रिया चल रही है। पिछली बार इस पार्किंग को 7.50 लाख रुपए में पार्किंग को नीलाम किया गया था। उस वर्ष 3.50 लाख रुपए से बोली की शुरुआत की गई थी। इस बार नगर निगम ने बोली में न्यूनतम मूल्य 4.50 लाख रुपए रखा है लेकिन इससे उलट बोली में मौजूद ठेकेदारों ने 3.52 लाख रुपए की बोली लगाई। इससे स्पष्ट है कि महंगी बोली राशि होने के चलते ठेकेदार अधिक बोली लगाने से कतरा रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि 16 जुलाई को नगर निगम कार्यालय में होने वाली बोली प्रक्रिया में अधिकतम बोली नगर निगम की तरफ से तय किए गए दामों से कितना आगे बढ़ती है या कम रहती है। उधर संयुक्त आयुक्त मनोज कुमार का कहना है कि नियमों के अनुसार बोली की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

मंडी त्रासदी के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का सहयोग जारी

अनंत ज्ञान, ऊना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ऊना जिला इकाई के कार्यकर्ताओं का मंडी सिराज में हुई त्रासदी में पीड़ितों की मदद का सिलसिला जारी रखा है। रविवार को उन्होंने सेवा भारती के नेतृत्व में मंडी के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए दो और राहत सामग्री से भरी गाड़ियां रवाना कीं।

इन गाड़ियों में जरूरतमंदों के लिए राशन, कपड़े, गद्दे, बिस्तर और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल रहीं। सेवा भारती की महिला प्रांत प्रमुख निधि शर्मा और जिला प्रमुख राजेश पुरी की टीम ने यह पूरी सामग्री जुटाई। जिला संघचालक नरेश शर्मा, जिला कार्यवाहक अनिल भारद्वाज और हेडगेवार स्मारक समिति के अध्यक्ष सुभाष वशिष्ठ की मौजूदगी में रवाना किया गया। सेवा भारती की महिला प्रांत प्रमुख निधि शर्मा और जिला प्रमुख राजेश पुरी की टीम ने यह पूरी सामग्री जुटाई। कहा कि सेवा भारती और संघ कार्यकर्ताओं का यह प्रयास संकट में फंसे लोगों के लिए किसी जीवन रेखा से कम नहीं है। उनका यह समर्पण समाज को यह संदेश देता है कि कठिन समय में जब सबकुछ छिन जाए, तब भी उम्मीदें बाकी रहती हैं।

हरोली कॉलेज में विद्यार्थियों को मिलेगी उच्च शिक्षा

अनंत ज्ञान, ऊना

हरोली क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुविधा अपने कॉलेज में मिलने जा रही है। इन कक्षाओं में प्रवेश के लिए रास्ता साफ हो गया है।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से बीएससी मेडिकल एवं नॉन मेडिकल की कक्षाएं आरंभ करने के लिए तकनीकी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो गई हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा इस संबंध में अनुमति प्रदान कर दी गई है तथा शिक्षा सचिव ने निदेशक उच्च शिक्षा को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

विज्ञान विषयों की पढ़ाई में उच्च स्तरीय व्यवस्था मिलेगी : रणवीर

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रणवीर डढवाल ने बताया कि विज्ञान संकाय की शुरुआत से अब विद्यार्थियों को विज्ञान विषयों की पढ़ाई की उच्च स्तरीय व्यवस्था मिलेगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। प्रो. डढवाल ने जानकारी दी कि कॉलेज में इस सत्र से बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रम भी आरंभ किए जा रहे हैं, जिनमें 60-60 सीटें निर्धारित की गई हैं। व्यवसायिक कोर्स के लिए स्टाफ और आधारभूत ढांचा लगाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एमकॉम, एमए. अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमए राजनीतिक विज्ञान और एमए इतिहास जैसे पांच स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें प्रत्येक में 30-30 सीटें उपलब्ध होंगी। कॉलेज में बीए और बीकॉम की कक्षाएं पहले से ही संचालित हो रही हैं। लगभग 16 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा नया कॉलेज भवन अब पूर्णता की ओर है, जिसमें इस सत्र से कक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

डिप्टी सीएम के प्रयासों से शिक्षा का नया युग

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री एवं हरोली के विधायक मुकेश अग्निहोत्री के निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि हरोली कॉलेज को एक बहुआयामी और उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। विज्ञान संकाय की शुरुआत विशेष रूप से उन बेटियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर लेकर आई है, जो अब अपने घर के निकट ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी। कॉलेज में नए कोर्सों की शुरुआत से क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। लोगों ने उपमुख्यमंत्री के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल आर्थिक दृष्टि से राहत प्रदान करेगा, बल्कि ग्रामीण अंचलों में बेटियों की शिक्षा को लेकर सामाजिक सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन लाएगा।

बंदोबस्त कार्यालय खोलने पर भड़के ग्रामीण

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के ककराना गांव के अंतर्गत आने वाले घुघनकला गांव में स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल को सरकार द्वारा एक वर्ष पूर्व बंद कर दिया गया था। अब इस विद्यालय भवन में बंदोबस्त कार्यालय खोले जाने की खबर से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। स्थानीय ग्रामीणों ने बंगाणा उपमंडल के कार्यकारी एसडीएम अमित कुमार को ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय का पुरजोर विरोध जताया है।

सन 1972 में भूमि दान देने वाले ओंकार सिंह, शुभकरण सिंह, कमल सिंह, रणजीत सिंह, अशोक कुमार, राकेश सिंह, कश्मीर सिंह, गुरदयाल सिंह, गुरदेव, स्वर्ण सिंह, सोम सिंह सुरजीत सिंह, उपेंद्र सिंह के आगे कई परिवारों के सदस्य गुरमीत सिंह, केसर सिंह, जोगिंद्र सिंह, विक्रम सिंह,सतपाल, शेर सिंह, मुनीश कुमार, धर्मपाल, आदि दर्जनों ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि यह विद्यालय वर्ष 1972 में खोला गया था और उन्होंने स्वयं अपनी बीस कनाल निजी भूमि शिक्षा विभाग के नाम की थी, ताकि गांव के बच्चों को उचित और नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त हो सके।

विद्यालय में होनी चाहिए शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण।

ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय भवन में केवल और केवल शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां ही संचालित होनी चाहिए, अन्यथा वे अपनी भूमि वापिस लेंगे। उनका कहना है कि यदि सरकार ने स्कूल भवन को कबाड़ बनाना है या उसमें अन्य कार्यालय खोलने हैं, तो उनकी दी गई भूमि को तत्काल वापस किया जाए। स्थानीय जिला पार्षद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा ने कहा कि प्रशासन द्वारा जो बंदोबस्त कार्यालय इस स्कूल भवन में खोलने की योजना है, वह छपरोह पंचायत के अंतर्गत आता है, न कि घुघनकला पंचायत के। ऐसे में यह निर्णय न केवल अनुचित है, बल्कि ग्रामीणों की भावनाओं के साथ भी खिलवाड़ है। ज्ञात हो कि घुघनकला स्कूल को बंद कर दिए जाने के बाद अब गांव के छोटे-छोटे बच्चे लगभग पांच किलोमीटर दूर दूसरे स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। इन बच्चों में तीन दिव्यांग छात्र भी शामिल हैं, जिन्हें सड़क सुविधा न होने के कारण दो किलोमीटर का कठिन रास्ता पैदल तय करके मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ता है। यह स्थिति न केवल शारीरिक रूप से थकाने वाली है, बल्कि बच्चों की शिक्षा में भी बाधा उत्पन्न कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने स्कूल बंद होने के निर्णय को लेकर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय शिमला में याचिका दायर की थी। न्यायालय ने इस मामले में आदेश देते हुए स्कूल को नियमित करने के निर्देश भी दिए थे। बावजूद इसके, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों की अनदेखी की, तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे। इस मामले ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों की उपेक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि स्कूल को पुनः चालू किया जाए और इसमें किसी भी अन्य विभाग का कार्यालय न खोला जाए।

जल्द खुलेगी कैंटीन एवं सस्ती दवाओं की दुकान

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ के थानाकलां स्थित आदर्श अस्पताल में रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय विधायक विवेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अस्पताल के विकास, सुविधाओं के विस्तार और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने को लेकर अनेक अहम निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान इस वर्ष अस्पताल के लिए कुल 14.43 लाख रुपये का वार्षिक बजट पारित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.26 लाख रुपए अधिक है। इस बजट वृद्धि का उद्देश्य अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त बनाना और रोगियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

बैठक में अस्पताल परिसर में एक कैंटीन तथा उचित मूल्य की दुकान खोलने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। यह कदम मरीजों और उनके परिजनों को भोजन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से उठाया गया है। विधायक विवेक शर्मा ने इस प्रस्ताव को सराहते हुए कहा कि इससे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मानवीय बनेंगी।

थानाकलां आदर्श अस्पताल में आरकेएस की बैठक संपन्न

विधायक विवेक शर्मा ने बैठक के बाद थानाकला में निर्माणाधीन वन विभाग के भवन का निरीक्षण भी किया। उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए ताकि भवन समयबद्ध तरीके से तैयार हो सके और जनता को इसका लाभ मिल सके।

विवेक शर्मा ने कहा कि सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दे रही है और क्षेत्रीय अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने अस्पताल स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि वे सीमित संसाधनों में भी बेहतर सेवाएं दे रहे हैं, परंतु बजट में हुई वृद्धि से अब उन्हें और अधिक सहूलियतें मिलेंगी। बैठक में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, अस्पताल प्रशासन मौजूद रहे।

पंजोआ लड़ोली वॉलीबॉल टूर्नामेंट में जोल की शानदार जीत

अनंत ज्ञान, ऊना। चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के गांव पंजोआ लड़ोली में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबाल टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले के दौरान शौर्य क्लब जोल ने आनंदपुर साहिब की टीम को 2-1 से पराजित कर टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की।

इस प्रतियोगिता में कुल 22 टीमों ने भाग लिया, जिससे क्षेत्र में खेल भावना का माहौल और उत्साह चरम पर है। रविवार को खेले गए मैच में प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव राघव राणा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आयोजन समिति को 11,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी भेंट की।

राघव राणा ने युवाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सही दिशा देने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के दौरान अनिल तक्खी, हरबंस लाल, राम कुमार, रमन, वार्ड पंच ओम प्रकाश, सुनील ठाकुर व रविदास समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है।

सेब सीजन के लिए 300 जवान होंगे तैनात

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला सहित जिले भर में सेब सीजन की शुरुआत 15 जुलाई से हो रही है और इस बार पुलिस प्रशासन ने सीजन को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। एसपी शिमला संजीव गांधी ने बताया कि सेब सीजन के दौरान करीब 300 पुलिस जवानों को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया जाएगा ताकि ट्रैफिक प्रबंधन, सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था को सुचारु रखा जा सके।

पुलिस के अनुसार शिमला जिले में चार प्रमुख बेरियर – कुड्डू, बलग, फागू और शोघी पर गाड़ियों और सेब से लदे ट्रकों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। सीजन के दौरान प्रतिदिन करीब 20 से 25 हजार वाहन सेब के परिवहन में शामिल रहते हैं, ऐसे में सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने के लिए ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए गए हैं ।

सख्ती

रामगढ़ धार में अवैध कटान का मामला गर्माया, वन विभाग के कर्मियों पर उठे सवाल

डीएफओ की कार्रवाई से विभाग में मचा हड़कंप

राजेश ठाकुर, अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ विस क्षेत्र की रामगढ़ धार के गांव गहरा में हुए सरकारी भूमि अवैध कटान का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जंगलों में हो रहे इस गैरकानूनी कटान पर अब चर्चा का बाजार गर्म है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस अवैध गतिविधि में कुछ वन कर्मियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।

वहीं जिला फॉरेस्ट अधिकारी (डीएफओ) ऊना सुशील राणा इस पूरे मामले को लेकर गंभीर नजर आ रहे हैं और उन्होंने इस पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उपमंडल बंगाणा की रामगढ़ धार के रेंज ऑफिसर द्वारा जिला फॉरेस्ट अधिकारी को लिखित में शिकायत दी गई, जिसमें उन्होंने अपने ही विभाग के कुछ वन कर्मियों के इस अवैध कटान में शामिल होने की बात कही है। इस शिकायत के आधार पर डीएफओ सुशील राणा ने तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित फॉरेस्ट गार्ड को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित फॉरेस्ट गार्ड के साथ-साथ कुछ अन्य वन कर्मचारी भी इस अवैध कार्य में संलिप्त हो सकते हैं।

डीएफओ ऊना सुशील राणा द्वारा दिए गए नोटिस में इन कर्मियों से यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि आखिर किस परिस्थिति में जंगल में इतने बड़े पैमाने पर कटान हुआ, और उस पर उनकी क्या भूमिका रही। स्थानीय जनता में भी इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पहले भी इस क्षेत्र में जंगलों का अवैध रूप से दोहन किया गया है। लेकिन इस बार स्थिति कुछ अलग है क्योंकि आरोप सीधे वन विभाग के ही कर्मियों पर लग रहे हैं। कुछ वन कर्मियों द्वारा बीमारी का बहाना बनाकर अचानक छुट्टी पर चले जाने से भी संदेह और गहराता जा रहा है। जनता मांग कर रही है कि इस पूरे मामले की विजिलेंस जांच करवाई जाए, ताकि दोषियों की पहचान की जा सके और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले।

रामगढ़ धार के जंगलों में वर्षों से उपज रहे हरे-भरे खैर के पेड़ों का यूं खुलेआम कटना न केवल पर्यावरण के लिए खतरनाक है,बल्कि यह वन संरक्षण अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन भी है। यदि सरकारी कर्मचारी ही इसमें संलिप्त पाए जाते हैं, तो यह न केवल विभाग की साख को ठेस पहुंचाता है, बल्कि जनता का विश्वास भी डगमगाता है।

कानून के तहत होगी सख्त कार्रवाई : सुशील

डीएफओ सुशील राणा ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे वह छोटा कर्मचारी हो या वरिष्ठ अधिकारी, कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि जरूरत पड़ी, तो विभागीय जांच के साथ-साथ पुलिस से भी सहायता ली जाएगी। अब देखना यह होगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है और क्या वाकई दोषियों को उनके किए की सजा मिलती है या फिर मामला केवल फाइलों में दबकर रह जाएगा।

शिव मंदिर शिवबाड़ी का भवन हिमाचली शैली में होगा विकसित

सन्नी पुरी, अनंत ज्ञान

गगरेट। मां चिंतपूर्णी मंदिर के चारों और बसे चार महारुद्रों में से एक द्रोण महादेव शिव मंदिर शिवबाड़ी अंबोटा का मुख्य भवन अब हिमाचली शैली में विकसित होगा। हिमाचल के प्रवेश द्वार पर स्थित इस प्रसिद्ध अध्यात्मिक केंद्र में आते ही श्रद्धालुओं को हिमाचली शैली का पता चल सके इसके लिए अब मंदिर के मुख्य भवन को भव्य तरीके से बनाया जा रहा है।

मंदिर के मुख्य भवन की बाहरी दीवारों पर अब धौलाधार की तलहट्टी में मिलने वाले स्लेट लगेंगे तो मंदिर का गुंबद छोटी काशी के पत्थर यानी मंडी स्टोन से संवारा जाएगा। पुरातत्व विभाग भी इस पौराणिक मंदिर को पुराने स्वरूप में ही रखने की वकालत कर चुका है यही वजह है कि मंदिर प्रशासन ने अब इसे हिमाचली शैली में विकसित करने का निर्णय लिया है।

हजारों लोगों की अगाध आस्था के केंद्र द्रोण महादेव शिव मंदिर के सौंदर्यकरण के लिए मंदिर प्रशासन लगातार प्रयासरत है ताकि इस प्राचीन मंदिर की ख्याति और ज्यादा फैले। मंदिर प्रशासन ने यहां पहले भव्य शिव वाटिका विकसित की और अब मंदिर के मुख्य भवन के सौंदर्यकरण के लिए भी प्रयासरत है। हिमाचली मंदिर अपनी पहाड़ी शैली के लिए जाने जाते हैं।

मंदिर के मुख्य भवन की दीवारें खनियारा स्लेट से सुसज्जित होंगी। मंदिर ट्रस्ट के सह आयुक्त एसडीएम सौमिल गौतम का कहना है कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की द्रोण महादेव शिव मंदिर शिवबाड़ी में अपार संभावनाएं हैं। भगवान शिव के इस पौराणिक स्थल में हजारों लोगों की आस्था है। मंदिर का मुख्य भवन और भी आकर्षक बने इसके लिए प्रयास जारी हैं। उन्होंने दानी सज्जनों से भी शिवबाड़ी के विकास में सहयोग करने की अपील की है।

कुल्लू के बिजली महादेव रोपवे पर आपके क्या विचार हैं

लोनिवि मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बहुचर्चित बिजली महादेव रोपवे निर्माण पर जनता से मांगी राय

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। सुखविंद्र सिंह सरकार में लोक निर्माण के मंत्री विक्रमादित्य सिंह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। अक्सर लोनिवि मंत्री वेबाकी से सोशल मीडिया में सड़कों की समस्याओं सहित जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सुझाव मांगते रहते हैं। इसी कड़ी में अब लोनिवि मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बहुचर्चित बिजली महादेव रोपवे निर्माण को लेकर आम जनमानस से उनकी राय मांगी है।

विक्रमादित्य सिंह की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने भर की देर थी कि कुल्लू जिला ही नहीं, बल्कि प्रदेश भर से फेसबुक यूजर्स ने सुझावों की झड़ी लगा दी। इस समय कुल्लू में बिजली महादेव रोपवे निर्माण मुद्दा एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। केंद्र सरकार की ओर से इस प्रोजेक्ट के लिए 283 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं और अब प्रदेश सरकार की ओर से इस रोपवे निर्माण को लेकर सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद

सोशल मीडिया पर विक्रमादित्य द्वारा डाली गई पोस्ट।

अब कंपनी की ओर से खराहल घाटी में पेड़ों का कटान शुरू किया था। यहां पर 50 से अधिक पेड़ों को काटा जा चुका है, जबकि 200 से अधिक पेड़ और कटने हैं, लेकिन स्थानीय लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। लोगों द्वारा जंगल में जाकर पेड़ों के कटान को रोकने के साथ ही, अब बिजली महादेव रोपवे के विरोध में जन जागरण अभियान शुरू किया है। बिजली महादेव संघर्ष समिति के साथ ही अब घाटी की महिलाएं व युवा भी इस आंदोलन में कूद पड़े हैं। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थल को न ही तो पर्यटन स्थल बनने दिया जाएगा और न ही इस तरह से पेड़ों की बलि देकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने दिया जाएगा। लोगों का कहना है कि जब बिजली महादेव ने देववाणी के माध्यम से बिजली महादेव रोपवे निर्माण के लिए इंकार किया है फिर भी विकास के नाम पर सरकार धार्मिक स्थल को पर्यटन स्थल बनाने पर तुली हुई है। लोगों के अनुसार देव आस्था के साथ सरकार को किसी भी सूरत में नहीं करने देंगे। लिहाजा, बिजली महादेव रोपवे निर्माण को लेकर अब एक बार फिर से विरोध के स्वर उठने लगे हैं और जिला कुल्लू ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेशभर से अधिकतर लोग इसका विरोध कर रहे हैं। यह मुद्दा अब जिला कुल्लू का न रहकर प्रदेश स्तर का बन गया है और ऐसे में अब लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह हमेशा की तरह प्रदेश के गंभीर मुद्दों पर सोशल मीडिया के माध्यम से जिस तरह से जनता की राय मांगते हैं, अब बिजली महादेव रोपवे निर्माण के मुद्दे पर भी सोशल मीडिया पर सामने आए हैं और पोस्ट डालकर उन्होंने जनता से उनकी राय मांगी है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है कि कुल्लू के बिजली महादेव रोपवे पर आपके क्या विचार हैं सोशल मीडिया पर जैसे ही उन्होंने यह पोस्ट डाली उस पर प्रदेशभर के लोगों ने कमेंट्स के माध्यम से अपने विचार रखना शुरू कर दिए। उनकी इस पोस्ट पर अधिकतर लोगों ने रोपवे निर्माण का विरोध किया है। बहरहाल, बिजली महादेव रोपवे निर्माण का मुद्दा अब सिर्फ कुल्लू तक सीमित नहीं रह गया है। इसके विरोध के स्वर अब प्रदेश सरकार के मंत्रियों तक पहुंच गए हैं। अब देखना यह है कि इस रोपवे निर्माण को लेकर मंत्री विक्रमादित्य सिंह अपनी सरकार का पक्ष लेंगे या जनता की आवाज बनकर इसका विरोध करेंगे।

अधिकतर ने कहा नहीं, कुछ ने मंत्री से ही पूछा सवाल

लोगों ने कमेंट के जरिए लिखा कि यह एक देव स्थल है और इसे पर्यटन स्थल से जोड़ने के प्रयास गलत हैं। कुछ लोगों ने लिखा है कि अब क्या फायदा पूछकर पेड़ों पर तो कुल्हाड़ी चला दी। एक ने लिखा है कि बिजली महादेव सिर्फ एक मंदिर ही नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक है। रोपवे बनाकर यहां की शांति, पर्यावरण और स्थानीय जैव विविधता से खिलवाड़ करना किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा। लोगों ने लिखा है कि ये हमारी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। पर्यटन के नाम पर आस्था का व्यवसायीकरण गलत है। वहीं, कुछ लोगों ने यह भी लिखा है कि जब नयना देवी, जाखू, बगलामुखी मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोपवे सुविधा हो सकती है। मां वैष्णो देवी तक हेलिकॉप्टर जा सकता है, तो बिजली महादेव में रस्सी क्यों नहीं। एक व्यक्ति ने लिखा है कि लगना चाहिए, लेकिन स्थानीय लोगों की भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। एक ने यहां तक लिख दिया है कि पहले आप अपने विचार बताइए।

श्रीखंड महादेव यात्रा : चार दिनों में 2464 श्रद्धालुओं का पंजीकरण

देश के कोने-कोने से पहुंच रहे शिवभक्त

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

उत्तर भारत की सबसे कठिन व रोमांचक धार्मिक श्रीखंड महादेव यात्रा के दौरान श्रद्धालु।

आनी। उत्तर भारत की सबसे कठिन व रोमांचक धार्मिक श्रीखंड महादेव यात्रा में इस बार भी हिमाचल ही नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने से शिव भक्तों का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

18,570 फुट की ऊंचाई पर स्थित पवित्र शिवलिंग के दर्शन करने के लिए पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और केरल सहित अन्य राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालु कठिन यात्रा मार्ग को पार कर श्रीखंड पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु न सिर्फ कठिन चढ़ाई के रोमांच का अनुभव कर रहे हैं, बल्कि हिमालय की वादियों में प्राकृतिक सौंदर्य का भी भरपूर आनंद ले रहे हैं। रोजाना जहां कई श्रद्धालु अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं। वहीं, कई श्रद्धालु श्रीखंड महादेव के पवित्र शिवलिंग के दर्शन कर वापस लौट रहे हैं। पंजाब निवासी हरदीप ने बताया कि यह यात्रा जितनी कठिन है, उतनी ही अद्भुत है। रास्ते में कई उतार-चढ़ाव आते हैं इसलिए किसी स्थानीय व्यक्ति की मदद लेना जरूरी है, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके। हरदीप ने बताया कि उन्होंने इस यात्रा के बारे में यूट्यूब पर देखा था और तभी यात्रा करने का निश्चय किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को सलाह दी कि इस यात्रा पर वही आएं, जो शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ हैं, क्योंकि यह यात्रा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत लोगों के लिए ही उपयुक्त है। यात्रा के दौरान हर-हर महादेव के जयकारे भी खूब लगे। कई श्रद्धालुओं ने महादेव के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। लिहाजा, श्रीखंड महादेव यात्रा को लेकर देशभर के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उधर, एसडीएम निरमंड ने बताया कि सुबह कई श्रद्धालु दर्शन कर वापस लौटे हैं। यात्रियों से अपील की है कि वे प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

चौथे दिन 568 श्रद्धालुओं का हुआ पंजीकरण

10 जुलाई से औपचारिक रूप से शुरू हुई इस पवित्र यात्रा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की श्रद्धा, जोश में कोई कमी नहीं देखी गई। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने बताया कि रविवार को शाम 6 बजे तक कुल 568 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया। इसमें 542 पुरुषों के साथ-साथ 26 महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 568 में 328 ऑनलाइन और 240 यात्रियों ने बेसकैंप सिंहगाड में ऑफलाइन पंजीकरण करवाया है। चार दिनों में अब तक कुल 2464 श्रद्धालुओं का पंजीकरण हुआ है। एसडीएम मनमोहन सिंह ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा सावधानपूर्वक करें।

आज निरमंड में होगा विशाल भंडारा

अनंत ज्ञान, आनी। 7 जुलाई को निरमंड के जूना अखाड़ा से माता अंबिका और दतात्रेय स्वामी की श्रीखंड कैलाश के दर्शन को निकली छड़ी यात्रा 14 जुलाई को निरमंड वापस पहुंचेगी।

श्रीखंड छड़ी यात्रा समिति के अध्यक्ष टाकेश्वर शर्मा ने बताया कि 7 जुलाई को निरमंड के दशनामी जूना अखाड़ा से खन्ना कुदरत गिरी ने दावत गिरी की अध्यक्षता के नेतृत्व में रवाना हुई। माता अंबिका और स्वामी दतात्रेय की छड़ी यात्रा दस जुलाई को श्रीखंड कैलाश के दर्शन कर वापस लौट आई है, जो सोमवार को जूना अखाड़ा पहुंचेगी। टाकेश्वर शर्मा ने बताया कि 14 जुलाई को छड़ी यात्रा के स्वागत में जूना अखाड़ा में एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

अधिकारियों को तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने रविवार को उदयपुर उपमंडल की धार्मिक नगरी त्रिलोकीनाथ सहित आसपास के एक दर्जन गांव का दौरा किया। उन्होंने बिहाली पुल का निरीक्षण किया। इस पुल का मरम्मत कार्य हाल ही में पूरा हुआ है।

विधायक ने किशोरी में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरिक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे सभी विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की। विधायक ने संबंधित विभागों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में काम करने की अवधि को ध्यान में रखते हुए समय पर काम को पूरा करें। इस दौरान पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिशाषी अभियंता पवन राणा, प्रधान सतीश, त्रिलोकीनाथ प्रधान दिनेश, उपप्रधान नारायण, ही राम गौड़ , राम लाल बहादुर सिंह, बुद्धि सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान त्रिलोकीनाथ के दरबार में माथा टेका व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। त्रिलोकीनाथ एवं हिंसा में आम जनमानस से विभागीय अधिकारियों के साथ जन समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति जिले का एक समान विकास किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि वह प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश सहित जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में भी एक समान विकास करवाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मील का पत्थर साबित होगा भुंतर डबललेन वैली ब्रिज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

28 सालों से जिस भुंतर डबल लेन ब्रिज का सपना भुंतर सहित घाटी की जनता देख रही थी, जल्द ही वह सपना पूरा होने जा रहा है। करीब पांच करोड़ की लागत से बने इस डबललेन ब्रिज पर 10-12 दिनों में वाहन दौड़ने लगेंगे।

कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने इस संबंध में बताया कि ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि भुंतर में डबललेन वैली ब्रिज बनने का जो सपना यहां की जनता 28 सालों से देख रही है, वह 10-12 दिनों में साकार होने वाला है। भुंतर स्थित ब्यास नदी पर डबललेन वैली ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, अब सिर्फ रंग रोगन व लोड टेस्टिंग का कार्य शेष बचा है। वह भी जल्द पूरा होगा और 10-12 दिनों में यह ब्रिज जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। भुंतर सब्जी मंडी का पुल 1995 की बाढ़ में बह गया था, लेकिन उसके बाद इस पर कोई भी काम नहीं हुआ था और मामूली

भुंतर डबललेन वैली ब्रिज।

मरम्मत करके यह जर्जर हालत में था। ऐसे में इस क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी इस मांग को मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश सूक्खू के आशीर्वाद से और हमारे दृढ़ निश्चय से विभाग ने इस पर काम किया है।

यह पुल इस क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सारा काम पूरा हो चुका है, अब सिर्फ लोड टेस्टिंग होनी है और आगामी 10-12 दिनों में एक बड़े आयोजन के माध्यम से इसे जनता के लिए समर्पित करने के लिए हम वचनबद्ध हूं। यह पुल इस क्षेत्र के लिए एक मात्र कोई इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि कुल्लू की जनता की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। मणिकर्ण, भुंतर, कुल्लू की जनता को इसका फायदा मिलेगा। ब्रिज का निर्माण कार्य करीब 3 दशक के बाद हो रहा है। भुंतर में सिंगल लेन ब्रिज होने से स्थानीय लोगों और बाहरी राज्यों से आने वाले सैलानियों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता था।

28 सालों से यहां की जनता डबल लेन वैली ब्रिज बनाने की मांग कर रही थी, जो कि अब पूरी होने जा रही है। लिहाजा, वर्षों से चली आ रही जनता की मांग अब जल्द ही पूरी होने जा रही है, इसका श्रेय कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर को जाता है। इस पुल पर स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी राज्यों से आने वाले सैलानियों को यातायात की बेहतर सुविधा मिलेगी।

पूजा मलिक को रोटरी क्लब कुल्लू की कमान, राजीव बने महासचिव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

रोटरी क्लब कुल्लू द्वारा इंस्टालेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्यातिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 3070 रोटेरियन रोहित ओबरॉय रहे। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर इलाके के तकरीबन 40 प्रतिष्ठित लोग रोटरी क्लब कुल्लू में सम्मिलित हुए। वहीं, सभी नए सदस्यों को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने पिनअप किया और क्लब में शामिल होने पर बधाई दी। पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अंशुल पराशर ने पिछले दो सालों में रोटरी क्लब कुल्लू द्वारा किए गए सामाजिक कल्याण के कार्यों का ब्यौरा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर व सभी रोटेरियंस के समक्ष रखा। उनकी अध्यक्षता में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3070 द्वारा रोटरी क्लब कुल्लू को उत्कृष्ट कार्यों के लिए बेहतरीन क्लब के अवार्ड से भी नवाजा गया। वहीं, नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन पूजा मलिक ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि क्लब गत कई वर्षों से सामाजिक कार्यों में अपना यथासंभव योगदान देता आया है व भविष्य में भी सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में अग्रणी रहेगा। इस अवसर पर रोटरी क्लब कुल्लू के संस्थापक सदस्य रोटेरियन डॉ. पीडी लाल, रोटेरियन वीके कपूर, रोटेरियन ज्ञान बांगा, चेयरमैन रोटरी आई हॉस्पिटल रोटेरियन इंदीवर मेहता सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब ने नवचेतना संस्था के गिरिधर को विदेश में स्पेशल गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त करने व 64 साल के द्वारका ठाकुर विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करने व बेस्ट एथलीट के लिए पुरस्कृत किया गया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया मनाली का हिमालय पवन पुत्रा ट्रस्ट

अनंत ज्ञान, मनाली

सराज विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन पूरी तरह चरमरा गया है।

बाजार तबाह हो चुके हैं, कई लोग बेघर हो गए हैं और दूर-दराज के गांवों में अब भी राहत नहीं पहुंच पाई है। सराज बाढ़ पीड़ितों की मदद को मनाली का हिमालय पवन पुत्रा ट्रस्ट आगे आया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने सराज पहुंचकर लोगों को 250 तिरपाल सहित कपड़े व खाद्य सामग्री वितरित की। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी चमन कपूर ने कहा कि संकट की घड़ी में प्रशासन राहत कार्यों में जुटा है। साथ ही समाज के संवेदनशील लोग और संगठन भी आगे आकर पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष घटना के दूसरे दिन से सराज में डेरा डाले हुए हैं और हर प्रभावित वो पीड़ित तक पहुंच रहे हैं। कपूर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की सेवा भावना से प्रभावित होकर वह भी अपने सदस्यों के साथ सराज पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र का भयंकर मंजर देखकर बहुत पीड़ा हुई है। कपूर ने कहा कि कुछ दिन पहले वह नशा मुक्ति कार्यक्रम पर सराज आए थे। राज्यपाल भी कार्यक्रम में आए थे, तो यहां की वादियों को बहुत प्रशंसा की थी, लेकिन कुछ दिनों बाद यहां का मंजर देख दिल को बहुत पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की ओर से जो भी हो सकेगा वह प्रभावित लोगों के लिए करेंगे। उन्होंने सराज के लोगों को हिम्मत देते हुए कहा कि सभी मिल-जुलकर काम करेंगे और फिर से सराज को अपने पैरों पर खड़ा करेंगे। कपूर ने समाज के हर व्यक्ति से आग्रह किया कि सराज के बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आएं।

संस्कृत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी शुरू

अनंत ज्ञान, आनी। संस्कृत परिषद कन्या विद्यालय ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत रचनात्मक गतिविधियों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक विशेष ऑनलाइन संस्कृत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा से की है। यह प्रतियोगिता इसी सप्ताह से प्रारंभ की जाएगी।

इसका उद्देश्य छात्राओं में संस्कृत के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनकी विषयवस्तु पर पकड़ को सुदृढ़ करना और परीक्षा संबंधी तैयारी को रोचक एवं प्रभावी बनाना है। इस आयोजन का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य जवाहर ठाकुर के संरक्षण में तथा संस्कृत परिषद संयोजक एवं शास्त्री पद पर कार्यरत आचार्य हीरालाल (कमलेश) के मार्गदर्शन में किया जाएगा। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह एक नई प्रश्नमाला तैयार की जाएगी, जिसे ऑनलाइन माध्यम से छात्राओं को उपलब्ध कराया जाएगा।

मुरलीधर मंदिर ठावा : नई कमेटी पर विवाद गहराया पुजारी ने खीर भंडारे की खबरों का किया खंडन

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

जिला कुल्लू के नग्गर स्थित ऐतिहासिक मुरलीधर मंदिर ठावा में नई कमेटी के गठन को लेकर विवाद गहरा गया है। एक ओर जहां एसडीएम इस मामले की जांच कर रहे हैं। वहीं, नई कमेटी द्वारा मंदिर में खीर के भव्य भंडारे के आयोजन की खबरों को लेकर मंदिर के पुजारी जयदेव आचार्य ने अपना स्पष्टीकरण जारी किया है।

मंदिर के संचालन के लिए हरियानों (स्थानीय समुदाय) की सहमति के बिना एक नई कमेटी का गठन किया गया था। स्थानीय हरियानों ने इस कमेटी के विरोध में कुल्लू डीसी के माध्यम से एसडीएम से हस्तक्षेप कर नई कमेटी के गठन का आग्रह किया है। एसडीएम ने इस मामले में दोनों पक्षों को जवाब के लिए 22 जुलाई को बुलाया है। इस बीच, अवैध रूप से बनी कमेटी के सदस्यों ने मंदिर में एक बैठक की और पुजारी के साथ तस्वीरें भी लीं। इसके बाद, इस कमेटी ने समाचार पत्रों में मंदिर में बड़े खीर भंडारे के आयोजन की खबर प्रकाशित करवाई, जिसमें दावा किया गया था कि यह आयोजन पुजारी की सहमति से किया जा रहा है।

मंदिर कमेटी को लेकर 22 को किया जाएगा फैसला

मंदिर के पुजारी जयदेव आचार्य ने इन खबरों का खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच एसडीएम द्वारा की जा रही है और मंदिर कमेटी को लेकर फैसला 22 जुलाई को किया जाएगा, तब तक वह पहले की तरह ही स्वयं मंदिर का कार्यभार संभाले हुए हैं। पुजारी आचार्य ने बताया कि उन्होंने किसी भी कमेटी को मंदिर में खीर करवाने की अनुमति नहीं दी है। उन्होंने अखबारों में उनकी तस्वीर के साथ लिखी बातों का खंडन किया है। पुजारी जयदेव आचार्य ने बताया कि संक्रांति के दिन हर साल की तरह ही मंदिर में खीर का आयोजन होगा। वह स्वयं भगवान कृष्ण के लिए यह भोग श्रद्धालुओं के साथ मिलकर बनाएंगे। हालांकि, इस दौरान कोई भी कमेटी मंदिर में सक्रिय नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अगर कोई भंडारे का आयोजन करना चाहते हैं, तो वे मंदिर के कार्यक्रम के बाद सावन के महीने में किसी अन्य दिन पर इसका आयोजन कर सकते हैं। पुजारी आचार्य ने बताया कि यह मंदिर काफी पुराना है और इसके रखरखाव को देखते हुए इसे पुरातत्व विभाग के अधीन करने के लिए कई बार प्रस्ताव दिया गया है, लेकिन अभी तक इस मामले पर कोई काम नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से इस प्राचीन मंदिर को बचाने के लिए इसे पुरातत्व विभाग के अधीन करने का आग्रह किया है।

सुख सरकार की नीतियां बच्चों के भविष्य के लिए खतरा : गोविंद

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में आते ही व्यवस्था परिवर्तन की बात करने वाली सरकार ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने बदले की भावना से हजारों स्कूली बच्चों के अधिकारों को कुचलते हुए सैकड़ों शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया। यह प्रदेश के भविष्य के साथ किया गया सबसे बड़ा अन्याय है। गोविंद ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार के समय में मनाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा खंड नगर में राजकीय उच्च विद्यालय मेहा प्रारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि उस समय दूरदराज के गांवों के बच्चों को घर के समीप शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय में पूरा स्टाफ भी नियुक्त किया गया था, लेकिन सत्ता में आते ही सुख सरकार ने न केवल नए विद्यालय खोलने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी, बल्कि पहले से चल रहे विद्यालयों को भी बंद करना शुरू कर दिया। आज इस विद्यालय की स्थिति यह है कि वहां न तो मुख्यध्यापक हैं, न चित्रकला

शिक्षक, न विज्ञान शिक्षक, न शारीरिक शिक्षा शिक्षक और न ही भाषा शिक्षक। उन्होंने सवाल उठाया कि जब विद्यालयों में शिक्षकों की इतनी कमी होगी, तो बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा? उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस विद्यालय में 17 छात्राएं और 16 छात्रा पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय में सभी शिक्षक पदों को भरा जाए, तो विद्यार्थियों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है।

अभियान उझी घाटी के दराल गांव की जागरूक महिलाओं ने मिलकर गांव के रास्तों की सफाई का अभियान छेड़ा

दराल की महिलाओं ने उठाया सफाई का बीड़ा, गांव के रास्ते किए चकाचक

जिला कुल्लू की उझी घाटी के दराल गांव की स्वच्छता अभियान के दौरान महिलाएं।

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। जिला कुल्लू की उझी घाटी के दराल गांव की जागरूक महिलाओं ने मिलकर गांव के रास्तों की सफाई का एक महत्वपूर्ण अभियान छेड़ा।

इस पहल से न केवल गांव की स्वच्छता बढ़ी है, बल्कि इसने अन्य ग्रामीणों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया है। इस सफाई अभियान में गांव की कई महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इनमें वियानी, नीना, रिंकू, मीरा, सत्या, सुनिता, और सरला प्रमुख रूप से शामिल थीं। इन सभी ने सुबह से ही फावड़ा और झाड़ू लेकर गांव के विभिन्न रास्तों की सफाई शुरू कर दी। महिलाओं ने विशेष रूप से उन रास्तों पर ध्यान केंद्रित किया, जहां कूड़ा-कचरा और झाड़ियां जमा हो गई थीं। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद, गांव के रास्ते पूरी तरह से साफ और स्वच्छ दिखाई देने लगे, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। यह अभियान दराल की महिलाओं द्वारा सामुदायिक जिम्मेदारी और स्वच्छता के प्रति उनके समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस पहल से यह संदेश गया कि यदि सभी ग्रामीण मिलकर प्रयास करें, तो गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

300 देवदार के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

प्रदेश में लगातार बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं और विकास के नाम पर हो रहे अंधाधुंध वन कटान के गंभीर परिणामों के बीच, कुल्लू घाटी के पर्यावरण को बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

रविवार को, घाटी के जाने-माने बागवान टीकम राम के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं ने हमारी प्रकृति हमारी धरोहर कार्यक्रम के तहत एक बड़ा पौधरोपण अभियान चलाया। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल प्रदेश लगातार भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है, जिसका एक बड़ा कारण वनों का विनाश माना जाता है। इन गतिविधियों के कारण अब कुल्लू का वातावरण भी लगातार प्रदूषित हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों में गहरी चिंता है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए, रविवार को नथान बीट के नजदीक वरनोट गांव में यह विशेष अभियान चलाया गया। इस पहल के तहत, कुल 300 देवदार के पौधे लगाए गए, जो क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और वायु प्रदूषण को कम करने में सहायक होंगे। इस पौधरोपण अभियान में शामिल सभी प्रतिभागियों ने घाटी की जनता से प्रकृति को संरक्षित करने के लिए सहयोग की भावुक अपील की।

पौधरोपण अभियान के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति पौधरोपण करते हुए।

उन्होंने जोर दिया कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में दिल्ली से आए अनमोल और प्रियंका ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इसके लिए सभी उपस्थित लोगों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। प्रसिद्ध पर्यावरणविद कृष्ण लाल ने भी इस अभियान की सराहना करते हुए इसे भविष्य के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। यह पहल कुल्लू के बिगड़ते पर्यावरण को सुधारने और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सराज आपदा प्रभावित क्षेत्र के लिए भेजी राहत सामग्री : आशीष शर्मा

अनंत ज्ञान, निरमंड

आपदा के बाद कठिन दौर से जूझ रहे मंडी क्षेत्र के लिए प्रदेशभर से सहायता मिल रही है। समाजसेवी संस्थाएं, स्वयंसेवक और राजनीतिक संगठन प्रभावितों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी आईटी विभाग मंडी संसदीय क्षेत्र की टीम ने सराज क्षेत्र के लिए राहत सामग्री भेजी। मंडी संसदीय क्षेत्र के भाजपा पूर्णकालिक विस्तारक सुरेश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष मंडी निहाल चंद शर्मा की अगुवाई में राहत सामग्री की गाड़ी सराज के थुनाग क्षेत्र के लिए रवाना की गई। भाजपा आईटी विभाग मंडी संसदीय क्षेत्र के संयोजक आशीष शर्मा ने बताया कि एक गाड़ी में विस्तर, जूते-चप्पल, राशन, कपड़े सहित महिलाओं का सामान सराज क्षेत्र के लिए भेजा गया। इसमें आईटी विभाग मंडी संसदीय क्षेत्र के युवा साथियों द्वारा सामूहिक रूप से एकत्रित की गई राशि से लंगर खाद्य सामाग्री सहित आवश्यक राहत सामग्री, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के माध्यम से सराज विधानसभा में आपदा प्रभावित जनों के सहयोग के लिए प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त वे स्वयं भी अपनी आईटी टीम सहित सराज क्षेत्र के राहत व पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए रवाना हुए हैं।

सराज आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री भेजते हुए टीम के सदस्य।

उन्होंने बताया कि मंडी संसदीय क्षेत्र के भाजपा आईटी कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से योगदान कर यह राहत सामग्री एकत्रित की है। इसमें पांचों संगठनात्मक जिलों के संयोजक कुल्लू मधुसूदन शर्मा, मंडी श्रवण कुमार, सुंदरनगर गौरव धीमान, लाहौल-स्पीति कुंगा सन्नी, किन्नौर जीवन नेगी सहित सभी मंडल संयोजकों व सहसंयोजकों के साथ मिलकर इस सेवा भाव कार्य को किया गया। कुल्लू मंडल के आईटी संयोजक विजय तथा मनाली मंडल की संयोजिका नीलम ठाकुर ने पूरी टीम को कॉर्डिनेट कर राहत सामग्री रवाना करने से पूर्व सभी कार्यकर्ताओं से एकत्रित होकर आपदा पीड़ितों की कुशलता और पुनर्वास के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया साथ ही आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में और भी सहायता भेजने का सभी से संकल्प लिया। आशीष शर्मा ने बताया कि आपदा की इस विकट घड़ी में वे अपने मंडी जिले की जनता के साथ पूर्ण समर्पण भाव से खड़े हैं और हर संभव सहायता देने को तत्पर हैं।

सोलन शहर में पेयजल समस्या हुई विकराल

पानी की किल्लत को लेकर भाजपा जल शक्ति विभाग का घेराव कर प्रदेश सरकार को घेरने की तैयारी में

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिला मुख्यालय सोलन में पेयजल समस्या विकराल हो गई है। पानी की कमी से शहर के करीब एक लाख पेयजल उपभोक्ताओं को खासी दिक्कतें पेश आ रही हैं। हालत ये हैं कि लोग बारिश के पानी पर निर्भर हैं, जबकि पेयजल की पूर्ति को लोग अब बोतल बंद पानी खरीदने को मजबूर हैं। एक तरफ जल शक्ति विभाग पर मांग अनुसार पानी नहीं देने के आरोप लग रहे हैं, तो नगर निगम भी कुछ ही वार्डों में पेयजल की आपूर्ति करने को लेकर सवालों के घेरे में है। इसको लेकर अब राजनीती भी गरमा गई है। पानी की किल्लत को लेकर भाजपा जल शक्ति विभाग का घेराव कर प्रदेश सरकार को घेरने की तैयारी में है। वहीं, स्थानीय विधायक व मंत्री सहित कांग्रेस नेता पानी की विकराल होती समस्या को लेकर चुप है। इतना ही नहीं पेयजल समस्या से पार्षद भी नगर निगम से खासे नाराज हैं। ऐसे में उपभक्ताओं का रोष बढ़ता जा रहा है, अब भाजपा मंडल सोलन 14 जुलाई को जल शक्ति विभाग के कार्यालय का घेराव करने जा रहा है।

नगर निगम सोलन की मेयर उषा शर्मा का कहना है कि गिरि पेयजल योजना में गाद की समस्या और वोल्टेज की कमी के चलते सोलन शहर को मांग अनुसार पानी लिफ्ट नहीं हो रहा है। पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने तक राशनिंग जारी रहेगी। उपभोक्ताओं से पानी का सदुपयोग करने का आग्रह है।

सोलन शहर में पेयजल टैंकों का पानी खरीदने को मजबूर हो रहे लोग।

गाद की समस्या का समाधान नहीं

व्यवस्थागत खामियों के चलते यह समस्या पिछले कई वर्षों से चल रही है, मगर इसके समाधान के लिए अभी तक कोई कार्य योजना नहीं बनी। कहने को तो जल शक्ति विभाग की गिरि पेयजल योजना में गाद से निपटने को अंडरग्राउंड वाटर टैंक बने हैं, लेकिन कम क्षमता के चलते यह शहर की मांग पूरी नहीं करते। गिरि पेयजल योजना पर निर्भर शहर सहित साथ लगते सैकड़ों गांव के लोग भी इन दिनों पेयजल के लिए भटकने को मजबूर हैं।

पेयजल योजनाओं में आ रही गाद

बारिश के कारण शहर की प्यास बुझाने वाली गिरि नदी व अश्वनी खड्ड में बार-बार गाद आ रही है। पानी मटमेला होने से पेयजल योजनाओं से पानी की लिफ्टिंग मुश्किल हो रही है। गिरि परियोजना से मटमैला पानी आने की शिकायत के बाद जल शक्ति विभाग टैंकों की गाद बैठने के बाद ही पानी की लिफ्टिंग कर रहा है। इससे सोलन को मांग अनुसार पानी नहीं मिल रहा है। यदि अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में लोगों को 5 से 6 दिन बाद ही पानी मिल पा रहा है। आमतौर पर गिरि पेयजल योजना से रोज 18 से 20 लाख गैलन पानी नगर निगम को लिफ्ट होता है पर गाद की समस्या के चलते इन दिनों मांग का 40 से 50 फीसदी पानी ही लिफ्ट हो रहा है। ऐसे में जहां नगर निगम को पानी की राशनिंग करनी पड़ रही है। वहीं, लोगों को भी मांगा अनुसार पानी नहीं मिल पाता। ऐसे में बरसात का मौसम होने के चलते लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है।

पानी लिफ्ट करना मुश्किल

बहरहाल शहर में फिर से पेयजल संकट गहरा गया है। गाद की समस्या गिरि परियोजना के वाटर पंप में खराबी आने का भी खतरा रहता है। इस कारण गिरि पेयजल योजना से सोलन के मुख्य टैंकों में मांग के मुताबिक पानी लिफ्ट करना मुश्किल हो गया है। गाद युक्त पानी से लिफ्टिंग पाइप फटने का भी खतरा रहता है। शहर में पिछले तीन दिनों से लोगों को भी पर्याप्त पानी नहीं मिला। इसके चलते एमएसएस और पड़ग में ही पानी की सप्लाई हुई, जबकि पूरे शहर में पानी नहीं दिया गया। इससे सप्ताह भर से पानी का इंतजार कर रहे लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ा। पानी की मांग पूरी करने को लोगों को फिर से टैंकर का पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ा।

विनय लोगों को गुमराह करना बंद करें: रावत

अनंत ज्ञान, नाहन। संगड़ाह नोहराधार भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत ने कहा कि सरकारी प्रवक्ता ने विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार का प्रभास कार्यक्रम जारी किया था। इसमें उन्होंने लिखा था कि विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार 12 जुलाई को गाताधार पहुंचकर क्षेत्र के लोगों की जन समस्याएं सुनेंगे, लेकिन विनय कुमार का यह प्रवास कार्यक्रम झूठ का पुलिंदा बनकर रह गया है। रावत ने कहा कि विधानसभा उपाध्यक्ष जन समस्याएं सुनने नहीं, बल्कि गाताधार के समीप गांव मंडवाच में शादी समारोह में शरीक होने के लिए आए थे और वहीं पर एक कमरे में बैठकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ जन समस्याएं सुनने का ढोंग कर फोटो खिंचवाई और फोटो खिंचवाने के बाद वापस चले गए, जबकि क्षेत्र के लोग उनका इंतजार गाताधार में कर रहे थे। रावत ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गाताधार में जल शक्ति विभाग का कनिष्ठ अभियंता कार्यालय खोला था। इसको मुख्यमंत्री सुक्खू ने पद संभालते ही डी नोटिफाई कर दिया था।

विभिन्न प्रजातियों के 101 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

श्मशान घाट झाड़माजरी में वन महोत्सव कार्यक्रम के आयोजन पर पौधरोपण के बाद मौजूद लोग।

अनंत ज्ञान, बद्दी

निकटवर्ती बहुचर्चित श्मशान घाट झाड़माजरी में रविवार को कमेटी ने वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसमें विभिन्न प्रजातियों के 101 पौधे रोपे गए। कमेटी के प्रधान नवनीत सिंह ने बताया कि वर्ष 2023 में आई बालद नदी की बाढ़ इस क्षेत्र के श्मशान घाट को बहा ले गई। इस पर साथ लगती कंपनी लोरियल ने दस करोड़ से नदी किनारे डंगे का निर्माण करवाया, तभी यहां पर श्मशान घाट का दोबारा निर्माण संभव हो पाया। सबसे बड़ा औद्योगिक नगर होने के चलते लोगों को दिक्कत हो रही थी, जिस पर कमेटी ने दोबारा जन सहयोग से श्मशान घाट का निर्माण किया। इसके चलते आज पौधरोपण किया गया। इस दौरान शिविलिक सहकारी अवासीय, सभा शिवालिक नगर की टीम के साथ-साथ एक प्रयास संस्था भी पौधे लगाने पहुंची। करीब एक सौ लोगों ने मिलकर एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम से एक-एक पौधा लगा कर उसके रखरखाव की जिम्मेदारी ली। अधिकतर लोगों ने पीपल के पौधों को प्राथमिकता दी। इसके अलावा बरगद, नीम, आम, खैर, शहतूत आदि छायादार और फलदार पौधे रोपे। नवनीत ने श्मशान घाट के कार्य में सहयोग और वन महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार जताया।

न्यूज ब्रीफ

बीदर विवि के छात्र पढ़ेंगे डॉ. राजन की कहानी कम्मू

अनंत ज्ञान, सोलन। कर्नाटक के बीदर विश्वविद्यालय के छात्र अब सोलन के अर्की कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर (हिंदी विभाग) डॉ. राजन तनवर द्वारा लिखी कहानी कम्मू को पढ़ेंगे। बीदर विश्वविद्यालय के बीए थर्ड समेस्टर के पाठ्यक्रम में कम्मू कहानी को सिलेबस में स्थान दिया है, जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। डॉ. राजन तनवर मूलतः सोलन जिले की कंडाघाट तहसील के गांव घाट कुम्हाला (शराड़ाघाट) के रहने वाले हैं। डॉ. तनवर हिंदी की विभिन्न विधाओं में लिखते हैं। कविता, कहानी यात्रा संस्मरण पर उनकी अच्छी पकड़ है। डॉ. राजन तनवर ने अपनी कहानी कम्मू के बारे में बातचीत करते हुए बताया कि उनकी यह कहानी मुख्य रूप से स्त्री विमर्श एवं पर्यावरण विमर्श पर केंद्रित है।

नरेंद्र बने प्राथमिक शिक्षक संघ धुंदन के प्रधान

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। बीआरसीसी धुंदन के सभागार में रविवार को प्राथमिक शिक्षक संघ धुंदन इकाई के चुनाव हुए। यह चुनाव प्रदेश कार्यकारिणी के राज्य महालेखाकार राजेश गुप्ता, राज्य प्रिंट मीडिया जोगिंद्र ठाकुर व जिला कार्यकारिणी सोलन के जिला महालेखाकार चेतराम की निगरानी में हुए। प्राथमिक शिक्षक संघ धुंदन इकाई की नई कार्यकारिणी का चयन निर्विरोध रहा। इसमें नरेंद्र शर्मा प्रधान, दलीप कुमार उपप्रधान, ज्ञान ठाकुर महासचिव, अनिल बंसल कोषाध्यक्ष, हंसराज बंसल मुख्य सलाहकार, सीमा सेन को महालेखाकार बनाया गया। वहीं, महिला विंग की प्रधान सुनीता देवी, संयुक्त सचिव प्रेम कुमारी व बृजलाल शर्मा को चयनित किया गया। प्रधान बनने के उपरांत नरेंद्र शर्मा ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से किया जाएगा। इस मौके पर पर्यवेक्षक के रूप में रमेश शर्मा, योगेश वर्मा, यशपाल शर्मा व कुलदीप ठाकुर उपस्थित रहे।

मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन में वार्ड-14 की हाउसिंग कॉलोनी स्थित महाकालेश्वर मंदिर में रविवार को मंदिर स्थापना दिवस पर विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। स्थानीय सनातन धर्म सभा के प्रधान महेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि मंदिर का 18वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर तीन दिन तक मंदिर में भगवती पाठ के अलावा स्थापना दिवस पर सुबह हवन पूजन किया गया। इसके उपरांत मंदिर में माता की चौकी व भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

आपदा पीड़ितों के लिए रवाना की पिकअप

अनंत ज्ञान, कसौली। कसौली राधा माधव मुक्तिबोध आश्रम, शिव मंदिर ठेडपुरा व मेहलोग के लोगों के सहयोग से मंडी में आई आपदा राहत के लिए एकत्रित राहत सामग्री से भरी पिकअप को पट्टा मेहलोग से रवाना किया गया। समाजसेवी धर्मवीर कौशल ने बताया कि आपदा पीड़ित लोगों को कुछ राहत प्रदान करने के लिए इलाके के दानी सज्जनों के सहयोग से एकत्रित राशन, बर्तन, कपड़े, चप्पल-जूते, तरपाल, कंबल आदि पिकअप से मंडी के लिए रवाना किए गए। इस नेक कार्य में मुख्य योगदान आश्रम के संस्थापक व प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य जगमोहन दत्त शास्त्री व सभी इलाका निवासियों का रहा। उन्होंने बताया कि यह संस्था समय-समय पर मानव सेवा के लिए कार्य करती रही है, जो एक सराहनीय कदम है। इस नेक कार्य के लिए उन्होंने मेहलोग के अन्य लोगों से अनुरोध किया है कि आगे आएं, जिससे त्रादसी पीड़ितों के लिए यथासंभव मदद की जा सके।

हेमचंद कश्यप बने कसौली कोली समाज पट्टा ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष

अश्वनी शर्मा, अनंत ज्ञान

कसौली। कसौली कोली समाज पट्टा ब्लॉक इकाई का गठन प्रदेश कोली समाज के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह की अध्यक्षता व जिला कोली समाज की कार्यकारिणी की उपस्थिति में पट्टा में किया गया।

बैठक में चर्चा के बाद पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर सर्वसम्मति से हेमचंद कश्यप गांव सलगा को पट्टा ब्लॉक का दोबारा से अध्यक्ष चुना गया। इसके इलावा मनोज कश्यप गांव कुठाड़ को वरिष्ठ उपप्रधान, दयाराम तनवर, नित्य प्रकाश, गांव कायल मेहता, पुष्पेंद्र कुमार गांव कुठाड़, नराता राम गांव चयोटा, हीरालाल गांव बनलगी, स्वर्ण सिंह गांव कालू झिंडा, रमेश चंद गांव कासल, राजेंद्र सिंह गांव कथलोह, देवानंद तनवर गांव कुठाड़ को उपप्रधान चुना गया, जबकि ताराचंद को महासचिव, अच्छर सिंह कोषाध्यक्ष, मदनलाल को प्रेस सचिव, हरिराम पंवर व मन्साराम रनौट को मुख्य सलाहकार, अमरनाथ तनवर व बलदेव सिंह को संगठन सचिव मनोनीत किया गया।

कसौली कोली समाज पट्टा ब्लॉक इकाई के गठन पर पट्टा में मौजूद कार्यकारिणी के सदस्य।

बैठक में प्रदेश युवा कोली समाज के अध्यक्ष विनोद कश्यप की अध्यक्षता में पट्टा ब्लॉक युवा कोली समाज की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। इसमें संदीप तनवर को जिला उपाध्यक्ष व पट्टा ब्लॉक प्रधान के लिए गुरदयाल कश्यप तथा लक्की कश्यप को महासचिव चुना गया। बैठक में क्षेत्र की सात पंचायतों के स्वजातीय लोगों ने भाग लिया। जिला कार्यकारिणी के इलावा अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर स्वजातीय लोगों का मार्ग दर्शन किया और समाज को ग्रामीण स्तर पर मजबूत कर जरूरतमंद लोगों की सहायता करने पर जोर दिया।

किन्नौर में जयराम ठाकुर का फूंका पुतला

जगत सिंह नेगी के खिलाफ तू तड़ाक की राजनीति का आरोप

अनिल कुमार नेगी, अनंत ज्ञान

रिकांगपिओ। किन्नौर जिले के रिकांगपिओ में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम का पुतला फूंका। यह प्रदर्शन कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी के खिलाफ जयराम ठाकुर की कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में किया गया।

इस दौरान प्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक के निदेशक विक्रम सिंह नेगी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पेनेलिस्ट सूर्या बोरस, किन्नौर कांग्रेस के महासचिव निर्मल चंद्र नेगी सहित कई अन्य जिला स्तरीय और ब्लॉक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जयराम लगातार प्रोटोकॉल तोड़कर राजनीतिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और अपनी लोकप्रियता के लिए अनर्गल बयानबाजी करते हैं। किन्नौर कांग्रेस कमेटी के महासचिव निर्मल चंद्र नेगी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया पेनेलिस्ट सूर्या बोरस ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री नेगी के खिलाफ प्रेस में अभद्र टिप्पणी की है, जिससे किन्नौर की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि जयराम पिछले पांच वर्षों से विधानसभा के भीतर भी नेगी के खिलाफ तू तड़ाक की राजनीति करते आए हैं, जबकि नेगी ने हमेशा सभ्य भाषा में जवाब दिया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जयराम का यह व्यवहार राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ है और वे अपनी प्रसिद्धि के लिए लगातार ऐसी बयानबाजी करते रहते हैं। कांग्रेस ने कहा कि अब जब जयराम ठाकुर के अपने विधानसभा क्षेत्र में आपदा आई है, तो वे तिलमिला गए हैं। प्रवक्ताओं ने चेतावनी दी कि जब भी जयराम ठाकुर किन्नौर आएंगे, कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी काले झंडों से उनका स्वागत करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का पुतला फूंकते जिला कांग्रेस किन्नौर के कार्यकर्ता।

युवा चित्रकार शुभम चौहान की चित्रकारी के कायल हुए लोग

अर्की के विधायक संजय अवस्थी को चित्रकला भेंट करते शुभम चौहान व साथ हैं अन्य।

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

अर्की उपमंडल के भलग गांव से संबंध रखने वाले युवा चित्रकार शुभम चौहान ने एक अनूठा कार्य कर कला और लोकसंस्कृति के प्रति अपने समर्पण को दर्शाया। शुभम ने सुकेत क्षेत्र के प्रसिद्ध लोकदेवता बाड़ुबाड़ा देवता का एक भावनात्मक चित्र तैयार कर उसे अर्की विधायक संजय अवस्थी को ग्राम पंचायत मांगल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्थानीय समाजसेवी नत्थू राम चौहान के साथ मिलकर भेंट किया।

शुभम चौहान वर्तमान में शिमला कॉलेज में बीएफए द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। अपनी स्कूली शिक्षा मांगल स्कूल से पूर्ण करने वाले शुभम बचपन से ही चित्रकला में रुचि रखते हैं।

उन्होंने अब तक राज्य संग्रहालय शिमला और कुनिहार में अपनी कला प्रदर्शनी लगाई है और राष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी पेंटिंग को पहचान मिल चुकी है। एक राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रतियोगिता में उनकी पेंटिंग को प्रशंसा पदक भी प्राप्त हुआ। शुभम का मार्गदर्शन उनके कला शिक्षक विवेक शर्मा द्वारा किया जा रहा है और वे अब तक तीन राष्ट्रीय कला शिविरों की मेजबानी भी कर चुके हैं।

पंचायत भवन रौड़ी में निशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

170 से अधिक लोगों ने लिया सेवाओं का लाभ

आशीष, अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट। ग्राम पंचायत रौडी और अंबुजा फाउंडेशन दाड़लाघाट के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि मार्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी और सोलन अस्पताल के सहयोग से पंचायत भवन रौडी में चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं प्रदान की और मरीजों को निशुल्क दवाइयां दीं। शिविर में पंचायत प्रधान रौडी रीना शर्मा, पंचायत सदस्य हरदेव शर्मा, मदन शर्मा, डॉक्टर विनायक सोनवाने, गुरदीप कौर, डॉक्टर संदीप वर्मा और तेजभान सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, आंख रोग विशेषज्ञ, नाक कान और गला रोग विशेषज्ञ, एमडी फिजिशियन और हड्डी रोग विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं प्रदान कर मरीजों को निशुल्क चिकित्सा परामर्श और दवाइयां प्रदान की। शिविर में 170 से अधिक लोगों की जांच की। अंबुजा फाउंडेशन ने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

डॉ. गुरदीप कौर और डॉ. विनायक सोनवाने ने लोगों की अधिकतम भागीदारी के लिए धन्यवाद कर आश्वस्त किया कि शिविर में आए हुए गंभीर और रेफरल मरीजों को महर्षि मार्कंडेश्वर हॉस्पिटल में न्यूनतम शुल्क पर व्यवस्था करने की योजना है। अंबुजा फाउंडेशन के अजीत कुमार सिंह ने कहा कि फाउंडेशन नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। पंचायत प्रधान रौडी रीना शर्मा ने शिविर के आयोजन के लिए अंबुजा फाउंडेशन और महर्षि मार्कंडेश्वर यूनिवर्सिटी ओर हॉस्पिटल सोलन का आभार जताया। इस अवसर पर पंचायत प्रधान दाड़लाघाट बंसी राम भाटिया, हरदेव शर्मा, मदन शर्मा, हेमराज गौतम, अनीता शर्मा, सुनीता देवी, रजनी देवी, बिमला देवी, रीनू देवी, नीलम ठाकुर, हर्षा देवी, सीता नेगी, स्नेहलता शर्मा, सोमा देवी, भावना ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पंचायत भवन रौड़ी में चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर के आयोजन पर जांच करते डॉक्टर।

आउटडोर विवाह समारोह में शुरू होगी कैटरिंग सेवा: विपिन

अनंत ज्ञान, कंडाघाट। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम अब घरों से लेकर किसी भी स्थान पर होने वाले विवाह व अन्य समारोह में कैटरिंग की सुविधा शुरू करने जा रहा है।

यह जानकारी निगम के होटल चायल पैलेस परिसर के सहायक महाप्रबंधक विपिन जिस्टु ने दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पंचायत के प्रधानों को पत्र लिखें गए हैं। इसमें लिखा गया है कि उनके क्षेत्र में होने वाले विवाह, पार्टी और अन्य सामाजिक आयोजनों में निगम उच्च स्तरीय कैटरिंग सेवा आयोजक की रूचि और बजट के हिसाब से उपलब्ध करेगा। अच्छे शैफ और भोजन को परोसने और देने के लिए अनुभवी कर्मचारी सेवाएं देंगे पंचायतों को इसकी जानकारी सभी लोगों तक पहुंचाने के लिए लिखा गया है।

डीएवी विद्यालय में बच्चों ने सीखा योग और मार्शल आर्ट

डीएवी स्कूल में आयोजित समर कैंप में खाद्य व्यंजन बनाने की विधि सीखते बच्चे।

अनंत ज्ञान, नाहन

डीएवी विद्यालय नाहन के प्रांगण में एक समर कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि पर्यावरण समिति के अध्यक्ष सुरेश जोशी और उनकी धर्मपत्नी निरुपमा जोशी थे।

इस समर कैंप की मुख्य थीम एक्सप्लोर डिस्कवर व ग्रो थी, जिसका उद्देश्य बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने कौशल और प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्रदान करना था। समर कैंप में बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला, जिनमें योग, मार्शल आर्ट, वैदिक मैथ्स, कुकरी (पाक शास्त्र), ड्रामा, डांस (भांगड़ा, नाटी, कत्थक आदि), म्यूजिक, फाइन आर्ट्स (पेंटिंग और स्पेशल आर्ट्स)- विभिन्न गेम्स (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, वॉलीबाल, क्रिकेट, फुटबॉल आदि प्रतियोगिता हुई। मुख्यातिथि सुरेश जोशी ने कहा कि इस तरह का समर कैंप बच्चों के लिए बहुत लाभकारी होता है। इसमें उनकी ऑलराउंड डेवलपमेंट होती है। उन्होंने स्कूल के इस प्रयास के लिए प्रधानाचार्या जसविंद्र वर्मा की प्रशंसा की। समर कैंप में विभिन्न गतिविधियों के लिए रिसोर्स पर्सन नियुक्त किए गए थे। समर कैंप का आयोजन बच्चों के लिए एक अद्भुत अनुभव था, जिसमें उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपने कौशल और प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्राप्त किया। स्कूल के इस प्रयास के लिए प्रधानाचार्य और शिक्षकों को बधाई दी जानी चाहिए।

परेशानी 19 स्वास्थ्य केंद्रों में लटका है ताला, लोगों को हो रही परेशानी

पच्छाद में स्वास्थ्य सेवाएं राम भरोसे

संजय राजन, अनंत ज्ञान

सराहां। स्वास्थ्य खंड पच्छाद में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह राम भरोसे हैं। इलाके के लोगों के स्वास्थ्य से किस प्रकार खिलवाड़ किया जा रहा है, वह सूत्रों द्वारा एकत्र ये आंकड़े बयां कर रहे है। पच्छाद खंड की 55 हजार के लगभग आबादी को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए 23 स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध हैं।

इनमें एक मेल व एक फीमेल हेल्थ वर्कर के पद उपलब्ध हैं। यानी 46 स्वास्थ्य कार्यकर्ता होने चाहिए, लेकिन जब सूत्रों से जानकारी हासिल की, तो पता चला की इनमें से 19 स्वास्थ्य केंद्रों में ताला लटका है। इस समय इलाके में मात्र तीन स्वास्थ्य कार्यकर्ता ही अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वही, प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में एक कम्युनिटी हेल्थ अफसर का पद सृजित है। इस हिसाब से 23 कॉम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर होने चाहिए, जबकि 3 अफसर ही कार्यभार संभाले हुए है। इस समय प्रदेश व देश की सरकार द्वारा दो दर्जन से ज्यादा स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अब इतना कम स्टाफ इतने कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक कैसे चला रहा है। यह एक यक्ष प्रश्न है। वहीं उपमंडल पच्छाद की 34 पंचायतों के लोगों के अतिरिकत साथ लगती तहसील नाहन, राजगढ़, कसौली, रेणुका के अतिरिक्त पड़ोसी राज्य हरियाणा के साथ लगते इलाकों को लाभवन्तित करने वाला सराहां सिविल अस्पताल इन दिनों खुद ही बीमार नजर आ रहा है। इस समय अस्पताल में डॉक्टरों के नौ, फरमासिस्ट का एक व स्वीपर के दो पद खाली होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सिविल अस्पताल में 11 में से दो डॉक्टर ही कार्यरत हैं। दिन-रात स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए डेपुटेशन पर दूसरी पीएचसी से डॉक्टर को बुला कर सिविल अस्पताल को चलाया जा रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सराहां सिविल अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधा किस तरह से प्रभावित हो रही हैं। विभाग द्वारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली पीएचसी से डॉक्टर को सराहां सिविल अस्पताल में डेपुटेशन पर बदल-बदलकर बुलाया जाता है। डेपुटेशन पर दूसरे पीएचसी से डॉक्टर के आने के कारण उन क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं क्योंकि वहां कोई भी डॉक्टर नहीं होते। रिकॉर्ड के अनुसार सराहां सिविल अस्पताल में डॉक्टर के 11 पद हैं, जिनमें से अब मात्र दो डॉक्टर ही रह चुके हैं। हाल ही में दो डॉक्टरों के स्थानांतरण हो गए हैं, अब दो डॉक्टर 24 घंटे सेवाएं कैसे दे सकते हैं। यह अपने आप में सोचने का विषय है, जबकि यहां काफी मात्रा में मरीज उपचार के लिए आते हैं। वहीं, फील्ड के हालात भी दयनिय हैं। इलाके के मानगढ़ व ढंगयार पीएचसी में डॉक्टर नहीं हैं, जबकि नैनाटिक्कर, घिन्नीघाड़, बागथन, जयहर में फार्मासिस्ट नहीं है। लोगों ने सरकार व विभाग से मांग की है कि जल्द खाली पड़े पदों को भरा जाए, ताकि सभी स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रूप से चल सके।

समय-समय पर सरकार को करवाया जाता है अवगत

इस विषय पर जब सीएमओ सिरमौर डॉ. अमिताभ जैन से बात की, तो उन्होंने बताया कि विभाग समय-समय पर सरकार को रिक्त पदों के बारे में अवगत करवाता रहता है फिर भी हम लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं।

गत्ताधार में बिजली, पानी व सड़क व्यवस्था दुरुस्त रखें: विनय कुमार

विधानसभा उपाध्यक्ष गत्ताधार क्षेत्र का दौरा कर बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति का जायजा लेते हुए।

अनंत ज्ञान, नाहन

हिमाचल प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने सिरमौर जिले के गत्ताधार क्षेत्र का दौरा कर हाल की बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में सड़क मार्गों का नियमित निरीक्षण कर समय पर मरम्मत सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को आवाजाही में कठिनाई न हो।

विनय कुमार ने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश में हुई भारी बारिश ने कई क्षेत्रों की सड़क व्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे सावधानी बरतें और नदी-नालों या भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचें। अधिकारियों को उन्होंने बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सेवाओं की आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश भी दिए। विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा की इस कठिन घड़ी में पूरी संवेदनशीलता और सक्रियता के साथ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्य कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार हर आपदा प्रभावित व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़ी है और हरसंभव सहायता उपलब्ध करवा रही है। इस दौरे में उपमंडल अधिकारी संगड़ाह सुनील कायथ सहित ग्राम पंचायत सांगणा की प्रधान रीना देवी, उपप्रधान संत राम शर्मा तथा अन्य गणमान्य नागरिक और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा में औसत आयु का कम होना चिंता का विषय

अनंत ज्ञान, जींद। गांव कंडेला में खाप प्रधान धर्मपाल कंडेला की अध्यक्षता में सर्वजातीय कंडेला खाप की बैठक रविवार को आयोजित की गई। कंडेला खाप पिछले कई वर्षों से नशा निवारण और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए जनहित में जागरूकता अभियान चला रही है। खाप प्रधान धर्मपाल ने कहा कि खाप ने अपने खाप गांवों में कई आपसी विवादों का समाधान करके भाईचारा स्थापित किया है। फिर भी नशाखोरी पर प्रभावी रोक लगानी अभी भी आवश्यक है। सरकार और प्रशासन को इस दिशा में और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। खाप उपप्रधान दयानंद नंबरदार ने बताया कि कंडेला खाप ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि हरियाणा के लोगों की औसत आयु 68 वर्ष है, जबकि राष्ट्रीय औसत 70 वर्ष है और दिल्ली में यह 74 वर्ष है। भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में औसत आयु का कम होना चिंता का विषय है। इसके पीछे नशा, बेरोजगारी, परिवारों में असंतोष और सामाजिक मूल्यों में गिरावट को मुख्य कारण माना जा रहा है। शिक्षाविद प्राचार्य पवन रेढू ने कहा कि समाज में असुरक्षा और भारतीय संस्कृति में मूल्यों की गिरावट को रोकना आवश्यक है। कंडेला खाप सरकार से अनुरोध करती है कि सभ्य समाज के निर्माण में खापों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए हरियाणा की खापों को सामाजिक संगठन का दर्जा दिया जाए।

सोनीपत पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार में 50 आरोपी दबोचे

अनंत ज्ञान, सोनीपत। सोनीपत पुलिस ने रविवार को सुबह से दोपहर तक ऑपरेशन प्रहार अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य जिले को अपराध मुक्त बनाना था। इस दौरान कुल 80 टीमों में तैनात 496 पुलिस कर्मियों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और विभिन्न मामलों में शामिल 50 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत तीन नए मामले दर्ज कर तीन आरोपियों से 323 बोतल देशी शराब, 145 बोतल विदेशी शराब और 12 बोतल बीयर बरामद की। वहीं, मादक पदार्थ अधिनियम के तहत एक व्यक्ति को 1.8 किलो गांजे सहित पकड़ा गया। इसके अलावा तीन उद्घोषित अपराधी व 36 बेल जम्प करने वालों को भी गिरफ्तार किया गया। सड़क पर संदिग्ध वाहनों की तलाशी में 214 चालान काटे गए और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस आयुक्त ने चेतावनी दी कि अपराधी या तो जिला छोड़ें या अपराध छोड़ें, बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर के निर्देश पर चलाया गया है। पुलिस उपायुक्त नरेंद्र कादयान ने जनता से सहयोग की अपील की।

हमारी यादों में बने रहेंगे शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधु: सैनी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि शहीद स्क्वार्डन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधु सदैव हमारी यादों में रहेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को रोहतक, देव कॉलोनी स्थित स्क्वार्डन लीडर शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधु के घर पहुंचे, उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परिवार जनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की और उनका ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि सिंधु सेना के जांबाज अधिकारी थे। सेना में रहकर वे लगातार देश की सेवा के अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत लोकेंद्र सिंह की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। सैनी ने इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता हरबंस लाल मलिक के घर भी गए। पिछले दिनों बीमारी के चलते हरबंस लाल मलिक का निधन हो गया था। उन्होंने हरबंस लाल मलिक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। इस दौरान हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस सरकार ने अब मुक्ति संग्राम के प्रतीक पर चलाया बुलडोजर

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश में 2013 के शाहबाग आंदोलन के दौरान बनाए गए एक ढांचे को गिरा दिया गया है। यह ढांचा बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की भावना और युद्ध अपराधियों को सजा दिलाने की मांग का प्रतीक माना जाता था। ढाका ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, प्रोजोन्मो चत्तर नाम का यह ढांच शनिवार तड़के गिरा दिया गया। शाहबाग के थाना प्रभारी खालिद मंसूर ने पुष्टि की कि इस ढांचे को बांग्लादेश के आवास और लोकनिर्माण मंत्रालय ने हटाया है। प्रोजोन्मो चत्तर के एक हिस्से को पूरी तरह से तोड़ दिया गया है। अखबार के मुताबिक, इलाके में मौजूद कई चाय बेचने वालों ने बताया कि यह ढांचा आधी रात के बाद बुलडोजर की मदद से तोड़ा गया। खालिद मंसूर ने बताया कि यह ढांचा जिस मंत्रालय के तहत आता है, उसी ने इसे गिराया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि ढांचा क्यों गिराया गया। (अनंत ज्ञान)

शिवसेना के वर्कर्स ने ऑटो ड्राइवर को पीटा

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने एक ऑटो ड्राइवर की पिटाई कर दी। दरअसल, ऑटो ड्राइवर का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह चिल्लाते हुए कह रहा है कि हिंदी और भोजपुरी में बोलूंगा, क्या करोगे? मैं मराठी नहीं बोलता। इसके बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने ऑटो ड्राइवर को पकड़ा और कान पकड़कर मराठी में माफी मंगवाई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर डाला। इसमें ड्राइवर हाथ जोड़कर कहता है कि गलती हो गई, अब मराठी में बोलूंगा। इस दौरान उसे कई थप्पड़ मारे जाते हैं। साथ ही क्षत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारे भी लगाए। (अनंत ज्ञान)

इमरान खान की रिहाई के लिए होगा प्रदर्शन

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान में विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने अपने संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। शनिवार को पार्टी के शीर्ष नेता लाहौर पहुंचे, जहां से यह आंदोलन औपचारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदापुर ने इसे आंदोलन की आधिकारिक शुरुआत बताया और कहा कि 5 अगस्त तक यह प्रदर्शन चरम पर पहुंचाया जाएगा। शनिवार को पीटीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान, खैबर पख्तूनख्वा के सीएम गांदापुर और पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता मलिक अहमद खान भचर लाहौर पहुंचे। इससे पहले इस्लामाबाद में पार्टी नेताओं की बैठक हुई, जिसमें पंजाब विधानसभा से निलंबित 26 विधायकों की स्थिति और आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। (अनंत ज्ञान)

रेलवे सभी कोच में लगाएगा सीसीटीवी कैमरे

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने देश के सभी 74,000 ट्रेन कोच और 15,000

लोकोमोटिव (इंजन) में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है। यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 12 जुलाई को हुई मीटिंग में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। यह फैसला नॉर्दर्न रेलवे में सफल ट्रायल के बाद लिया गया, जहां यात्रियों और रेलवे स्टाफ से प्रोजेक्ट का रिस्पॉन्स लिया गया था। रेलवे हर कोच में 4 डोम टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाएगा। डिब्बे के हर गेट पर दो कैमरे होंगे। इसके अलावा हर इंजन में 6 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनकी पोजिशन फ्रंट, रियर और इंजन के दोनों साइड में होगी। रेलवे यात्रियों की प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए सिर्फ डोर के पास कॉमन एरिया में कैमरे लगाएगा। इसके अलावा अधिकारियों को ये भी निर्देश दिए गए हैं कि सीसीटीवी फुटेज की क्वालिटी और डेटा सिक्योरिटी पर कोई समझौता न हो। (अनंत ज्ञान)

हरियाणा में गैंगस्टर्स का आतंक दो माह में 30 से ज्यादा वारदातें

किसान भवन में राज्यसभा सांसद सुरजेवाला ने सुनीं जनसमस्याएं

अनंत ज्ञान, कैथल

ढांड रोड स्थित किसान भवन में रविवार को राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जन समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके जल्द निपटारे के निर्देश दिए। इस मौके पर सुरजेवाला ने भाजपा पर जमकर कटाक्ष किया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राज में अपराध का अमृत काल चल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा सीएम के पास खुद गृह विभाग है और जिस तरह से अपराध का बेतहाशा विकास हो रहा है, इससे नायब सैनी नाकाम साबित हो चुके हैं। पूर्व की भाजपा सरकारों में गुंडाराज और माफिया राज हमेशा से चेहरा रहा है।

हरियाणा में बढ़ रहा गैंगस्टर्स का आतंक: रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री के जिले में व्यापारियों को सरेआम धमकियां दी जा रही हैं, कारोबारी दहशत में हैं। हरियाणा में आए दिन जघन्य अपराध की वारदातें हो रही हैं जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में गैंगस्टर्स का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है, संगठित अपराध की खुलेआम सक्रियता ने राज्य को जंगलराज की ओर धकेल दिया है।

दो माह में 30 से ज्यादा वारदातें

गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, रोहतक, यमुनानगर, हिसार, सिरसा जैसे शहरों में दिनदहाड़े फायरिंग और धमकियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शराब माफिया और विदेशी गैंगस्टरों के बीच सांठगांठ ने अपराध को और बढ़ावा दिया है, जिसके लिए सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। अपराधियों की हिमाक़त इतनी बढ़ चुकी है कि वे सरकार की ओर से शराब के ठेकों तक की बोली नहीं होने दे रहे हैं। भाजपा की नाक तले अपराधी अपराध को अंजाम दे रहे हैं, और सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है। उन्होंने कहा कि मई और जून महीने में हत्या, रंगदारी, फायरिंग की 30 से ज्यादा घटनाएं हुई हैं और सैनी सरकार अपने सत्ता के सिंहासन पर आंख मूंदकर बैठी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर हमला बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि 1996 से 1999 में जब हविपा और भाजपा की सरकार थी तब गुंडाराज कायम था व 2000 से लेकर 2005 तक जब इनेलो और बीजेपी की सरकार थी तब कस्बों, शहरों, जिलों और सड़कों पर गैंगस्टर्स, माफियाओं और गुंडों से हरियाणा को शर्मसार होना पड़ा था। आज फिर वही दहशत का दौर आ गया है।

फरीदाबादः 22 राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने पर्यटन समेत कई विषयों पर की गहन चर्चा

अनंत ज्ञान, फरीदाबाद

हरियाणा टूरिज्म के सूरजकुड, फरीदाबाद में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद इकाई की राष्ट्रीय बैठक एवं प्रशिक्षण का कार्यक्रम 'मंथन 2025' का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत गणराज्य के 22 प्रदेशों के चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया। इस बैठक में परिषद के केंद्रीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ-साथ सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव टीम की भी गरिमामयी सहभागिता रही। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय चेयरमैन राहुल द्विवेदी के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रतिनिधित्व करने वाले 22 राज्यों में गुजरात, मध्य प्रदेश, दमन-दीव, असम, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, दिल्ली, गोवा, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु प्रमुख रहे। इस बैठक में प्रशिक्षण सत्र को विक्रम शर्मा, सेंट्रल डायरेक्टर, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में परिषद की कार्यप्रणाली, राज्य स्तर पर संचालन की रणनीति, एवं संगठनात्मक दक्षता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही, परिषद के सभी सदस्यों को पी.आर.शर्मा, सेंट्रल एडवाइजर, द्वारा भी बहुत ही अहम बिंदुओं पर गहन मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उनके कार्बन क्रेडिट के पहलुओं और बिंदुओं पर प्रकाश डाला एवं एडवोकेट उमाशंकर राहुल जी के द्वारा भी विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे गए। राहुल द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में सभी राज्यों से पधारे प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी पर्यावरण की समृद्धि और संवेदनशीलताओं को समझते हुए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। हमें संगठन की कार्यनीति का अनुशासित पालन करते हुए, समर्पित एवं प्रतिबद्ध भाव से आगे बढ़ना होगा। भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय लक्ष्यों की पूर्ति हेतु संवाद, सहयोग और निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। ऐसे 'मंथन' हम समय-समय पर आयोजित करते रहेंगे।

फरीदाबाद : 81 लाख ठगी के आरोप में एनटीपीसी का रिटायर्ड कर्मचारी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, फरीदाबाद

फरीदाबाद में एनटीपीसी से रिटायर्ड कर्मचारी को साइबर पुलिस ने स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी बी टेक पास है और उसके खाते में ठगी के 20 लाख रुपए आने के बाद वह पुलिस के निशाने पर था। पुलिस ने गाजियाबाद में रेड कर उसे दबोचा। अब उससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

जानकारी अनुसार, सेक्टर-19 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी शिकायत में बताया कि उसके पास वॉट्सऐप पर एक नंबर से मैसेज आया, जिसने लिडिया शर्मा नाम से खुद का परिचय दिया। उसने कहा कि वह विदेशी निवेश पोर्टफोलियो से जुड़ी हुई हैं। इसके बाद उन्हें वीआईपी 64 और एलीट एक्सचेंज सेंटर नामक दो वॉट्सऐप ग्रुपों में जोड़ा। जहां स्टॉक मार्केट में निवेश पर विभिन्न पोस्ट शेयर की जाती थीं, फिर उसने शिकायतकर्ता को वेबसाइट पर पंजीकरण कर ट्रेडिंग के लिए कहा और निवेश राशि का तीन गुना रिटर्न देने का लालच दिया। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता से स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर विभिन्न ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 81 लाख 25 हजार रुपए ठग लिए।

साइबर थाना सैंट्रल पुलिस ने इस केस में कार्रवाई करते हुए यूपी के गाजियाबाद में इंदिरापुरम के रहने वाले बिरेंद्र सिंह (65) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बिरेंद्र सिंह (65) एनटीपीसी से रिटायर्ड कर्मचारी है और बीटेक पास है। मामले में आरोपी खाताधारक है। आरोपी के खाते में ठगी के कुल 20 लाख रुपए आए थे।

सेना के जवानों ने सैन्य क्षेत्र से पकड़ा संदिग्ध युवक, पुलिस को सौंपा

अनंत ज्ञान, हरिद्वार। सैन्य छावनी से सेना के जवानों ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा है। युवक से पूछताछ की गई, लेकिन उसकी ओर से कोई जानकारी न दिए जाने पर सेना ने उसे पुलिस को सौंप दिया है। रविवार दोपहर को सेना के जवानों को सेना छावनी में एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता नजर आया। युवक की गतिविधि पर संदेह होने पर सेना के जवानों ने उसे पकड़ लिया। उससे पूछताछ की गई, लेकिन उससे कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिल पाई। सेना ने इस बात की जानकारी कोतवाली सिविल लाइंस पुलिस को दी। पुलिस युवक को कोतवाली ले आई। यहां लाकर उससे काफी पूछताछ की गई। एलआईयू की ओर से भी युवक से पूछताछ की गई। बताया गया है कि युवक मानसिक दिव्यांग जैसा व्यवहार कर रहा है। कोई भी बात सही नहीं बता रहा है। वह केवल तरनतारन का नाम ले रहा है। कोतवाली सिविल लाइंस प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि युवक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

नगर परिषद का 3 साल का कार्यकाल पूरा होने पर 220 ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, झज्जर

बहादुरगढ़ नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी द्वारा का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर रविवार को पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी के कार्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में 220 लोगों में रक्तदान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर मुख्यातिथि और भाजपा के कई नेता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेरक्तदान शिविर आरंभ होने से पहले हवन हुआ, जिसमें चेयरपर्सन सरोज राठी व भाजपा कार्यकर्ताओं ने आहुति दी।

रक्तदान शिविर में हरियाणा सरकार में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, मुंडका से विधायक गजेंद्र दराल, भाजपा जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, भाजपा प्रत्याशी रहे दिनेश कौशिक, संजय कबलाना, झज्जर नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी, पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, एसीपी दिनेश कुमार, नगर परिषद के ईओ अरुण नांदल, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी सहित पार्षदों, भाजपा पदाधिकारियों, गणमान्य जनों ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया। मुंडका से विधायक गजेंद्र दराल ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में रक्त का संचय जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा लोकहित समिति के अध्यक्ष नरेश कौशिक के सहयोग से किया गया। शिविर में 220 ने रक्तदान कर पुण्य कमाया।

रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने चेयरपर्सन सरोज राठी व सभी पार्षदों को तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी आपस में मिलकर बहादुरगढ़ शहर का नगर परिषद के माध्यम से विकास कराए।

देश-विदेश

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले पर सनत कौल बोले-

पायलट की भूमिका पर अभी से निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी

एजेंसी, नई दिल्ली

एविएशन एक्सपर्ट सनत कौल ने एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट ठीक नहीं लग रही है। इसमें जरूरी हस्ताक्षर भी नहीं हैं, जबकि यह जरूरी होता है। सनत कौल का कहना है कि इस जांच टीम में ऐसे पायलट को शामिल किया जाना चाहिए, जिसे बोइंग 787 या कम से कम 737 विमान की पूरी समझ हो। उन्होंने यह भी जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) की गाइडलाइंस, खासकर Annex 13 के अनुसार जांच होनी चाहिए। इसमें अनुभवी पायलट को भी शामिल करना चाहिए। सरकार ने बताया कि यह जांच ICAO के नियमों और 2017 के विमान दुर्घटना जांच नियमों के तहत हो रही है। इसकी अध्यक्षता गृह सचिव कर रहे हैं, जिसमें कई बड़े अधिकारी शामिल हैं। दरअसल, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई-171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। (अनंत ज्ञान)

दिल्ली में कार ने 5 लोगों को कुचला

एजेंसी, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक तेज रफ्तार सफेद ऑडी कार ने फुटपाथ पर सो रहे 5 लोगों को कुचल दिया। हादसा रात करीब 1:45 बजे शिवा कैंप के सामने हुआ। मेडिकल जांच में सामने आया कि कार चला रहा ड्राइवर नशे में था, जिस वजह से वह मौके से भाग नहीं सका और पकड़ा गया। घायलों की पहचान लाधी (40), उनकी 8 साल की बेटी बिमला, पति साबामी उर्फ चिरमा (45), राम चंदर (45) और उनकी पत्नी नारायणी (35) के रूप में हुई है। ये सभी राजस्थान के रहने वाले हैं और दिल्ली में मजदूरी करते हैं। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। (अनंत ज्ञान)

देश में अगले माह से शुरू होगा मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने अगले महीने से पूरे भारत में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी शुरू कर दी है। यह पुनरीक्षण बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण जैसा होगा। चुनाव आयोग की तरफ से यह कदम उस समय उठाया गया है जब पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधानिक दायित्व करार दिया और चुनाव आयोग को बिहार में इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। बता दें कि, चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ कुछ विपक्षी पार्टियों और अन्य संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में इस पुनरीक्षण के खिलाफ चुनौती दी थी, उनका कहना था कि इससे योग्य नागरिकों को वोट डालने का अधिकार मिल सकता है।

बिहार में बवाल के बाद उठे थे सवाल

वहीं राज्यो में विधानसभा चुनाव की बात करें, तो बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल में विधानसभा चुनाव होंगे। चुनाव आयोग का देशव्यापी मतदाता सूची पुनरीक्षण करने का फैसला बांग्लादेश और म्यांमार समेत कई राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। (अनंत ज्ञान)

किन राज्यों में कब किया गया था विशेष पुनरीक्षण?

अब कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने उन राज्यों में आखिरी बार किए गए विशेष पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को सार्वजनिक कर दिया है। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में आखिरी बार पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में 2006 में आखिरी पुनरीक्षण हुआ था, और अब उस वर्ष की सूची राज्य की वेबसाइट पर है।

28 जुलाई के बाद होगा आखिरी फैसला

चुनाव आयोग ने कहा है कि 28 जुलाई को बिहार मामले की सुनवाई के बाद, वह देशव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम निर्णय लेगा। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी अवैध प्रवासियों को उनके जन्मस्थान की जांच करके हटाया जाएगा।

यूपी में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत

एजेंसी, लखनऊ

यूपी के ज्यादातर जिलों में मानसून की तेज बारिश जारी है। ललितपुर में माताटीला बांध के 20, गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। वाराणसी में तेज बारिश के कारण गंगा नदी हर घंटे 2 सेंटीमीटर बढ़ रही है। घाट किनारे के कई मंदिर पानी में डूबे हैं। मणिकर्णिका घाट पूरी तरह डूबा है, जिसकी वजह से अंतिम संस्कार छत पर किया जा रहा है। राज्य में पिछले 24 घंटे की बात करें तो बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हुई। राजस्थान में के भीलवाड़ा में दो चचेरे भाई नाले में डूब गए।

राजस्थान में कई नदियां उफान पर, अजमेर रेलवे स्टेशन में पानी भर गया

राजस्थान के कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, भीलवाड़ा, अजमेर, जोधपुर, बांसवाड़ा में तेज कई नदियां उफान पर हैं। अजमेर रेलवे स्टेशन में पानी भर गया। वहीं, झारखंड के सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा जिलों में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हुई। उत्तराखंड में भी अचानक बाढ़ आने से लैंडस्लाइड का हुआ है। (अनंत ज्ञान)

इसराइली हमले में घायल हुए थे ईरान के राष्ट्रपति

एजेंसी, तेहरान। ईरान और इसराइल के बीच पिछले महीने 12 दिनों तक जंग हुई थी। इस दौरान 16 जून को इसराइल के हमले में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान घायल हो गए थे। ईरानी न्यूज एजेंसी फार्स ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इसराइल ने 16 जून को तेहरान के पश्चिमी हिस्से में एक इमारत पर 6 मिसाइलों से हमला किया था। उस समय इमारत में देश की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कैबिनेट की बैठक चल रही थी। बैठक में राष्ट्रपति पजशकियान के साथ ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, न्यायपालिका प्रमुख गुलाम-हुसैन मोहसेनी एजेई और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि ये सभी इमारत की निचली मंजिल में मौजूद थे, इसलिए हमले का उन पर बहुत असर नहीं हुआ। लिहाजा सभी इमरजेंसी गेट से भागने में कामयाब रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसराइल राष्ट्रपति पजशकियान को नसरल्लाह की तरह मारना चाहता था। इसराइल ने 1 अक्तूबर 2024 को बेरूत में नसरल्लाह के सीक्रेट बंकर पर हमला किया था। उनकी जहरीले धुएं में दम घुटने से मौत हो गई थी। (अनंत ज्ञान)

चेतावनी नॉर्थ कोरिया को निशाना बनाकर कोई सिक्योरिटी अलायंस या सैन्य गठबंधन न बनाए

रूस ने अमेरिका, साउथ कोरिया व जापान को चेताया

एजेंसी, प्योंगयांग

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान को चेतावनी दी है कि वे नॉर्थ कोरिया को निशाना बनाकर कोई सिक्योरिटी अलायंस या सैन्य गठबंधन न बनाएं। लावरोव नॉर्थ कोरिया के शहर वॉनसान में थे। इस दौरान वे नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन से मिले। इसके अलावा उन्होंने नॉर्थ कोरिया की विदेश मंत्री चोई सोन भी मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद लावरोव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका, साउथ कोरिया और जापान नॉर्थ कोरिया के चारों तरफ सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम चेतावनी देते हैं कि इन रिश्तों का इस्तेमाल किसी के खिलाफ गठबंधन बनाने में न किया जाए, चाहे वो नॉर्थ कोरिया हो या रूस।

लावरोव ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय मामलों में मिलकर काम करने की बात कही। पिछले कुछ वर्षों में रूस और नॉर्थ कोरिया के रिश्ते काफी गहरे हुए हैं। (अनंत ज्ञान)

नॉर्थ कोरिया की परमाणु नीति को सही ठहराया

लावरोव तीन दिन की यात्रा पर शुक्रवार को नॉर्थ कोरिया पहुंचे थे। शनिवार को उन्होंने अपने नॉर्थ कोरियाई समकक्ष चोई सोन हुई से मुलाकात की। लावरोव ने कहा कि रूस समझता है कि नॉर्थ कोरिया क्यों परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा, नॉर्थ कोरिया की तकनीक उसके वैज्ञानिकों की मेहनत का नतीजा है। हम उनकी महत्वाकांक्षाओं का सम्मान करते हैं।

रूस की मदद के लिए और सैनिक भेजेगा नॉर्थ कोरिया

यूक्रेनी खुफिया एजेंसी के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया रूस की सैन्य कार्रवाई में मदद के लिए 25 से 30 हजार सैनिक और भेजने की तैयारी में है। पिछले साल उसने करीब 11 हजार सैनिक रूस भेजे थे। नॉर्थ कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, किम जोंग उन ने रूस-यूक्रेन जंग में रूस की कार्रवाइयों का समर्थन किया।

स्पोर्ट्स विंडो

पिछले साल से अधिक भव्य होगा यूपीएल सीजन-2: माहिम वर्मा

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) सीजन-2 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के सचिव माहिम वर्मा ने बताया कि सितंबर 2025 में होने वाले इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य बनाया जाएगा। माहिम वर्मा ने बताया कि उत्तराखंड में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) लगातार काम कर रहा है। पिछले कुछ सालों से उत्तराखंड की महिला क्रिकेट टीम का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा। वहीं उत्तराखंड से निकले कई पुरुष खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय पटल पर अपनी छाप छोड़ी है। 2024 में हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल सीजन 1) से भी यहां क्रिकेट को बड़ा बूस्ट मिला। उन्होंने बताया कि इस बार अक्तूबर से क्रिकेट का डोमेस्टिक सीजन शुरू हो जाएगा। इससे पहले क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड यूपीएल संपन्न करवा देगा। उन्होंने कहा कि पिछले सीजन में तैयारी को लेकर एसोसिएशन को बहुत कम समय मिला था। इस बार हमारे पास पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा कि इस बार का उत्तराखंड प्रीमियर लीग पिछले साल से और अधिक भव्य होगा। (अनंत ज्ञान)

डीएवी आलमपुर का क्लस्टर स्तरीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। डीएवी आलमपुर ज़िला कांगड़ा की एथलेटिक टीम ने डीएवी पट्टाजाटियां में आयोजित क्लस्टर स्तरीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया। इस टीम ने 2 स्वर्ण, 10 रजत और 11 कांस्य पदक सहित कुल 23 पदक जीते। छात्रों की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और सामूहिक कार्य का प्रमाण है। अंडर-14 बालिका रिले रेस में(4×100 मीटर) में वैष्णवी, यशिका, अक्षरा अक्षरा ने रजतपदक जीता द्य अंडर-17 बालिका रिले (4×100 मीटर) में तन्वी चौधरी, अक्षिता, अदिति, अंशिका ने रजत पदक झटका। अंडर-14 बालक रिले (4×100 मीटर): में शिवम, मुकुल, अनिकेत, विहान कांस्य ने कांस्य पदक जीता। अक्षिता (अंडर-17 बालिका) ने 100 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। न्यासा ठाकुर (अंडर-14 बालिका) ने 800 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता द्य थ्रोइंग स्पर्धा में शगुन (अंडर-19) ने शॉटपुट में स्वर्ण और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता। लंबी कूद में न्यासा (अंडर-14) ने स्वर्ण पदक जीता कर गौरवन्वित किया। प्रधानाचार्य बिक्रम सिंह ने छात्रों और प्रशिक्षकों को बधाई दी और कहा कि आपने कड़ी मेहनत व शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम रेखा पार कर ली है। उन्होंने प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह उपलब्धि डीएवी आलमपुर के लिए गर्व का क्षण है और विद्यालय समुदाय सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता है। (अनंत ज्ञान)

ऋतुराज-उत्कर्षा की खूबसूरत जोड़ी

नई दिल्ली। ऋतुराज गायकवाड़ की वाइफ उत्कर्षा पवार हैं, जो काफी खूबसूरत हैं। उत्कर्षा भी ऋतुराज की तरह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर हैं और वह महाराष्ट्र महिला क्रिकेट टीम की ओर से खेल चुकी हैं। वहीं, इन दोनों की तस्वीरों को देख पता चलता है कि दोनों घूमने के काफी शौकीन हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरा टेस्ट | चौथा दिन | सुंदर ने 3 और सिराज ने लिए 2 विकेट

दूसरी पारी में लड़खड़ाई इंग्लैंड की बल्लेबाजी

एजेंसी, लंदन

लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने इंग्लैंड का टॉप ऑर्डर पूरी तरह विफल रहा है। रविवार को इंग्लैंड टीम को ओपनिंग बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट से बड़ी शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन यह जोड़ी एक बार फिर असफल रही। इंग्लैंड को 22 के स्कोर पर पहला झटका मोहम्मद सिराज ने बेन डकेट के रूप में दिया। डकेट 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 42 के स्कोर पर ओली पोप भी 4 रन बनाकर सिराज का शिकार हुए। जैक क्रॉली 22 रन बनाकर नितीश रेड्डी का शिकार बने। हैरी ब्रूक ने तीन विकेट के दबाव को कम करने की कोशिश में तेज बल्लेबाजी की, लेकिन वह भी 19 गेंद पर 23 रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें आकाश दीप ने बोल्ड किया। रूट 17 और स्टोक्स 2 रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले, भारत की पहली पारी 387 रन पर समाप्त हुई थी। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल में शतक लगाया था। वह 100 रन बनाकर आउट हुए. ऋषभ पंत ने 74 और रवींद्र जडेजा ने 72 रन बनाए थे। इसके अलावा करुण नायर ने 40 रन की पारी खेली थी। समाचार लिखे जाने तक इंग्लैंड ने 54 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 175 रन बना लिए थे। बेक स्टोक्स (32) और क्रिस (8) रन बनाकर खेल रहे थे। (अनंत ज्ञान)

जो रूट को आउट करने के बाद खुशी मनाते टीम इंडिया के खिलाड़ी।

टीम इंडिया ने विदेशी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

एजेंसी, लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच फिलहाल लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। हालांकि, शुभमन गिल की टीम इंडिया ने तीन टेस्ट में ही एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तीसरे टेस्ट में अभी टीम इंडिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं आई है। आधे सफर में ही भारत ने न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय टीम किसी विदेशी सरजमीं पर एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीम बन गई है।

न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ा

भारत ने अब तक सीरीज में पांच बार बल्लेबाजी की है और कुल 36 छक्के लगाए हैं। इससे पहले विदेशी सरजमीं पर एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के नाम था। न्यूजीलैंड ने 2014/15 में पाकिस्तान के खिलाफ यूएई में 32 छक्के जड़े थे। तब यूएई को पाकिस्तान के घरेलू मैदान के तौर पर देखा जाता था। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 32 छक्के लगाए थे। वहीं, वेस्टइंडीज ने 1974/75 में भारतीय दौरे पर 32 छक्के लगाए थे। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज खेली गई थी। वहीं, भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में आधे सफर में ही 36 छक्के जड़ दिए हैं। इंग्लैंड ने लीड्स में खेला गया पहला टेस्ट पांच विकेट से अपने नाम किया था। वहीं, दूसरा टेस्ट भारत ने 336 रन से जीता था। दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला गया था। यह टीम इंडिया की इस मैदान पर पहली टेस्ट जीत रही। किसी भी एशियाई टीम की इस मैदान पर पहली जीत रही। अब लॉर्ड्स में जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में बढ़त बनाना चाहेगी। शुभमन गिल की अगुवाई में जब टीम इंडिया इस दौरे पर आई थी, तो लगभग सभी क्रिकेट पंडितों ने टीम को कम आंका था। (अनंत ज्ञान)

इगा स्वियातेक पहली बार बनीं विंबलडन चैंपियन

एजेंसी, लंदन

पोलैंड की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने शनिवार को विम्बलडन 2025 के महिला एकल फाइनल में इतिहास रचते हुए अपने करियर का पहला विम्बलडन खिताब जीत लिया है। 24 वर्षीय स्वियातेक ने अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा को महज 26 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर टेनिस जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

यह जीत न केवल स्वियातेक के लिए भावनात्मक रूप से खास रही, बल्कि उन्होंने पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी बनने का गौरव भी हासिल किया है जिन्होंने विम्बलडन का खिताब अपने नाम किया है।

यह इगा स्वियातेक का छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वे चार बार फ्रेंच ओपन और एक बार यूएस ओपन जीत चुकी हैं। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक खेले सभी छह ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले जीते हैं, यानी उनका फाइनल में जीत का रिकॉर्ड शतप्रतिशत है।

23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के लिए यह फाइनल किसी दु:स्वप्न से कम नहीं रहा। वे पूरे मुकाबले में एक भी गेम नहीं जीत सकीं। स्वियातेक के आक्रामक अंदाज और बेजोड़ नियंत्रण ने उन्हें कोर्ट पर टिकने नहीं दिया। इस तरह की एकतरफा जीत विम्बलडन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में विरले ही देखी जाती है। (अनंत ज्ञान)

त्रिकोणीय टी20 सीरीज: न्यूजीलैंड ने चोटिल एलन की जगह कॉनवे को टीम में किया शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

जिम्बाब्वे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को टी20 स्क्वाड में शामिल किया है। उन्होंने फिन एलन की जगह ली है, जो मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 के दौरान लगी चोट के कारण बाहर हो गए थे।

न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने एक बयान में कहा कि हम फिन के लिए वाकई बहुत दुखी हैं। मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके अच्छे प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पा रहे हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र की चौकड़ी के अतिरिक्त कवर के रूप में मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन को भी टीम में शामिल किया है। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत सोमवार से हो रही है। सीरीज का फाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को साउथ अफ्रीका से खेलेगी। (अनंत ज्ञान)

पंत के रन आउट पर राहुल बोले-यह हम दोनों के लिए था निराशाजनक

एजेंसी, लॉर्ड्स

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के रन आउट होने पर केएल राहुल ने कहा कि यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था। उन्होंने कहा कि कोई भी अपना विकेट इस तरह नहीं गंवाना चाहता। साथ ही राहुल ने बताया कि वह लंच से पहले अपना शतक पूरा करना चाहते थे।

ऋषभ पंत उस समय बल्लेबाजी करने आए थे जब भारत ने 107 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल के रूप में तीसरा विकेट गंवा दिया था। इसके बाद पंत ने राहुल के साथ शतकीय साझेदारी की। दोनों बल्लेबाज मैच के तीसरे दिन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन लंच से ठीक पहले पंत रन आउट हो गए। पंत ने 122 गेंदों पर 72 रन बनाए थे।

केएल राहुल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुछ ओवर पहले पंत से बातचीत हुई थी। मैंने उनसे कहा कि अगर हो सका तो लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा कर लूंगा। लंच से पहले बशीर ने आखिरी ओवर फेंका, तो मुझे लगा कि शतक बनाने का अच्छा मौका है, लेकिन, हां, बदकिस्मती से मेरी गेंद सीधे फील्डर के हाथ में चली गई। यह ऐसी गेंद थी जिस पर मैं चौका लगा सकता था।

राहुल ने कहा कि वह बस स्ट्राइक रोटेट करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि क्या वह मुझे वापस स्ट्राइक पर ला सकते हैं लेकिन, हां, ऐसा नहीं होना चाहिए था। उस समय एक रन आउट ने वास्तव में खेल की गति बदल दी। राहुल ने कहा कि यह हम दोनों के लिए निराशाजनक था। जाहिर है, कोई भी अपना विकेट इस तरह नहीं गंवाना चाहता।

राहुल ने कहा कि जाहिर है थोड़ी निराशा हुई। हम वाकई अच्छी स्थिति में थे। मैंने और ऋषभ ने लंबी साझेदारी की और फिर हम दोनों आउट हो गए। वह लंच से ठीक पहले आउट हो गए और मैं लंच के ठीक बाद। यह आदर्श नहीं था। आपके पास शीर्ष पांच में सेट बल्लेबाज थे जिन्होंने अच्छी शुरुआत की थी, इसलिए आप चाहते हैं कि उनमें से कोई एक या दोनों आगे बढ़कर बड़ा स्कोर बनाएं, टेस्ट मैच में इसी तरह आप आगे बढ़ते हैं। (अनंत ज्ञान)

बड़ी ब्राह्मणा को हराकर अमृतसर बना वॉलीबॉल टूर्नामेंट विजेता

एजेंसी, खौर। कृष्णा स्पोर्ट्स क्लब ने एक ऊर्जावान राष्ट्रीय स्तर के वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया, जिसमें देशभर की 16 टीमों' ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एथलेटिक क्षमता, एकता और युवा सशक्तिकरण का उत्सव साबित हुआ जिसने पूरे आयोजन के दौरान भारी भीड़ जुटाई और खेल भावना को बढ़ावा दिया। फाइनल मैच टीम अमृतसर (पंजाब) और टीम बड़ी ब्राह्मणा (जम्मू) के बीच हुआ जहां पंजाब ने बेस्ट-ऑफ-थ्री सीरीज में दोनों सेट 25-19 और 25-21 से जीतकर जीत हासिल की जिससे तीसरा सेट अनावश्यक हो गया। पंजाब ने चैंपियनशिप का खिताब जीतने के लिए असाधारण टीम वर्क और कौशल का प्रदर्शन किया। पंजाब के कप्तान मनबीर सिंह ने आयोजकों और उत्साही दर्शकों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस अवसर के लिए आभारी हैं और दर्शकों तथा कृष्णा स्पोर्ट्स क्लब द्वारा दिखाए गए प्यार और ऊर्जा से अभिभूत हैं। विजेता अमृतसर टीम को 51,000, जबकि उपविजेता टीम बड़ी ब्राह्मणा को 21,000 प्रदान किए गए।

आखिरी टी20 मैच में इंग्लैंड ने मारी बाजी, भारत ने 3-2 से जीती सीरीज

एजेंसी, बर्मिंघम

भारत ने इंग्लैंड को टी20 सीरीज में 3-2 से हरा दिया है। सीरीज का अंतिम मुकाबला शनिवार को बर्मिंघम में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड टीम ने अंतिम गेंद पर 5 विकेट से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने पहले खेलते हुए 167 रन बनाए थे, जवाब में इंग्लैंड ने मैच की आखिरी गेंद पर 5 विकेट से अपनी जीत सुनिश्चित की। मैच में भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 75 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन वह भारत के काम न आ सकी। इसके अलावा भारतीय टीम के लिए कोई अन्य बल्लेबाज ज्यादा बड़ी पारी नहीं खेल पाया। कप्तान हरमनप्रीत कौर सिर्फ 15 रन वहीं, रिचा घोष ने 24 रनों का योगदान दिया। इस तरह संघर्षपूर्ण अंदाज में टीम इंडिया 167 रनों तक पहुंची।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को सोफी डंकली और डेनियल वायट हॉज ने महज 10.4 ओवरों में 101 रन जोड़ दिए थे. डंकली ने 46 रन और हॉज ने 56 रनों की पारी खेली। उसके बाद इंग्लिश टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, इस बीच कप्तान टैमी ब्यूमॉन्ट ने 20 गेंदों में 30 रन बनाए। आलम यह था कि आखिरी 2 ओवरों में इंग्लैंड को जीत के लिए 14 रन बनाने थे।

19वें ओवर में 8 रन आए, जिससे इंग्लिश टीम को अंतिम 6 गेंदों में सिर्फ 6 रन बनाने थे। मैच का रोमांच तब बढ़ गया, जब अरुंधति रेड्डी ने पहली 3 गेंदों पर इंग्लैंड के 2 बल्लेबाजों को आउट कर दिया। चौथी गेंद पर इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 3 रन भागे, वहीं पांचवीं गेंद पर एक रन बनने से स्कोर बराबर हो गया था। मैच का परिणाम आखिरी गेंद पर टिका था, जिस पर सोफी एक्लेस्टोन ने एक रन भागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। (अनंत ज्ञान)

अश्मिता खेलो इंडिया महिला किक बॉक्सिंग लीग में बेटियों का शानदार प्रदर्शन

मंडी विजेता और शिमला-बिलासपुर बना उपविजेता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

भारतीय किक बॉक्सिंग महासंघ (वाको इंडिया) द्वारा खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत देश के 50 शहरों में आयोजित की जा रही अश्मिता महिला किक बॉक्सिंग लीग की शुरुआत हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर में हुई।

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश की 10 टीमों की 112 महिला खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु व भार वर्गों में भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में नामधारी दिल्ली पब्लिक स्कूल की उपप्रधानाचार्या मीनू मुख्यातिथि रहीं, जबकि राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ संजय कुमार यादव ने आयोजन की जानकारी दी। तकनीकी निदेशक हंसराज शर्मा के अनुसार मंडी जिला 12 स्वर्ण पदकों के साथ विजेता रहा, जबकि शिमला और बिलासपुर ने 8-8 स्वर्ण पदकों के साथ संयुक्त उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल फॉर्म इवेंट में सानिया चौहान मंडी ने स्वर्ण और क्रिस्टीन राणा हमीरपुर ने रजत पदक जीता।

प्रतियोगिता शुरू होने से पहले एक-दूसरे का अभिवादन करती खिलाड़ी।

सब जूनियर वर्ग में साध्वी सानवी मंडी ने स्वर्ण तथा तमन्ना बिलासपुर ने रजत पदक जीता। जूनियर वर्ग में सुमेधा पराशर मंडी ने स्वर्ण तथा श्रेया ठाकुर कांगड़ा ने रजत पदक जीता।

सीनियर वर्ग में तनीषा ठाकुर मंडी ने स्वर्ण और दिया शर्मा बिलासपुर ने रजत पदक हासिल किया। क्रिएटिव फॉर्म टीम इवेंट में मंडी और बिलासपुर का दबदबा रहा। प्वाइंट फाइटिंग इवेंट में विभिन्न आयु व भार वर्गों में प्रदेश की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सभी विजेता खिलाड़ी आगामी नॉर्थ जोन अश्मिता किक बॉक्सिंग लीग में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। समारोह में उपेंद्र शर्मा, कृष्ण लाल, रणबीर ठाकुर, संजय कुमार सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

अभियान | दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में द ग्रेट खली ने इस अभियान को दिखाई हरी झंडी

खेल मंत्री ने गांधीनगर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का किया नेतृत्व

एजेंसी, नई दिल्ली

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 31वां संस्करण रविवार सुबह देशभर में आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात के गांधीनगर में 500 से अधिक प्रतिभागियों के एक समूह का नेतृत्व किया। इस सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ साझेदारी में आयोजित इस साइकिलिंग अभियान में देशभर के 7000 से अधिक स्थानों पर 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' के संदेश को मजबूत करते हुए 3000 नमो फिट इंडिया साइक्लिंग क्लबों ने भाग लिया।

युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ. मांडविया ने कहा कि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अब एक शक्तिशाली राष्ट्रव्यापी पहल बन गई है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मिशन को पूरी ताकत से आगे बढ़ा रही है। यह वास्तव में एक ऐसी शृंखला बन गई है जो न केवल फिटनेस के बारे में है, बल्कि राष्ट्रीय परिवर्तन का भी प्रतीक है। आज 7000 से ज्यादा जगहों पर हमारे युवाओं ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

मांडविया ने भारतीय युवा महिला हैंडबॉल टीम से भी बातचीत की, जो वर्तमान में गांधीनगर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अपने राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम एक उत्सव जैसे माहौल में आयोजित किया गया, जिसमें रस्सी कूद, जुम्बा और हठ योग गतिविधियां शामिल थीं। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन और यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय दलीप सिंह राणा उर्फ द ग्रेट खली ने इस अभियान को हरी झंडी दिखाई। 3000 से ज्यादा युवा और बुजुर्ग फिटनेस प्रेमियों की उपस्थिति में 52 वर्षीय खली ने भारत के 'विश्व गुरु' बनने में फिटनेस के महत्व पर जोर दिया।

खली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि भारत 'विश्व गुरु' बने और यह सपना तभी साकार होगा जब हम स्वस्थ और सशक्त होंगे। आईए हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के इस विचार को मजबूत करें और सभी को जागरूक करें। आईए हम सब रोजाना एक घंटा फिटनेस के लिए निकालें और उसके बाद बाकी जिंदगी को संभालें। खली ने युवाओं से 'नशे से दूर रहने' और फिटनेस व खेल जैसे सकारात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। गुड़गांव में राहगीरी फाउंडेशन के सहयोग से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का एक विशेष संस्करण भी आयोजित किया गया, जिसमें 700 प्रतिभागियों ने साइकिलिंग, योगाभ्यास के साथ-साथ स्ट्रीट डांस, लूडो, कैरम, सांप-सीढ़ी, हैंड पेंटिंग आदि जैसे कई मनोरंजक खेलों में हिस्सा लिया। (अनंत ज्ञान)